हिंदी दैनिक

# कोयलांचल संवाद

Koylanchal samvad news

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, मंगलवार, 7 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 311 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

तमिलनाडु में 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सज़ाः 6 साल पहले बाप और बेटे... | ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका को वैश्विक कटघरे में खड़ा किया | हाईवे पर चलने वाले दें ध्यान! 10 अप्रैल से टोल प्लाजा पर कैश...

## संक्षिप्त खबरें

### दिल्ली विधानसभा का बैरियर तोड़कर घुसी कार, नकाबपोश ड्राइवर समेत 3 हिरासत में

**नई दिल्ली(ईएमएस)**। दिल्ली विधानसभा कैंपस में सोमवार दोपहर को सुरक्षा में चूक हुई। दोपहर करीब 2 बजे यूपी नंबर की कार वीआईपी एंट्री वाला गेट नंबर-2 की बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुसी। कार ड्राइवर ने नकाब पहना हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक, ड्राइवर सीधे विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और पोर्च के पास गुलदस्ता रखकर कार समेत मौके से फरार हो गया। हालांकि बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। घटना के बाद दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची है। गेट नंबर 2 पर अब सीआरपीएफ की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और टाटा सिएरा कार बरामद कर ली। हाल ही में विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकियां भी मिली थीं। ड्राइवर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर बढ़ा और बरामदे के पास फूलों का एक गुलदस्ता रख दिया। इस घटना ने सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं, और अधिकारी इसे सुरक्षा में संभावित चूक के तौर पर देख रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि एक नकाबपोश आदमी कार चला रहा था, जो दोपहर करीब 2 बजे असेंबली परिसर के गेट नंबर 2 को तोड़कर अंदर घुस गई।

### शराब घोटाला केस में केजरीवाल खुद पैरवी करेंगेः जस्टिस स्वर्ण कांता से इस केस से हटने की मांग की

**नई दिल्लीः** दिल्ली शराब घोटाला मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केजरीवाल ने इस केस की जज स्वर्ण कांता शर्मा से खुद को अलग करने की मांग की। कहा कि वे खुद दलीलें रखेंगे। अभी तक मैंने किसी को भी अपना वकालतनामा नहीं दिया है। जस्टिस शर्मा ने इस अर्जी को रिकॉर्ड पर लेते हुए इसकी सुनवाई 13 अप्रैल के लिए तय की। साथ ही सीबीआई को कल तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि अन्य कोई पक्ष भी यदि ऐसी अर्जी देना चाहता है तो दे सकता है। सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उसने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य 22 आरोपियों को शराब घोटाले केस में बरी कर दिया था। केजरीवाल पत्नी सुनीता के साथ सुबह 11 बजे कोर्ट रूम पहुंचे थे। सुनवाई दोपहर 2:30 बजे शुरू हुई। यह सिर्फ 9 मिनट चली।

### सिक्किम में बर्फबारी-भूस्खलन, 1500 टूरिस्ट फंसेः केदारनाथ में लगातार तीसरे दिन बर्फ गिरी

**शिमला/देहरादूनः** सिक्किम के मंगन जिले में रविवार को लाचेन-चुंगथांग रोड पर तेज बारिश और बर्फबारी हुई। इसके कारण लैंडस्लाइड भी हुआ और सड़क में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। यहां 1500 टूरिस्ट फंसे हैं। यहां आज सुबह से ही पर्यटकों का रेस्क्यू जारी है। इधर, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से उत्तर भारत के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में लगातार तीसरे दिन बर्फबारी हुई। वहीं उत्तरकाशी और चमोली समेत 8 जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। राजस्थान में सोमवार दोपहर बाद श्रीगंगानगर में बारिश हुई, जबकि सीकर में तेज आंधी चली। यूपी में 48 घंटे में 10 शहरों में ओले गिरे। आंधी-बारिश और बिजली गिरने से प्रदेश में तीन दिन में 15 लोगों की मौत हुई है। रविवार को काशी, गोंडा, सुल्तानपुर और कानपुर समेत 11 जिलों में बारिश हुई थी।

# असम चुनावः चाय बागान श्रमिकों-आदिवासियों के हक की लड़ाई जारी रहेगी : हेमंत सोरेन

## शोषण, उपेक्षा का आरोप, कहा-आदिवासी समाज को रोकने की हर कोशिश नाकाम होगी

**असम/चाबुआः** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को असम विधानसभा चुनाव के तहत चाबुआ-लाहोवाल सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रत्याशी भूबेन मुरारी के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को ऑनलाइन संबोधित करते हुए विपक्ष पर जोरदार हमला बोला. मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का हवाला देकर उनके हेलीकॉप्टर को उड़ान की अनुमति नहीं दी गई, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की साजिश है. उन्होंने कहा कि सत्ता और ताकत के दम पर विपक्ष उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन जेएमएम की हक और सम्मान की लड़ाई को कोई नहीं रोक सकता.

सोरेन ने तीखे अंदाज में कहा कि ये लोग वोट चोरी करते हैं और विपक्षी दलों के प्रचार में बाधा डालते हैं, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं. चाय बागान श्रमिकों की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि असम के इन इलाकों को झामुमो ने इसलिए चुना है क्योंकि यहां के मजदूर और आदिवासी वर्षों से उपेक्षित हैं. उन्होंने स्पष्ट कहा कि चाय बागान श्रमिकों को कम से कम 500 रु प्रतिदिन मजदूरी मिलनी चाहिए, जो उनका अधिकार है, कोई दया नहीं. मुख्यमंत्री ने असम में आदिवासी समुदाय को अब तक पूर्ण दर्जा नहीं मिलने पर भी सवाल उठाया और इसे सरकार की बड़ी विफलता बताया.

### लोकतंत्र की आड़ बंद किया जायेगाः सीएम

क्या लोकतंत्र अब कार्यक्रमों की आड़ में बंद किया जायेगा? और यह सब कैसे हो रहा है? संवैधानिक संस्थाओं का खुलेआम दुरुपयोग कर, एजेंसियों को हथियार बनाकर. हमारे पुरखों ने हमें झुकना नहीं, संघर्ष करना सिखाया है. हम लड़ते आए हैं और हर लड़ाई जीतकर ही आगे बढ़े हैं.

### अब यह समाज चुप नहीं रहेगा

सीएम ने कहा कि असम का शोषित, वंचित, आदिवासी, दलित और पिछड़ा समाज अब जाग चुका है. चाय बागान में रहने वाले लोग भी अब आगे बढ़कर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं. अब यह समाज चुप नहीं रहेगा, अपने अधिकार लेकर ही रहेगा.इसलिए साथियों, हमें एकजुट होना है. हमारी एकजुटता ही विरोधियों के लिए सबसे बड़ा जवाब है, और यही एकजुटता पहले ही इनके डर का कारण बन चुकी है.

महिलाओं के खातों में 9000 देने के वादे पर तंज कसते हुए सोरेन ने कहा कि जनता को यह सोचना होगा कि क्या यह राशि अगले पांच वर्षों तक उनके जीवन को सुरक्षित बना सकती है. उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं और अपनी ताकत को पहचानते हुए एकजुट हों. अपने संबोधन के अंत में सोरेन ने भरोसा जताया कि जब समाज एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए खड़ा होगा, तो सरकार को झुकना ही पड़ेगा और तभी श्रमिकों व आदिवासियों के बेहतर भविष्य की नींव रखी जा सकेगी.

### असम में आदिवासी समाज को रोकने की कोशिशः हेमंत

सीएम ने कहा कि इतने वर्षों तक तो चाय बागान के मेरे लाखों शोषित, वंचित आदिवासी समाज के भाइयों बहनों को रोकने की नाकाम कोशिश की है, और कितना रोक पाओगे? इतिहास गवाह है, जब-जब आवाज दबाई गई है, वह और बुलंद होकर उभरी है. आगामी नौ अप्रैल के दिन मेरे ये लाखों भाई-बहन अपने संघर्ष का हिसाब लेकर रहेंगे.

**नौ को अत्याचार का बदला वोट से देगी जनता...** सीएम ने कहा कि याद रखिये, जितना हमें रोकोगे, हम उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेंगे क्योंकि हमारे तीर-धनुष की ताकत सिर्फ प्रतीक नहीं, यह हमारे आत्मसम्मान और संघर्ष की पहचान है.आगामी नौ अप्रैल को हमारा यह संघर्षी समाज अपने ऊपर वर्षों से हुए शोषण और अत्याचार का बदला वोट की ताकत के साथ लेकर रहेगा.

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2026 बैकलॉग मामला

## झारखंड हाईकोर्ट ने जेपीएससी और सरकार से मांगा जवाब

**रांचीः** जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा बैकलॉग 2026 (वर्ष 2021, विज्ञापन 5/ 2026 एवं वर्ष 2024, विज्ञापन 6/ 2026) को चुनौती देने वाली अमित कुमार एवं अन्य की याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई. मामले में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने जेपीएससी एवं राज्य सरकार से जवाब मांगा है. अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी. प्रार्थियों की ओर से उक्त दोनों बैकलॉग परीक्षा की अभ्यर्थियों की अधिकतम उम्र सीमा वर्ष 2018 करने का आग्रह किया गया है. जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल ने पक्ष रखा. प्रार्थी के अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार ने बैकलॉग परीक्षा विज्ञापन संख्या 5/ 2026 के लिए अधिकतम उम्र सीमा 1 अगस्त 2022 एवं विज्ञापन संख्या 6/2026 के लिए अधिकतम उम्र सीमा 1 अगस्त 2017 निर्धारित की है.

उक्त बैकलॉग परीक्षा विज्ञापन 18 मार्च 2026 को जेपीएससी ने निकाला है. यह बैकलॉग परीक्षा रेगुलर परीक्षा के वह बचे हुए सीट जिसपर अभ्यर्थियों ने किसी कारण नियुक्ति नहीं ली या जेपीएससी द्वारा भरी नहीं जा सकती, उसी बची सीट के लिए है. बैकलॉग परीक्षा रेगुलर परीक्षा के ही प्रक्रिया का हिस्सा है. इसलिए उसमें भी कट ऑफ डेट वही रहना चाहिए जो रेगुलर परीक्षा के लिए रखा गया था. जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा वर्ष 2021 के रेगुलर परीक्षा में अधिकतम उम्र सीमा का कट ऑफ डेट 1 अगस्त 2016 रखा गया था और 2024 के रेगुलर परीक्षा में अधिकतम उम्र सीमा का कट ऑफ डेट 1 अगस्त 2017 रखा गया था.

अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने 22 फरवरी 2026 को नोटिफिकेशन जारी कर निर्णय लिया था कि जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के बैकलॉग एवं रेगुलर दोनों में अधिकतम उम्र सीमा 1 अगस्त 2022 रहेगी. चूंकि यह बैकलॉग परीक्षा 2021 और 2024 की है इसलिए इसमें सरकार द्वारा वर्ष 2026 का नोटिफिकेशन इसमें लागू नहीं किया जाना चाहिए. इसलिए इन दोनों बैकलॉग परीक्षा में अधिकतम उम्र सीमा वर्ष 2018 निर्धारित की जाए. बता दें कि उक्त सिविल सेवा परीक्षा के विज्ञापन संख्या 5 /2026 में 45 पदों एवं विज्ञापन संख्या 6/26 में साथ 7 पदों को भरने के लिए बैकलॉग परीक्षा ली जानी है.

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 38वां दिन

## ईरान की सबसे बड़ी गैस फील्ड पर इजराइली हमलाः ट्रम्प ने यहां अटैक करने से मना किया था

### जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने के पास धमाका

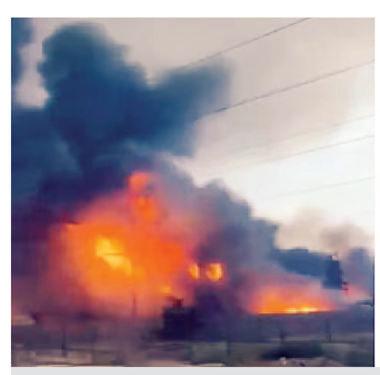

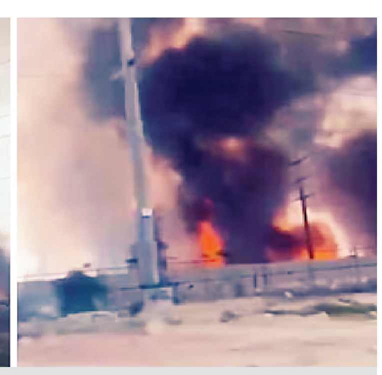

**तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसीः** इजराइल ने सोमवार को ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड पर फिर से मिसाइल हमला किया। यह दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड है, जो ईरान और कतर के बीच फैली हुई है। इससे पहले इजराइल ने 18 मार्च को भी इस गैस फील्ड पर हमला किया था। तब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें इस हमले की कोई जानकारी नहीं थी। ट्रम्प ने ये भी कहा था कि इस तरह के और हमले नहीं होने चाहिए। वहीं आज जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने के पास भी धमाकों की आवाज सुनी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हमला अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाकर किया गया।

### ईरान ने ग्लोबल सप्लाई ठप करने की धमकी दी

ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के हमले बढ़े तो वह ग्लोबल सप्लाई चेन को ठप कर देगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज के अलावा दूसरे समुद्री रास्तों को भी निशाना बना सकता है। ईरानी सुप्रीम लीडर के सलाहकार अली अकबर वेलायती ने कहा कि किसी भी बड़ी कार्रवाई का जवाब सिर्फ सैन्य स्तर पर नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा और व्यापार पर असर डालकर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ही नहीं, बल्कि बाब-अल-मंदेब जैसे अहम समुद्री रास्ते भी खतरे में आ सकते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट खोलने का अल्टीमेटम दिया है और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इससे पहले ईरान के करीबी माने जाने वाले यमन के हूती विद्रोही रेड सी में जहाजों पर हमले की बात कह चुके हैं।

### इजराइल का तेहरान में तीन एयरपोर्ट पर हमला

इजराइल ने सोमवार को ईरान में कई अहम सैन्य ठिकानों पर हमले किए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान के पास मौजूद तीन एयरपोर्ट्स पर भारी बमबारी की गई। इजरायल का कहना है कि इन हमलों में कई एयरक्राफ्ट, हेलिकॉप्टर और दूसरे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसी दौरान बुशहर में ईरान के बड़े नेवी बेस पर भी जोरदार धमाका हुआ। यहां नेवल बेस के साथ एयरफोर्स बेस, एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और ड्रोन के अंडरग्राउंड स्टोरेज मौजूद थे। इसके अलावा इजराइल ने ईरान की सबसे बड़ी गैस फील्ड, साउथ पार्स, पर भी फिर से हमला किया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड है और ईरान के लिए बहुत अहम है। इस हमले से ईरान की ऊर्जा सप्लाई और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है।

### ईरान बोला- शायद अमेरिका रेस्क्यू मिशन के बहाने यूरेनियन चुरा रहा था

ईरान ने अमेरिका पर रेस्क्यू ऑपरेशन के बहाने यूरेनियन चुराने का शक जताया है। उसका कहना है कि यह सिर्फ पायलट को बचाने का मिशन नहीं था। ईरान के प्रवक्ता इस्माइल बाघाई ने कहा कि इस ऑपरेशन को लेकर कई सवाल हैं। उन्होंने बताया कि जिस जगह पायलट के होने की बात कही गई, वह उस जगह से काफी दूर थी जहां अमेरिकी सेना पहुंची। ईरान का कहना है कि हो सकता है यह एक चाल हो और अमेरिका वहां से यूरेनियम लेने की कोशिश कर रहा हो।

## रांचीः प्राइवेट स्कूलों के फीस बढ़ोतरी पर शिकंजा, 10% ही कर सकते वृद्धि

**रांचीः** प्राइवेट स्कूलों के बेलगाम फीस बढ़ोतरी पर नकेल कसने और अभिभावकों के शिकायतों पर रांची उपायुक्त मंजूनाथ भंजत्री की अध्यक्षता में सोमवार को बैठक हुई. बैठक में फीस, किताब, यूनिफॉर्म और ट्रांसपोर्ट शुल्क को लेकर नियम तय किए गए. **बैठक में इन बिंदु लिया निर्णय** : बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी निजी स्कूल अधिकतम 10% तक ही फीस बढ़ा सकेंगे. इससे अधिक बढ़ोतरी के लिए जिला समिति से पहले मंजूरी लेना अनिवार्य होगा. बढ़ी हुई फीस कम से कम दो साल तक लागू रहेगी. साथ ही, स्कूलों को पिछले तीन साल की कक्षावार फीस और 2026-27 सत्र की पूरी शुल्क विवरणी समिति को देनी होगी.

प्रशासन ने कहा कि हर स्कूल में फीस समिति और पीटीए बनाना अनिवार्य किया है. इनकी जानकारी स्कूल की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक करना होगा. किताबों को लेकर निर्देश दिया गया कि एनसीईआरटी के अलावा अन्य किताबें अनिवार्य नहीं की जा सकतीं और बदलाव 5 साल से पहले नहीं होगा. यूनिफॉर्म में बार-बार बदलाव पर भी रोक लगाई गई है. स्कूल किसी एक दुकान से खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे. वहीं, ट्रांसपोर्ट और अन्य सभी शुल्क को मासिक फीस का हिस्सा माना जाएगा. नियमों के उल्लंघन पर 50 हजार से 2.5 लाख रुपए तक जुर्माना और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. अभिभावक अब अपनी शिकायत समाहरणालय या 'अबुआ साथी' व्हाट्सएप नंबर 9430328080 पर दर्ज करा सकते हैं.

## रामगढ़ के इस्पात प्लांट में ब्लास्ट, 9 मजदूर झुलसे, सात की हालत नाजुक

**रामगढ़ः** जिले के अरगड्डा मोड़ के पास हेसला स्थित झारखंड इस्पात प्लांट प्राइवेट लिमिटेड में सोमवार को हुए भीषण फर्नेस ब्लास्ट ने पूरे इलाके को दहला दिया. इस दर्दनाक हादसे में प्लांट में काम कर रहे 9 मजदूर बुरी तरह झुलस गए, जिनमें से 7 की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है. घटना के बाद मजदूरों, प्रबंधन, स्थानीय लोगों के सहयोग से प्राथमिक उपचार कराकर सभी घायलों को रांची के देवकमल और अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें से सात लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब मजदूर फर्नेस के पास नियमित कार्य में लगे हुए थे.

घायलों की पहचान अखिला राय, बृजलाल बेदिया, राजबालन यादव, महेश महतो, अशोक बेदिया, राजू झा उर्फ पंडित जी, छोटू साव, सुरेश बेदिया और इशया के रूप में हुई है. सभी घायलों को तत्काल रांची रोड स्थित होप अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मजदूरों को रांची के सहित अन्य अस्पतालों में रेफर कर दिया गया. डॉक्टरों के अनुसार 7 मजदूरों की हालत बहुत गंभीर है. वे 80 से 90 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं. सभी गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची के देवकमल अस्पताल रेफर कर दिया गया है.

## राज्यसभा में 19 नए सदस्यों ने शपथ लीः शरद पवार व्हीलचेयर पर पहुंचे; नीतीश 10 अप्रैल को शपथ लेंगे

**नई दिल्लीः** केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार समेत 19 नए और दोबारा चुने गए राज्यसभा सदस्यों ने सोमवार को शपथ ली। शरद पवार व्हीलचेयर पर शपथ लेने के लिए संसद पहुंचे। शपथ लेने वालों में 5 महाराष्ट्र, 3 ओडिशा, 6 तमिलनाडु और 5 पश्चिम बंगाल के सदस्य है। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में सभी सदस्यों को शपथ दिलाई गई। दरअसल, 16 मार्च को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों को चुनाव हुए थे। अब 18 सांसदों का अभी शपथ लेना बाकी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लेंगे।

शपथ लेने वाले सभी 19 सदस्यों में रामदास आठवले, माया चिंतामन इवनाते, शरदचंद्र पवार, रामराव सखाराम वडकुटे, ज्योति नागनाथ वाघमारे, क्रिस्टोफर मणिकम, अंबुमणि रामदोस, कोंस्टांडिन रवींद्रन, एल. के. सुधीश, एम. थंबीदुरई, तिरुची शिवा, बाबुल सुप्रियो बराल, मेनका गुरुस्वामी, राजीव कुमार, रुक्मिणी मलिक, बिस्वजीत सिन्हा, संतृप्त मिश्रा, दिलीप कुमार रे और मनमोहन सामल शामिल रहे.

इस अवसर पर सदस्यों ने विभिन्न भाषाओं में शपथ ली, जो भारत की भाषाई विविधता को दर्शाता है. तीन सदस्यों ने मराठी, दो ने हिंदी, छह ने तमिल, एक ने अंग्रेजी, चार ने बंगाली और तीन सदस्यों ने ओड़िया भाषा में शपथ अथवा प्रतिज्ञान किया. वहीं राज्यवार प्रतिनिधित्व के अनुसार देखें तो सोमवार को शपथ लेने वाले सदस्यों में से पांच सांसद महाराष्ट्र से रहे. तमिलनाडु से कुल छह लोगों ने राज्यसभा सांसद की शपथ ली. पश्चिम बंगाल की बात की जाए तो यहां से पांच सांसद उच्च सदन के सदस्य बने हैं जिन्होंने सोमवार को राज्यसभा में शपथ ली.

वहीं, ओडिशा से तीन सदस्य इस राज्यसभा की शपथ ग्रहण प्रक्रिया में शामिल हुए. राज्यसभा की यह विविधता भारतीय लोकतंत्र की समावेशी प्रकृति को दर्शाती है. राज्यसभा में सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, जनजातीय कार्य मंत्री जुअल ओराम, राज्यसभा के महासचिव पी. सी. मोदी तथा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे.

### 16 से राज्यसभा का विशेष सत्र

सांसदों के शपथ ग्रहण का आयोजन ऐसे समय हो रहा है, जब 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। इसमें महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े अहम बिल पर चर्चा की जाएगी। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। प्रस्तावित 50% की बढ़ोतरी के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिसमें से 273 (करीब एक तिहाई) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार ने 2023 में संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण विधेयक पेश किया था। उसी दौरान इस बिल को आधिकारिक रूप से 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' कहा गया।

## बिना एड्रेस प्रूफ मिलेगा 5Kg वाला सिलेंडरः आधार-पैन जैसी एक फोटो-आईडी दिखानी होगी

**नई दिल्लीः** मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन की दिक्कतों के बीच केंद्र सरकार ने 5Kg वाले एलपीजी सिलेंडर की बिक्री के नियमों को आसान बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी एड्रेस प्रूफ के छोटा गैस सिलेंडर खरीद सकेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, यह कदम प्रवासी मजदूरों और उन लोगों के लिए उठाया गया है, जिनके पास शहर में कोई स्थायी पता नहीं है। अब ग्राहकों को ऑथोराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाकर सिर्फ अपनी कोई भी एक फोटो-ID दिखानी होगी और वे तुरंत सिलेंडर ले सकेंगे। मंत्रालय ने साफ किया है कि 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर के लिए अब बहुत सारे डॉक्यूमेंट्स की जरूरत नहीं है। ग्राहक आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी जैसे डॉक्यूमेंट दिखाकर सिलेंडर ले सकते हैं। आप साल में जितनी बार चाहें, उतनी बार इसे रिफिल करवा सकते हैं।

### सप्लाई पर असर के कारण छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाई

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव की वजह से एनर्जी लॉजिस्टिक्स पर असर पड़ा है। इसे देखते हुए सरकार ने छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाने का भी फैसला किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 23 मार्च से अब तक लगभग 6.6 लाख छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। अकेले 4 अप्रैल को ही 90,000 यूनिट्स की बिक्री हुई। अधिकारियों का कहना है कि डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट्स पर स्टॉक की कोई कमी नहीं है।

### प्रवासियों के लिए एयपीसीएल आउटलेट्स पर 11 हेल्प डेस्क बनाई

कामकाज के लिए दूसरे शहरों में रहने वाले लोगों की मदद के लिए सरकार ने एयपीसीएल के चुनिंदा आउटलेट्स पर 11 विशेष हेल्प डेस्क बनाई हैं। ये डेस्क उपभोक्ताओं को नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर की जानकारी देंगे और उन्हें बिना किसी परेशानी के सिलेंडर दिलाने में मदद करेंगे। घरेलू गैस की मांग भी रिकॉर्ड स्तर पर है; एक ही दिन में 51 लाख से ज्यादा डोमेस्टिक सिलेंडरों की डिलीवरी की गई है। खास बात यह है कि कुल मांग का 95% हिस्सा अब ऑनलाइन बुकिंग के जरिए आ रहा है।

## संक्षिप्त खबरें...

### बड़कागांव धूमधाम से मनाया गया भाजपा का स्थापना दिवस, उपलब्धियों पर हुई चर्चा

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को बड़कागांव भाजपा पूर्वी मंडल द्वारा खरांटी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के समीप प्रांगण में भाजपा की स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसकी अध्यक्षता बड़कागांव पूर्वी मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्वी मंडल अध्यक्ष विजय यादव द्वारा भाजपा का ध्वज फहराकर की गई। इसके पश्चात पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय हित के लिए कोई समझौता नहीं करती है। भाजपा अंत्योदय के सिद्धांत पर चलने वाली पार्टी है, जिसका लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाना है।कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। स्थापना दिवस के इस गौरवशाली अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ सदस्य और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिनमें मुख्य रूप से शामिलभागीरथ ठाकुर,अशोक साव,सुमन गिरी,विष्णु गुप्ता,नितेश वर्मा,ज्योतिंद्र प्रजापति, जइकप सोरेन, सुरेश प्रजापति, सुरेंद्र महंतो, मोहन यादव शामिल थे।

### हजारीबाग झील में मछली पकड़ने गए युवक की डूबने से हुई मौत

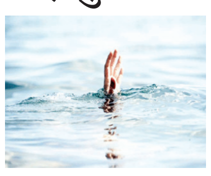

हजारीबाग। हज़ारीबाग जिले के लोहसिंहना थाना क्षेत्र से एक दुखद घटना सामने आई है। जहां झील में मछली पकड़ने गए एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान सरदार चौक निवासी मो कलीम के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, कलीम रोजाना की तरह बीते दिन भी सुबह मछली पकड़ने के लिए घर से निकला था।लेकिन देर रात तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। परिजन उसकी तलाश में झील के पास पहुंचे, जहां उस स्थान पर उसका मछली पकड़ने का सामान छड़, बंशी और टिफिन मिला, जिससे अनहोनी की आशंका बढ़ गई। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से आसपास के क्षेत्र में खोजबीन शुरू की गई। देर रात झील में झग्गर डालकर तलाश की गई। जिसके बाद कलीम का शव पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया।स्थानीय लोगों की सहायता से शव को झील से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह हादसा कैसे हुआ। परिजनों का कहना है कि कलीम रोजाना झील में मछली पकड़ने जाया करता था. लेकिन इस तरह की घटना पहली बार हुई है।इस घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

### जिप सदस्य कुमकुम देवी के प्रयास से बिजली आपूर्ति सेवा हुई बहाल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कपका ककरिया टोला में पांच दिनों बाद जिप सदस्य कुमकुम देवी के प्रयास से बिजली आपूर्ति सेवा बहाल हुई। जानकारी हो कि ककरिया टोला में लगा सौ केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर पांच दिन पूर्व खराब हो गया था। जिससे टोला वासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसकी जानकारी ग्रामीणों के द्वारा जिप सदस्य कुमकुम देवी को दिया गया। कुमकुम देवी संज्ञान लेते हुए बिजली विभाग के पदाधिकारियों से बात कर समस्या से अवगत कराते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सौ केवीए का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराई। ट्रांसफार्मर मिलने पर टोला वासी राजू मंडल, रोहित राणा, मुंशी मंडल, मनोज मंडल, दिलीप राणा, त्रिलोकी प्रसाद, सुमा देवी समेत अन्य ग्रामीणों ने कुमकुम देवी का आभार जताया है।

### भाजपा ग्रामीण मंडल ने पार्टी का मनाया स्थापना दिवस,कई कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : भाजपा ग्रामीण मंडल द्वारा सोमवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। बी मोड़ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास चौबे ने किया। जबकि संचालन महामंत्री राधा कृष्ण साव ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय,श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां भाजपा नेता - कार्यकर्ताओं ने पार्टी के सिद्धांतों पर चलने एवं संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास चौबे ने पार्टी के संघर्ष और विकास यात्रा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी,सतेंद्र नारायण सिंह,शिववंश मिश्रा,महिला मोर्चा अध्यक्ष किरण शर्मा,गोखुला मिश्रा,अनुज चौधरी,उपेंद्र तिवारी,मेराज आलम,सुरेश पांडेय,दयाल विश्वकर्मा,सत्य प्रकाश शुक्ला,श्रीकांत पाठक,संजय तिवारी,पंकज तिवारी,प्रदीप चौधरी,अनिल पासवान,अनुज ओझा,ओम पाठक,विवेकानंद सिंह,सुनील चौबे,सुरेंद्र मालाकार,धर्मदेव चौधरी,शिव कुमार साव,धीरन तिवारी,नंदकिशोर चंद्रवंशी,रमेश पाल,मनोज चंद्रवंशी,सत्यनारायण राम,रीता सिंह,एनिमा देवी सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

### पालना घर का शुभारंभ, कार्यरत महिलाओं को मिलेगी बड़ी राहत, मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर जोर

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने समाहरणालय ब्लॉक 'सी' के प्रथम तल पर निर्मित पालना घर (क्रेच) का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कार्यरत महिलाओं की सुविधा, बच्चों की सुरक्षित देखभाल एवं समुचित पोषण सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि पालना घर में 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया गया है। यहां खेल-कूद की सामग्री, विश्राम व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, पोषण युक्त आहार, शौचालय एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

## विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी है - मनीष जायसवाल

हज़ारीबाग। भारतीय जनता पार्टी के 47 वें स्थापना गौरव दिवस के पावन अवसर पर कार्यकर्ताओं के द्वारा अपने-अपने घरों व पार्टी के कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा हर्षो उल्लास के साथ लगाया । इसी नामित हजारीबाग लोकसभा के माननीय सांसद मनीष जायसवाल जी के सांसद सेवा कार्यालय में झंडोतोलन का कार्यक्रम मनाते हुए सांसद के द्वारा कार्यालय में झंडा लगाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह जी द्वारा की गई , संचालन जिला महामंत्री सुमन कुमार व जिला मंत्री जय नारायण प्रसाद द्वारा व धन्यवाद ज्ञापन ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजीत चंद्रवंशी द्वारा की गई।इस अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, माननीय सांसद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ,विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है, इस अवसर पर सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, नेताओं एवं समर्थकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ।भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह जी ने कहा की संगठन की जड़ों को और मजबूत करने का संकल्प के साथ गांव चलो, बस्ती चलो, के माध्यम से 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाना है। स्थापना दिवस पर रिटायर्ड डीएसपी शशि लता ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।इस अवसर पर मुख्य रूप से दोनों कार्यक्रमों में उपस्थित होने वालों में पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव, टुन्नू गोप,प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल मिश्रा ,हरीश श्रीवास्तव, सुदेश चंद्रवंशी ,जिला पदाधिकारी रेणुका साहू ,भानुमति पासवान, जय नारायण प्रसाद, कुणाल किशोर ,सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह ,अजय साहू, किशोरी राणा,जिला मोर्चा अध्यक्ष इंद्र नारायण कुशवाहा, राजकरण पांडे ,महेंद्र बिहारी, अजीत चंद्रवंशी,सैयद तनवीर अहमद के साथ वरिष्ठ नेता राजेश गुप्ता ,रतन सिंहा ,शेफाली गुप्ता ,ज्योत्सना देवी ,पूनम मिश्रा ,श्वेता सिंहा ,प्रमोद साव, विजय वर्मा,विशेषांक वर्मा, अनूप ठाकुर ,चंदन सिंह विधायक के निजी सचिव,श्याम किशोर सिंह सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## रामनवमी शोभा यात्रा जुलुस में चाकू मरने से घायल हुए युवक की मौत, तीन गिरफ्तार

हज़ारीबाग। हजारीबाग जिले के दारू थाना क्षेत्र में रामनवमी शोभायात्रा की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं थीं जब आपसी विवाद में एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया था। इस हमले में गंभीर रूप से घायल गुलाब कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या में शामिल मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस नें प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की घटना 27 और 28 मार्च 2026 की मध्य रात्रि की है। बासोबार के जुलूस में शामिल गुलाब कुमार का दारू चौक स्थित काली मंडप के पास कुछ युवकों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने गुलाब पर धारदार चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घायल गुलाब को पहले आरोग्यम अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर किया गया। परिजनों ने उसे बाद में मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन घाव गहरे होने के कारण 5 अप्रैल 2026 को उसकी मृत्यु हो गई। हत्या की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने पूर्व में ही मुख्य आरोपी को निरुद्ध कर संप्रेक्षण गृह भेज दिया था। ताजा कार्रवाई में पुलिस ने फरार चल रहे अन्य तीन आरोपियों को भी दबोच लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में आकाश कुमार (21 वर्ष), पिता- स्व. बैजनाथ प्रसाद, ग्राम- बासोबार।विशाल कुमार (25 वर्ष), पिता- संजय वर्मा, ग्राम- बक्शीडीह।मनीष कुमार वर्मा (17 वर्ष - निरुद्ध), पिता- विकास कुमार वर्मा, ग्राम- बक्शीडीह। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि आपसी बहस के बाद उन्होंने गुलाब को पीछे से पकड़ा और करण कुमार (मुख्य आरोपी) ने चाकू से वार किया।इस सफल उद्भेदन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजनाथ प्रसाद, थाना प्रभारी मो. इकबाल हुसैन, मदन मुंडा, मोतीलाल महतो, अजय राजवार और शकील अंसारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

## अप्रैल माह का राशन15 अप्रैल तक शत-प्रतिशत वितरण करने का दिया गया

संवाददाता - सहबाज़ खान, हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार सोमवार को समाहरणालय सभागार में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री मुरली यादव ने आरसीएमएस, सेल्फ सरेंडर, डोर स्टेप डिलीवरी, जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) विक्रेताओं की स्थिति, चना-दाल, चीनी, नमक वितरण, गोदामों की स्थिति, सोना-सोबरन अंत्योदय योजना, मिट्टी तेल वितरण तथा सफेद एवं ग्रीन राशन कार्ड की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली एवं प्रगति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए अयोग्य राशन कार्डधारियों की सूची के अनुसार विलोपन सुनिश्चित करने, कम खाद्यान्न वितरण वाले क्षेत्रों में सुधार लाने तथा पीजीएमएस (PGMS) में लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर पीडीएस डीलरों के कार्यों की समीक्षा करने एवं अपने लॉगिन में लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन कर शून्य करने, पात्र लाभुकों के आवेदनों को स्वीकृत करने तथा अपात्र, मृत अथवा राशन कार्ड सरेंडर किए गए मामलों में जांचोपरांत अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।सभी बीसीओ को "वन नेशन वन राशन कार्ड" योजना के अंतर्गत राशन उठाव करने वाले लाभुकों का वेरिफिकेशन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। साथ ही विलोपित एवं रिजेक्टेड मामलों की जांच अपने स्तर से करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। इसके अतिरिक्त उन्होंने अप्रैल माह के राशन 15 अप्रैल तक शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मिट्टी तेल वितरण के संबध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

### सेना में करियर को लेकर युवाओं में जागरूकता, प्रेरक संवाद सत्र आयोजित

दुमकाः कर्नल अनिल यादव, कमांडिंग ऑफिसर, 4 झारखंड गर्ल्स बटालियन एनसीसी, ने राजकीय पुस्तकालय, दुमका में 90 से अधिक विद्यार्थियों के साथ प्रेरणादायक संवाद सत्र आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना में करियर के अवसरों एवं राष्ट्रसेवा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।सत्र में विद्यार्थियों ने सेना की संरचना, कार्यप्रणाली एवं जिम्मेदारियों को समझने में गहरी रुचि दिखाई।

### एनएमडीसी कोल कंपनी के खिलाफ ग्रामीणों ने की बैठक ,कंपनी के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्णय

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बडकागांव ग्रामीणों ने एनएमडीसी कोल कंपनी की गतिविधियों और भूमि अधिग्रहण के विरोध में चीरवा में महत्वपूर्ण बैठक की ।जिसमें सैकड़ों की संख्या में रैयत और ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभावित मोर्चा के अध्यक्ष विजय यादव एवं संचालन चंदन गंझू , किशोर हंसदा ने किया ।बैठक का मुख्य उद्देश्य कंपनी द्वारा मांगे जा रहे सहमति पत्र और जमीन अधिग्रहण की रणनीति पर चर्चा किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने कंपनी का विरोध किया और सहमति पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्णय लिया। रैयतो ने कहा कि हम लोग कंपनी का विरोध करते हैं । अपनी पुश्तैनी जमीन कंपनी को नहीं देंगे।मौके पर विजय यादव, दीपक करमाली, सुरेश प्रजापति, हेमन्त भुईंया, चंदन पुरी, सुनील सोरेन, गणेश सोरेन , महेश सोरेन, करू साहू साहू ,अनिल साव, रोहित साव, बबलू साव के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

**13 अप्रैल को हजारीबाग यूथ विंग का रक्तदान शिविर, सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग वासियों से की अपील**

## रक्तदान महादान है, अधिक से अधिक लोग आगे आकर इस अभियान को सफल बनाएं - मनीष जायसवाल

हजारीबाग। हज़ारीबाग यूथ विंग द्वारा 13 अप्रैल को शहर के लक्ष्मी सिनेमा हॉल केंपस में आयोजित होने वाले भव्य रक्तदान शिविर को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लगातार तीसरी बार आयोजित हो रहे इस शिविर को सफल बनाने के लिए संस्था द्वारा व्यापक स्तर पर जनसंपर्क एवं निमंत्रण अभियान चलाया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। इस सामाजिक पहल को लेकर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जो सीधे किसी जरूरतमंद की जान बचाने में सहायक होता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान करें और इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि रक्तदान करने से शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन महीने में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा सड़क सुरक्षा की दृष्टिकोण से हर रक्तदाताओं को हेलमेट भेंट किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं, जिसमें चिकित्सकों की टीम, आवश्यक उपकरण एवं सुरक्षित रक्त संग्रहण की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। शिविर में आने वाले प्रत्येक रक्तदाता के लिए विशेष सुविधा और देखभाल का भी प्रबंध किया गया है। संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग हमेशा से सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहा है। रक्तदान शिविर हमारे प्रमुख अभियानों में से एक है और हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग इसमें भाग लेकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि रक्तदान किसी भी जरूरतमंद के लिए जीवनदान के समान है।

### सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच किया जाम

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : शंखा - पड़वा मोड़ मुख्य पथ पर सोमवार को सड़क हादसा हुआ,जिसमे एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। घटना सोमवार शाम पांच बजे की है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने एन एच 39 को जाम कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार भारत वाणिज्य द्वारा सड़क का मरम्मत कराया जा रहा था। जिस कारण गुरी गांव के पास सड़क को वन-वे किया गया था। इसी बीच मोटरसाइकल सवार युवक मरम्मत कार्य चल रहे साइड में ही घुस गया और एक खड़े हाइवा से टकरा गया। जिससे मोटरसाइकल चालक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। मृतक की पहचान सेवरा गांव निवासी पप्पू चंद्रवंशी (35) के रूप में हुयी है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दिया। सूचना मिलने पर विश्रामपुर बीडीओ राजीव कुमार सिंह,पुलिस निरीक्षक रामाशीष पासवान,विश्रामपुर थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे व नौगाढ़ा ओपी प्रभारी अनिल कुमार यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन स्थानीय लोग पुलिस को न तो शव उठाने दे रहे हैं और न ही सड़क को जाम मुक्त कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भारत वाणिज्य कंपनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य में व्यापक रूप से अनियमितता बरती गयी है। जिस कारण निर्माण के कुछ दिनों बाद ही सड़क जहां तहां कबड़ गया है। जिसके मरम्मत के लिये मनमाने तरीके से सड़क को बगैर बंद किये मरम्मत कार्य करा रहा है,जिस कारण आए दिन दुर्घटना घट रही है। ग्रामीण सड़क निर्माण कंपनी पर कार्रवाई व मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक सड़क जाम था। पुलिस ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम हटाने का प्रयास कर रही है। ग्रामीणों का नेतृत्व जिला पार्षद विजय रविदास,वरीय भाजपा नेता सुनील पांडेय,उप प्रमुख सतेंद्र नारायण सिंह,नंददेव यादव सहित कई पंचायत प्रतिनिधि संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

### उपायुक्त का औचक निरीक्षण, लंबित फाइलों पर सख्त निर्देश

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने जिला विकास शाखा का औचक निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने रैंडम फाइलों की जांच करते हुए निर्देश दिया कि कोई भी फाइल लंबित न रहे और सभी कार्य समयबद्ध तरीके से निष्पादित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्म पुस्तिका, आगत-निर्गत पंजी, लॉग बुक एवं गार्ड फाइल सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की। साथ ही कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्यशैली का भी मूल्यांकन किया।

**आवास योजना के भुगतान में देरी न करने के निर्देश**

इसके उपरांत उपायुक्त ने जिला ग्रामीण विकास शाखा कार्यालय का निरीक्षण किया और आवास योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी योग्य लाभुकों को समय पर योजना का लाभ मिले और किसी भी भुगतान में अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने 31 मार्च तक किए गए भुगतानों की जानकारी लेते हुए स्पष्ट किया कि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उप विकास आयुक्त सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला
दूरभाष–06524–223092,(मो0)9431706376,
E-mail Id- sp-gumla@jhpolice.gov.in)

(गुमशुदा की तलाश)

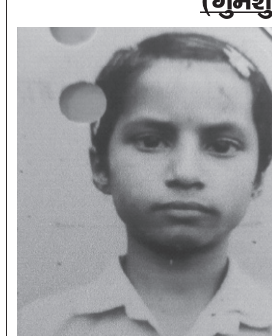

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि पीड़िता नाबालिक लड़की संजीता कुमारी उम्र 15 वर्ष, पिता– स्व0 चन्दरू उराँव, पता– खोरा जामटोली, थाना+जिला– गुमला,(झारखण्ड) को बहला–फुसलाकर वर्ष 2018 में बेच देने के आरोप में कांड दर्ज कराया गया है, इस संबंध में अहतु थाना कांड सं0–03/20 दिनांक 06.02.20 दर्ज कर खोजबीन किया जा रहा हैं। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अत: सभी जन साधारण से अनुरोध है कि उपरोक्त पीड़िता संजीता कुमारी उम्र 15 वर्ष, के बारे में कोई पहचान/जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गुमला या निम्नांकित मो0 नं0 पर संपर्क कर इसकी सूचना दे सकते है।

1. पुलिस अधीक्षक गुमला – 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला। – 9471182113
3. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी गुमला – 9431706202
4. थाना प्रभारी, अहतु – 8986604606

पुलिस अधीक्षक, गुमला

PR 376766 Police Wireless Headquarter(26-27)#D

POLICE HELPLINE (EMERGENCY DIAL)-112
CHILD HELPLINE-1098
WOMEN HELPLINE-1091
DOMESTIC ABUSE HELPLINE-181
CYBER CRIME HELPLINE-1930
AMBULANCE SERVICE-108

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, हजारीबाग

सर्वसाधारण के लिये सूचना

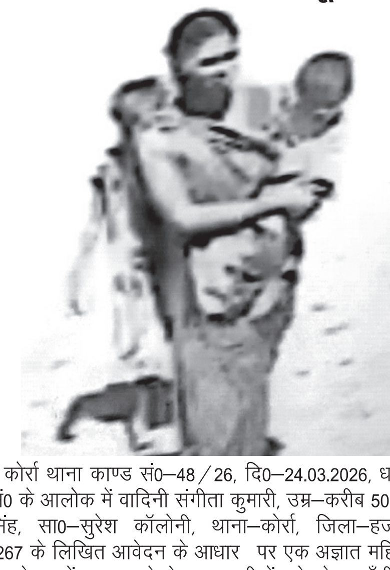

कोर्रा थाना काण्ड सं0–48/26, दि0–24.03.2026, धारा–305/331(3) भा0न्या0सं0 के आलोक में वादिनी संगीता कुमारी, उम्र–करीब 50 वर्ष, पति–सत्येन्द्र कुमार सिंह, सा0–सुरेश कॉलोनी, थाना–कोर्रा, जिला–हजारीबाग मो0नं0–9431974267 के लिखित आवेदन के आधार पर एक अज्ञात महिला द्वारा दो बच्चों के साथ उनके घर में घुसकर गोदरेज अलमारी में रखे सोना, चाँदी का आभूषण चोरी कर लेने के आरोप में कांड प्रतिवेदित किया गया है। वादिनी के द्वारा कांड में संलिप्त अज्ञात संदिग्ध महिला का धुंधला रंगीन फोटो उपलब्ध कराया गया है। फोटो में महिला दो बच्चों के साथ है, जिसमें एक बच्चा गोदी में और एक बच्चा मां के पीछे झोला ली हुई है।

इस सबंध में यदि किसी प्रकार की सूचना हो तो थाना प्रभारी कोर्रा/अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग के कार्यालय के निम्नाकिंत फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दें।

सम्पर्क सूत्रः–
अनु0पु0पदा0 सदर, हजारीबाग :– 9430116928
थाना प्रभारी कोर्रा, हजारीबाग :– 7294119557

पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग

PR 376801 Police(26-27)#D

## संक्षिप्त खबरें

### लायन सुजीत कुमार को सेकेंड वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनने पर शिव किशोर शर्मा ने दी बधाई

**संवाददाता रांचीः** लायंस क्लब इंटरनेशनल, डिस्ट्रिक्ट 322A का दो दिवसीय भव्य डिस्ट्रिक्ट सम्मेलन जमशेदपुर के होटल वेव इंटरनेशनल में सफलतापूर्वक अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और सहभागिता के साथ सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में झारखंड के सभी जिलों के लगभग 550 से 600 से अधिक लायंस सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस सम्मेलन में सेकंड वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का निःष्पक्ष चुनाव हुआ जिसमें दो प्रत्याशी लायन प्रदीप डोकानिया एवं लायन सुजीत कुमार चुनावी मैदान मे आमने सामने थे।निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित चुनावी प्रक्रिया के पश्चात लायन सुजीत कुमार भारी मतों से विजयी घोषित हुए।इस पूरे सम्मेलन का सफल आयोजन डिस्ट्रिक्ट टीम के नेतृत्व में संपन्न हुआ,जिसमें लायन इंटरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष लायन नरेश अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन संजय कुमार के साथ-साथ लायन राहुल वर्मा,लायन अरुण सिंह, लायन धर्मेंद्र सिन्हा एवं अनेक पूर्व अध्यक्षों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। लायन सुजीत कुमार को सेकेंड वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनने पर छात्र क्लब ग्रुप,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के पी.आर.ओ. शिव किशोर शर्मा ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर बधाई दी और आशा जताई सामाजिक हित में कार्य करते रहेंगे।

### असम से पहले झारखंड में अनुसूचित जाति समाज को मुख्यमंत्री दे संविधानिक अधिकारः समन्वय समिति

**संवाददाता रांचीः** अखिल भारतीय अनुसूचित जाति समन्वय समिति के केंद्रीय संयोजक मंडली कि बैठक मोरहाबादी रांची में हुई। बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने असम चुनाव में कहा कि वर्षों से काम कर रहे यहा आदिवासी समाज के लोगों को यदि हम सत्ता में आए तो यहां के लोगों को आदिवासी के दर्जा देंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए समन्वय समिति के राष्ट्रीय संयोजक उपेन्द्र कुमार रजक, संतोष रजक, टिंकू रवि,गोबिंदा वाल्मीकि, संदीप नायक, जीवन राम, पुनित राम ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को असम जाकर यदि हृदय बड़ा हुआ है तो झारखंड में सैकड़ों वर्षों से रह रहे लाखों की संख्या में अनुसूचित जाति समाज के लोग को जाति प्रमाण, आवासी प्रमाण पत्र आदि अधिकार असम से लौटते ही देकर उन्हें अपने दरिया दिल दिखाना चाहिए चूंकि यहां खुद वह सरकार हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में अनुसूचित जाति समन्वय के लोग हेमंत सरकार से लगातार अपने संविधानिक अधिकारों को मांग कर रहे हैं लेकिन वह नहीं दे रहे हैं तो असम के लोगों को कहा देंगे। यह उनके चुनावी जुमला है। बैठक में उपस्थित थे- ई अनिल कुमार, कारण नायक, श्यामनंदन प्रसाद, पुनित राम, जगदीश दास, दिलीप भुईयां आदि।

### रांची के मेदांता अस्पताल में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जन-जागरूकता अभियान, विज्ञान के साथ खड़े होने का आह्वान

**संवाददाता रांचीः** विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के अवसर पर मेदांता अस्पताल में "स्वास्थ्य के लिए एकजुट हों, विज्ञान के साथ खड़े रहें" संकल्प के तहत व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने समाज के सभी वर्गों से वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और प्रमाण-आधारित चिकित्सा पर भरोसा करने की अपील की। अस्पताल के निदेशक विश्वजीत कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में अफवाहों और अप्रमाणित जानकारियों के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में आवश्यक है कि आमजन केवल योग्य चिकित्सकों और प्रमाणित स्रोतों से प्राप्त सलाह को ही अपनाएं। चिकित्सकों ने टीकाकरण को अनिवार्य बताते हुए कहा कि यह गंभीर रोगों से सुरक्षा प्रदान करता है। गहन चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. तापस ने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और शारीरिक सक्रियता पर जोर दिया। वहीं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश अग्रवाल ने गलत शारीरिक आसन, लंबे समय तक बैठकर काम करने और व्यायाम की कमी से होने वाली समस्याओं से सतर्क रहने की सलाह दी।

### रांची आईएसएम चौक के पास जेसीबी की खुदाई में फटी गैस पाइपलाइन, तुरंत किया गया ठीक

**संवाददाता रांचीः** आईएसएम चौक के पास सोमवार को नाली निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया. जेसीबी मशीन से खुदाई के दौरान गेल की गैस पाइपलाइन में सुराख हो गया, जिससे गैस का रिसाव शुरू हो गया. घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत काम रोकने की मांग की और प्रशासन को इसकी सूचना दी. गैस रिसाव के कारण कुछ देर के लिए इलाके में दहशत का माहौल बना रहा. सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पाइपलाइन को जल्दी ही दुरुस्त कर दिया. हालांकि एहतियात के तौर पर आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई थी.

# रांची जनता दरबार में डीसी का सख्त रुख

## उपायुक्त पूरी तरह एक्शन मोड में लापरवाह अधिकारियों को लगाई फटकार

**संवाददाता रांचीः** रांची में आयोजित जनता दरबार के दौरान सोमवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री का सख्त और स्पष्ट रुख देखने को मिला। जनता से जुड़े मामलों की एक-एक कर समीक्षा करते हुए उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि अब किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों पर सीधी कार्रवाई तय है।

**मंईयां सम्मान योजना सहित अन्य मामलों में सख्ती**

*मंईयां सम्मान योजना से वंचित लाभुकों की शिकायतों पर उपायुक्त ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही अनुकंपा नियुक्ति, भूमि विवाद, नामांकन और प्रमाण पत्र से जुड़े मामलों में अधिकारियों को समयबद्ध निपटारे की चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं में देरी करने वालों पर कार्रवाई तय है।*

### दाखिल-खारिज में गड़बड़ी पर फूटा उपायुक्त का गुस्सा

नगड़ी अंचल से जुड़े एक गंभीर मामले में एक ही प्लॉट पर दाखिल-खारिज को एक साथ स्वीकृत और अस्वीकृत किए जाने की शिकायत सामने आते ही उपायुक्त भड़क उठे। उन्होंने संबंधित अंचल अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई और दोषी कर्मचारी को 48 घंटे के भीतर शोकॉज नोटिस जारी कर आरोप पत्र तैयार करने का स्पष्ट अल्टीमेटम दिया।

### म्यूटेशन आवेदन दबाने पर अधिकारियों को नोटिस

लंबे समय तक म्यूटेशन आवेदन लंबित रखने के मामले में उपायुक्त ने अंचल अधिकारी, अंचल निरीक्षक और संबंधित कर्मचारी—तीनों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता दरबार में बार-बार शिकायत आने के बावजूद समाधान नहीं होना केवल लापरवाही नहीं, बल्कि जवाबदेही से भागने का संकेत है।

### शिक्षा से जुड़ी शिकायत पर त्वरित हस्तक्षेप

एक प्रतिष्ठित स्कूल द्वारा सातवीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र को रिपोर्ट कार्ड की जगह स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) देने की शिकायत पर उपायुक्त ने सख्ती दिखाई। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को तत्काल हस्तक्षेप कर छात्र का भविष्य सुरक्षित करने का निर्देश दिया।

### फर्जी बैंक खाता मामले में वेतन रोकने का आदेश

धोखाधड़ी के एक गंभीर मामले में मानसिक रूप से बीमार पति के नाम पर फर्जी बैंक खाता खोलने के आरोपी शिक्षक के विरुद्ध जांच के आदेश दिए गए। उपायुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित शिक्षक का वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश दिया।

### पेंशन समस्या का समाधान

जनता दरबार में पहुंचे बुजुर्ग भोलाराम की पेंशन से जुड़ी समस्या का उपायुक्त ने मौके पर ही समाधान कराया। आधार सीडिंग नहीं होने के कारण रुकी पेंशन राशि को शीघ्र खाते में भेजने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए। जिससे उनकी समस्या का समाधान हो गया।

### नेत्रदान महादान" के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु अपील

**संवाददाता रांचीः** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड अंतर्गत राज्य अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम, झारखंड द्वारा आम जनता से "नेत्रदान महादान" के महत्व को समझने और इसमें सक्रिय भागीदारी करने की अपील की गई है। नेत्रदान एक ऐसा महान कार्य है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति मृत्यु के उपरांत अपनी आंखें दान कर दो नेत्रहीन व्यक्तियों को नया जीवन और रोशनी दे सकता है। झारखंड में अंधत्व की समस्या को कम करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम निरंतर जागरूकता अभियान चला रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, कॉर्निया की क्षति अंधत्व का एक प्रमुख कारण है, जिसे केवल नेत्रदान के माध्यम से ही दूर किया जा सकता है। कार्यक्रम के तहत विभिन्न जिलों में जागरूकता रैलियां, शिविर, स्कूल एवं कॉलेजों में जनसंवाद तथा स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नेत्रदान की प्रक्रिया सरल एवं सम्मानजनक होती है। मृत्यु के 4 से 6 घंटे के भीतर नेत्रदान किया जा सकता है और यह पूरी तरह निःशुल्क होता है। परिवार के सदस्य की सहमति से यह प्रक्रिया संपन्न की जाती है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस पुनीत कार्य में भाग लेना चाहिए, ताकि "अंधत्व मुक्त झारखंड" का सपना साकार हो सके।

**जनता से अपीलः** नेत्रदान के लिए संकल्प लें और अपने परिवार को भी इसके लिए प्रेरित करें। मृत्यु के उपरांत अपने परिजनों की आंखें दान करने हेतु सहमति दें। अधिक जानकारी के लिए निकटतम सरकारी अस्पताल या नेत्र बैंक से संपर्क करें। "नेत्रदान – महादान, किसी के जीवन में लाए नई पहचान। "जीते जीते रक्तदान, जाते-जाते नेत्रदान"

## नगर निगम का अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाईः दो प्रमुख मार्गों पर अभियान, जुर्माना भी वसूला गया

**संवाददाता रांची :** रांची नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम द्वारा शहर के दो प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण मुक्त अभियान बलाया गया। यह अभियान परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक से जेल मोड तक एवं किशोरी यादव चौक से हरमू चौक तक संचालित किया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अतिक्रमणों को हटाते हुए अस्थायी संरचनाओं को ध्वस्त किया गया तथा विभिन्न सामग्रियों को जब्त किया गया। परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक से जेल मोड़ तक दो ठेला, एक चौकी, अस्थायी शेड बांस-बल्ला एवं अन्य सामान जब्त किए गए। वहीं किशोरी यादव चौक से हरमू चौक तक एक काउंटर, एक वाटर टैक, दो कुर्सियां, दो ठेला, एक बेंच सहित अन्य सामग्री जब्त की गई। इसके अतिरिक्त, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने, गंदगी फैलाने तथा

अवैध डिजिटल विज्ञापन प्रदर्शित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 7,000 का जुर्माना अधिरोपित किया गया। रांची नगर निगम द्वारा सभी अतिक्रमणकारियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि भविष्य में पुनः अतिक्रमण न करें। नगर निगम द्वारा यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

## झारखंड के सभी आरोग्य मंदिर में नियमित योग सत्र का आयोजन

**संवाददाता रांचीः** आयुष निदेशालय झारखंड अंतर्गत राष्ट्रीय आयुष मिशन, झारखंड के द्वारा राज्य के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों आयुष में स्वास्थ्य संवर्धन और रोग निवारण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नियमित योग सत्रों का आयोजन प्रारंभ किया गया है। इन सत्रों का संचालन प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा किया जा रहा है, जिससे आमजन को योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। इन योग सत्रों का आयोजन प्रतिदिन निर्धारित समय पर किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं को योग के प्रति जागरूक करने पर बल दिया जा रहा है। योग न केवल बीमारियों की रोकथाम में सहायक है, बल्कि यह जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तनाव को नियंत्रित करने में भी प्रभावी है। इसी उद्देश्य से आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष को स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत यह पहल "स्वस्थ झारखंड" के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विभाग द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष में आयोजित योग सत्रों में भाग लेकर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएँ।

## सीसीएल मुख्यालय में "एआई और उभरती प्रौद्योगिकी" पर सामूहिक चर्चा आयोजित

**संवाददाता रांची :** सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय स्थित एचआरडी विभाग के प्रकाश हॉल में सोमवार 6 अप्रैल को "एआई एवं उभरती प्रौद्योगिकी तथा कोयला खनन संचालन में इसकी भूमिका" विषय पर एक सामूहिक चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एम.एफ. हक, महाप्रबंधक (एचआरडी) के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने एआई के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे पेशेवर एवं व्यक्तिगत जीवन में एक महत्वपूर्ण उपकरण बताया।

मुख्य वक्ता के रूप में वी.के. शुक्ला, महाप्रबंधक (खनन/आईईडी) ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, जिसका उपयोग सावधानीपूर्वक एवं प्रभावी तरीके से किया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर महाप्रबंधक (ईआरपी) एवं महाप्रबंधक (सिस्टम) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आलोक रंजन, प्रबंधक (सिस्टम) द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें एआई के नवीनतम विकास, विभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग एवं भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया।

सत्र के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने कोयला खनन संचालन में एआई के उपयोग को लेकर अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। इस सामूहिक चर्चा में लगभग 45 अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का समापन सकारात्मक वातावरण में हुआ, जिसमें जनरेटिव एआई की उपयोगिता विशेष रूप से कंटेंट निर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण मानी गई।

## वामदलों ने सूचना आयुक्तों की नियुक्ति में आरटीआई विशेषज्ञों की नियुक्ति की मांग की

**संवाददाता रांचीः** सीपीएम और सीपीआई ने काफी देर से ही सही राज्य सरकार द्वारा कई वर्षों से सूचना आयोग में रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू किए जाने की घोषणा का स्वागत करता है. लेकिन संवाद माध्यमों से मिली जानकारी के अनुसार जो नाम राज्य सरकार ने चयन कर लोकभवन को स्वीकृति के लिए भेजा है उनमें अधिकांश नाम राजनीतिक पार्टियों से सीधे जूड़े लोगों के हैं. राज्य सरकार का यह कदम उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन करता है.

झारखंड जैसे राज्य में जहां केंद्र सरकार के संरक्षण में बड़े पैमाने पर कोल ब्लाकों के नीलामी के बाद कार्पोरेट घरानों द्वारा खनन के लिए जमीन अधिग्रहण की जा रही है. जिसके चलते विस्थापन की प्रक्रिया तेज हो रही है. सूचना आयोग के

निष्क्रिय रहने के कारण जमीन अधिग्रहण से संबधी सूचनाएं रैयतों, जनसंगठनों और राजनीतिक दलों को मिलने में देर होने के कारण कंपनियों द्वारा रैयतों के अधिकारों को दरकिनार कर मनमाने तरीके से जमीन की लूट की जाती है.

वामदल राज्य सरकार से मांग करता हैं की सूचना आयुक्तों की नियुक्ति में सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 15 में उल्लेखित पात्रता के आधार पर ही सूचना आयुक्तों का चयन किया जाय और राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को सूचना आयोग के सदस्य के रूप में नामित किए जाने की अनुशंसा वापस ली जाए.

## 'एकम डायलॉग्स-संवाद से निर्माण' का आयोजन 8 व 9 अप्रैल को

**संवाददाता रांचीः** सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) के तत्वावधान में 'एकम डायलॉग्स-संवाद से निर्माण' का आयोजन आगामी 8 एवं 9 अप्रैल को रांची में आयोजित किया जा रहा है। एकम डायलॉग्स क्षेत्रीय विकास एवं रेसिलिएन्स पर आधारित विशिष्ट पहल है, जो पूर्वी और मध्य भारत की विशेषताओं एवं आकांक्षाओं के अनुरूप सामुदायिक ज्ञान, भविष्य-उन्मुखी नवाचारों एवं समाधानों को देश के आर्थिक-सामाजिक विकास के लक्ष्यों से जोड़ता है। यह पहल झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा के समुदायों, नीति-निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं, महिलाओं एवं युवाओं, और सिविल सोसाइटी को साझा मंच पर लाकर संवाद और सह-निर्माण के जरिए रीजनल रेसिलिएंस को सशक्त बनाने का प्रयास है।

इस पहल के व्यापक संदर्भ एवं उद्देश्यों के बारे में श्री रमापति कुमार, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) ने बताया कि झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा भारत के सबसे संसाधन-समृद्ध और पारिस्थितिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। यहाँ की खनिज संपदा, प्राकृतिक विरासत एवं सामुदायिक परंपराएँ लंबे समय से देश की औद्योगिक प्रगति, ऊर्जा सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान एवं विकास का आधार रही हैं। यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहाँ से सतत विकास, जलवायु-अनुकूलन और विकसित भारत–2047 की परिकल्पना के अनुरूप भविष्य का निर्माण किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने आगे बताया कि एकम डायलॉग्स पूर्वी और मध्य भारत के साझा पारिस्थितिक-सांस्कृतिक ताने-बाने से प्रेरणा लेता है। यह दो प्रमुख स्तंभों संवाद और निर्माण पर आधारित है; जहाँ संवाद के माध्यम से समाधान-केंद्रित विमर्श को बढ़ावा दिया जायेगा और निर्माण के माध्यम से स्थानीय संदर्भों के अनुरूप नवाचार, नीतिगत सोच और जमीनी नेतृत्व को सशक्त किया जायेगा। साथ ही, यह विभिन्न क्षेत्रों और पीढ़ियों के लोगों को एक मंच पर लाकर आर्ट-क्राफ्ट, ग्रासरुट सोल्यूशन एवं इनोवेशन और सामुदायिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने को प्रयासरत रहेगा। एकम डायलॉग्स के तत्वावधान में देश के विविध क्षेत्रों से 70 से अधिक एक्सपर्ट एवं वक्ता विविध 11 सत्रों में अपनी बात रखेंगे।

कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम कर रहे पद्मश्री सम्मान प्राप्त 11 हस्तियों की उपस्थिति रहेगी। इस कार्यक्रम के केंद्र में वे चेंजमेकर्स हैं, जो अपने कार्यों से जमीनी स्तर पर सार्थक परिवर्तन ला रहे हैं। कार्यक्रम में प्रेरणा से परिवर्तन की उल्लेखनीय मिसाल बन रहे ऐसे 27 चेंजमेकर्स को एकम सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

# अंबेडकर के संदेश को पहुंचाने के लिए भीम संदेश यात्रा 15 मई से

संवाददाता रांचीः भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य कार्यालय रांची में दलित अधिकार मंच एवं आदिवासी महासभा की संयुक्त बैठक दलित अधिकार मंच के अध्यक्ष जैनेंद्र कुमार एवं आदिवासी महासभा के सचिव कन्हाई माल पहाड़िया की अध्यक्षता में हुई जिसमें राज्य में बढ़ रहे आदिवासियों एवं दलितों पर अत्याचार शोषण पर विस्तृत चर्चा करते हुए भंते ने कहा कि आज की स्थिति में बाबा भीमराव अंबेडकर की संविधान की रक्षा करना जरूरी है, उन्होंने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा की बगल में संविधान की कॉपी लेकर के राहुल जी चल रहे हैं जबकि उन्हीं की पार्टी ने तीन सौ बार संशोधन किया बाबा साहेब का अपमान है उन्होंने ए भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने सारे हिंदुत्व के

एजेंट को लागू करना चाहती है और आदिवासियों को दलितों को हिंदू बनना चाहती है यानी उनके सारे हक और अधिकार को वंचित कर अपना एकाधिकार स्थापित करने के लिए सारे संप्रदायीक एजेंडे को लागू कर रही है, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव पशुपतिकोल ने कहा झारखंड एक आदिवासी राज्य है देश के राष्ट्रपति भी आदिवासी राज्य के मुख्यमंत्री भी आदिवासी लेकिन सबसे ज्यादा शोषण जुर्म अन्याय आदिवासियों के साथ हो रहा है आदिवासियों के जमीन कौड़ी की भाव लूटी जा रही है आज हमारा जल जंगल जमीन की लड़ाई अधूरा पड़ा हुआ है इसे पुरुखो ने अपनी शहादत देखकर के सिचा था आज वह भी अधूरा है राज्य में 14% दलितों की संख्या 27% आदिवासियों की संख्या उसके बावजूद हम हासिये पर हैं इसीलिए हम संयुक्त रूप से अपने हक अधिकार के लिए बाबा भीमराव अंबेडकर के संदेश यात्रा के माध्यम से पूरे राज्य में आदिवासियों दलितों को एकजुट कर राज्य में नई लड़ाई का जन्म देंगे और बाबा भीमराव अंबेडकर की संविधान की रक्षा करेंगे सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया 14 अप्रैल को सभी जिलों प्रखंडों में बाबा भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाएगा और 15 मई से भीम संदेश यात्रा की शुरुआत रांची हाई कोर्ट में बाबा भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ शुरुआत होगा और राज्य की सभी दलितों आदिवासियों के गांव के दौरा करते हुए बाबा भीमराव अंबेडकर के संदेश को जन-जन तक पहुंचाते हुए उनका हक और अधिकार की लड़ाई के लिए जागृत करते हुए 30 जून को हुल दिवस के अवसर पर हजारीबाग में समापन किया जाएगा जिसमें देश के कई जाने-माने आदिवासी एवं दलित नेतृत्व के के साथी भाग लेंगे और हजारों की संख्या में एक बड़ी गोलबंदी के माध्यम से हुल दिवस की अवसर पर झारखंड में आगे की आंदोलन की शंखनाद करेंगे आदिवासी महासभा एवं दलित अधिकार मंच के संयुक्त बैठक में मुख्य रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक एटक के महासचिव अशोक यादव, दलित अधिकार मंच के अध्यक्ष भंते जैनेंद्र तथागत मजदूर नेता पी के पांडे राजेंद्र प्रसाद यादव आदिवासी महासभा के महासचिव पशुपति कोल प्रदेश सचिव कन्हाई मल पहाड़िया ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन के राज्य सचिव अजय कुमार सिंह संतोष कुमार रजक ,महादेव मांझी ,राजू राम ,विनोद भारती संतोष अंबेडकर सुरेश भारती, तार सिंह लिंडवर जयकुमार, किरण कुमारी, स्वयंवर पासवान छुमू उरांव ,पवन कुमार सिंह धनेश्वर करमाली संगीता देवी भोला उराव ,मनोज महतो सहित कई लोगों उपस्थित थे।

## महिला बंध्याकरण : सुरक्षित व संतुलित परिवार की ओर एक कदम

**संवाददाता रांचीः** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रम, झारखंड के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए सुरक्षित, स्वैच्छिक एवं स्थायी गर्भनिरोधक उपाय के रूप में महिला बंध्याकरण (स्टरलाइजेशन) को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह पहल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने तथा जनसंख्या स्थिरीकरण के उद्देश्य से संचालित की जा रही है।

महिला बंध्याकरण एक सरल एवं सुरक्षित प्रक्रिया है, जिसे प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा सरकारी एवं मान्यता प्राप्त स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क किया जाता है। इस प्रक्रिया के बाद महिला को भविष्य में गर्भधारण की चिंता नहीं रहती, जिससे वह अपने परिवार एवं स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दे सकती है।

कार्यक्रम के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जहां योग्य दंपत्तियों

को परामर्श, जांच एवं निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही, लाभार्थियों को सरकार द्वारा महिला बंध्याकरण हेतु 2000 तथा प्रसब उपरांत 7 दिनों के अंदर महिला बंध्याकरण हेतु 3000 प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है।

महिला बंध्याकरण पूरी तरह स्वैच्छिक है और इसे अपनाने से पहले दंपत्तियों को सभी आवश्यक जानकारी एवं परामर्श दिया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि लाभार्थी का स्वास्थ्य पूरी तरह अनुकूल हो और प्रक्रिया के बाद उचित देखभाल उपलब्ध कराई जाए।

**जनता से अपीलः** योग्य दंपत्ति अपने परिवार को सीमित एवं स्वस्थ रखने के लिए परिवार नियोजन के स्थायी उपाय अपनाएं। महिला बंध्याकरण से पूर्व नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर परामर्श अवश्य लें।

इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु सहिया कार्यकर्ता या नजदीकी सरकारी अस्पताल से संपर्क करें। "छोटा परिवार – सुखी परिवार, स्वस्थ समाज की पहचान।"

# चतरा उपायुक्त ने आकांक्षी जिला स्तरीय कार्यक्रम की समीक्षा कर एक सप्ताह में संपूर्ण डेटा अपडेट करने का दिया निर्देश

## स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित सभी इंडिकेटरों की प्रगति की हुई समीक्षा, आंगनबाड़ी एवं टीबी मॉनिटरिंग पर विशेष जोर

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतराः आकांक्षी जिला व प्रखण्ड कार्यक्रम के तहत नीति आयोग द्वारा निर्धारित इंडिकेटरों की प्रगति की समीक्षा हेतु सोमवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मयूरहण्ड, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, योजना पदाधिकारी शिशिर कुमार पंडित,कार्यपालक अभियंता (ग्रामीण विकास विशेष/भवन प्रमण्डल), जिला अभियंता, जिला परिषद तथा जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक के दौरान आकांक्षी प्रखण्ड मयूरहण्ड एवं जिला चतरा अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन, आधारभूत संरचना एवं कौशल विकास से जुड़े विभिन्न इंडिकेटरों की अद्यतन प्रगति की गहन समीक्षा की गई। साथ ही संबंधित विभागों द्वारा पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि की स्थिति का भी आकलन किया गया।
उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी विभाग अपने-अपने कार्यों की प्रगति के अनुरूप ऑनलाइन मॉड्यूल्स में शत-प्रतिशत डेटा प्रविष्टि एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित करें, ताकि जिले की उपलब्धियां राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित हो सकें। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को लंबित प्रविष्टियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।
प्रखण्ड मयूरहण्ड के आंगनबाड़ी केन्द्रों का भौतिक सत्यापन कर पेयजल एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जहां सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां का प्रतिवेदन एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने को कहा गया।
सिविल सर्जन, चतरा को टीबी मरीजों के शत-प्रतिशत निबंधन, स्क्रीनिंग एवं संबंधित मॉड्यूल्स में डेटा अद्यतन शीघ्र सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।
बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने इंडिकेटरों पर प्रगति के साथ-साथ ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि नियमित रूप से सुनिश्चित करें तथा समयावधि में प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। डेटा अपडेट की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी भी संबंधित को सौंपी गई।

# मांडर में दो सड़क हादसे, तीन युवक गंभीर रूप से घायल

मांडरः मांडर थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची–डाल्टेनगंज मुख्य मार्ग (एनएच-39) पर सोमवार को दो अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।
पहली घटना सुबह लगभग 9 बजे मांडर टोल प्लाजा के समीप हुई, जहां सड़क दुर्घटना में दो मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान बीआईटी रांची निवासी 23 वर्षीय दीपू मुंडा और 25 वर्षीय अनिल मुंडा के रूप में की गई है। बताया जाता है कि दोनों युवक मोटरसाइकिल से बीआईटी रांची से चंदवा की ओर जा रहे थे, तभी हादसे का शिकार हो गए।
दूसरी घटना दोपहर करीब 12:30 बजे मांडर थाना क्षेत्र के कंदरी चौक के समीप हुई, जिसमें एक मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान पंडरा थाना क्षेत्र के चाटकपुर निवासी 28 वर्षीय आदित्य कुमार शर्मा के रूप में हुई है।
घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तुरंत मांडर स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। वहीं, आदित्य कुमार शर्मा की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों हादसे तेज रफ्तार और अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण हुए। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

# बरवे में विधिक सेवा जागरूकता शिविर एवं लोक अदालत का आयोजन

## सैनिकों को मुफ्त व सक्षम कानूनी सहायता का अधिकार- प्रवीण कुमार श्रीवास्तव

ओरमांझीः प्रखंड के बरवे पंचायत भवन में नालसा वीर परियोजना सहायता योजना-2025 के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम झालसा के दिशा-निर्देश एवं न्यायिक अधिकारियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।
कार्यक्रम में एलएडीसी चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह योजना देशभर के सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों, अर्द्धसैनिक बलों और उनके परिवारों को मुफ्त व सक्षम कानूनी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित है। उन्होंने बताया कि ड्यूटी के कारण न्यायालय में उपस्थित नहीं हो पाने वाले सैनिक ऑनलाइन या डाक के माध्यम से विधिक सेवा प्राधिकार, रांची में आवेदन कर सकते हैं।
एलएडीसी सहायक पंकज कुमार शर्मा ने कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, प्री-लिटिगेशन, मध्यस्थता एवं लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निपटारे की विस्तृत जानकारी दी।

साथ ही नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में भी अवगत कराया गया।
कार्यक्रम में 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें विभिन्न प्रकार के मामलों का त्वरित निपटारा किया जाएगा। इस अवसर पर चीफ़ एलएडीसी, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, सहायक एलएडीसी पंकज कुमार शर्मा, मुखिया अनीता लिंडा, पंचायत समिति संगीता देवी, पंचायत, सचिव कोमल आर्य, रामजीत महतो, किरण देवी, शीला तिग्गा, जगमोहन मुंडा, रानी देवी, दीपक कुमार गंजू,अघनु बेदिया समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

# मॉडल पंचायत चयन हेतु ओरमांझी पंचायत का निरीक्षण, जिला टीम ने किया भौतिक सत्यापन

ओरमांझीः प्रखंड क्षेत्र के ओरमांझी पंचायत को मॉडल पंचायत चयन के लिए सोमवार को जिला स्तरीय जांच टीम ने निरीक्षण किया। राज्य सरकार के पंचायती राज विभाग के निर्देश पर पहुंची टीम ने पंचायत द्वारा ऑनलाइन आवेदन के बाद भौतिक सत्यापन करते हुए ग्रामीण विकास कार्यों का जायजा लिया।
निरीक्षण के दौरान टीम ने पंचायत में स्वच्छता, जल प्रबंधन, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी ढांचे की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही ग्राम सभा की सक्रियता, पारदर्शिता और जनभागीदारी से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की गई।
जांच टीम ने बताया कि फीडबैक

एवं निरीक्षण के आधार पर पंचायत का चयन किया जाएगा। मॉडल पंचायत के रूप में चयनित होने पर संबंधित पंचायत को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि और विकास योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। यह पहल गांवों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के साथ अन्य पंचायतों को प्रेरित करने के उद्देश्य से की जा रही है।
इस मौके पर मुखिया दीपक बड़ाईक, पंचायत समिति सदस्य ललिता मेहता, उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता सहित ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, जलसहिया एवं पंचायत कर्मी उपस्थित थे।

# दुल्ला शाह बाबा के मजार पर आयोजीत तीन दिवसीय उर्स शांति पूर्वक भाई चारे के बीच सम्पन्न

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिले के चयकला जौहरगंज स्थित सूफी संत हजरत दूलाह फतह उद्दीन गाज़ी शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैहि का सालाना तीन दिवसीय उर्स अकीदत,भाईचारे और उल्लास के साथ शांतिपूर्ण माहौल में रविवार देर रात संपन्न हो हुआ.उर्स के दौरान क्षेत्र सहित दूर-दराज से बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे और बाबा के दरबार में चादरपोशी कर सुख-शांति एवं समृद्धि की दुआएं मांगीं.इबादत,जियारत और सूफ़ियाना माहौल के बीच श्रद्धालुओं की भीड़ भर रात उमड़ती रही.इस अवसर पर आयोजित महफिले कव्वाली कार्यक्रम में मशहूर कव्वालों ने अपनी प्रस्तुति से रात भर दर्शकों के बीच समां बांधे रखा.उर्स की अंतिम दिन उत्तर प्रदेश के दिलवर मिराज एवं मुंबई के आशिफ मलिक ने एक से बढ़कर एक सूफ़ियाना कलाम पेश कर लोगों को देर रात तक झुमाते रहे.कभी देश भक्ति तो कभी भाईचारे पर एक से बढ़कर एक लतीफे सुनाते रहें.आयोजन में पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला,समाज सेवी भुनेश्वर यादव,संजय मेहता,मो शाकिर अख्तर उर्फ

भूननु बाबू,आजसू नेता मोनु अख्तर,विकास यादव,दृष्टि आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर इमरान खान,बीरबल साहू, इकबाल रजा,तौकीर रजा,ताहिर अंसारी सहित कई लोग शामिल हुए.उर्स के सफल आयोजन पर उर्स कमिटी चय दरगाह की ओर से चयकला के मुखिया पति मौलाना हेलाल अख्तर एवं पंसस फैजान अजमेरी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया।

# मंगलवार को साकची में होगा मारवाड़ी समाज का अभिनंदन कार्यक्रम

जमशेदपुर। साकची स्थित श्री अग्रसेन भवन में मंगलवार 7 अप्रैल की संध्या 5.30 से मारवाड़ी समाज जमशेदपुर के द्वारा मानगो नगर निगम की प्रथम मेयर सुधा गुप्ता एवं सरायकेला नगर परिषद के अध्यक्ष मनोज चौधरी का भव्य हार्दिक अभिनंदन किया जाएगा। साथ ही चाकुलिया की एक पार्षद इंदु शर्मा और जुगसलाई नगर परिषद से चार पार्षद क्रमशः सत्यनारायण अग्रवाल, अनिल मोदी, सुरेश शर्मा, शिल्पी तापड़िया का भी हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया जाएगा। इस

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता होंगे। यह जानकारी मारवाड़ी समाज के उमेश शाह ने दी। इस कार्यक्रम में मारवाड़ी समाज के सभी गणमान्य आमंत्रित हैं।

# भाजपा का 47वां स्थापना दिवस मनाया गया, विकास यात्रा विषय पर संगोष्ठी आयोजित

दुमकाः भारतीय जनता पार्टी द्वारा सोमवार को पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर पुराने भाजपा कार्यालय में "भाजपा की विकास यात्रा" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत एवं वर्तमान जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मण्डल उपस्थित रहे।
निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना देश में एक वैचारिक क्रांति के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य राष्ट्रवाद, सुशासन और अंत्योदय के सिद्धांतों को लागू करना रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपने संघर्ष और समर्पण के बल पर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी के रूप में पहचान बनाई है। केंद्र में भाजपा

सरकार के नेतृत्व में देश ने विकास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं।वहीं वर्तमान जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मण्डल ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो निस्वार्थ भाव से संगठन को मजबूत करने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का संकल्प है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सुदृढ़ करने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और समाज के हर वर्ग से जुड़कर पार्टी को मजबूत बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस की बधाई दी और संगठन के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष गायत्री जयसवाल, नीतू झा, अजय वर्मा, दीप्तांशु कोचगवे, दिनेश सिंह, मनीष कुमार, रंजना उपाध्याय, रानी सिंह, दर्शन हेमब्रम, संतोष ढीवर, सुजीत यदुवंशी, फारूक अनवर, राजेश वर्मा सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# दैहर पंचायत सचिवालय में इफको द्वारा किसान गोष्ठी का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): प्रखंड अंतर्गत पंचायत सचिवालय दैहर के सभागार में सोमवार, 06 अप्रैल 2026 को इफको कंपनी की ओर से किसान गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों एवं उन्नत कृषि पद्धतियों से अवगत कराना था। गोष्ठी में कंपनी के प्रतिनिधि विजय कुमार एवं उमेश कुमार ने उपस्थित किसान भाइयों को खाद एवं बीज के संतुलित एवं समुचित उपयोग, मिट्टी जांच की आवश्यकता, वैज्ञानिक जुताई विधि तथा बुवाई की सही तकनीक के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सही समय पर सही तरीके से खेती करने से उत्पादन में वृद्धि

संभव है और लागत भी कम की जा सकती है। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन पंचायत के माननीय मुखिया ब्रह्मदेव भुइयाँ द्वारा किया गया। उन्होंने किसानों को नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जागरूकता ही समृद्ध खेती की कुंजी है। इस अवसर पर समाजसेवी नागेन्द्र कुशवाहा,शम्भू दांगी, रामलखन दांगी, ज्ञानी राम दांगी, कुलदीप पांडेय, संजय सिंह, सचिदानंद सिंह, विक्रम कुमार, केसो सिंह, कोठारी सिंह, पिंटू दांगी, सहदेव प्रजापति, बहादुर सिंह, बबलू सिंह, अर्जुन दांगी, अरविंद दांगी एवं कैलास दांगी सहित कई किसान उपस्थित रहे।गोष्ठी में किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न विषयों पर अपने प्रश्न भी रखे।

**हंटरगंज थाना पुलिस को मिली बड़ी सफलता चोरी के बाइक के साथ शातिर चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे**

# नंबर प्लेट बदलकर चला रहा था बाइक,पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा

कोयलांचल संवाद संवाददाता, हंटरगंज(चतरा): चतरा जिले की हंटरगंज थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर बाइक चोर को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हंटरगंज थाना कांड संख्या 41/26 दिनांक 05/04/26 धारा 317(2)/317(5)/3(5) बीएनएस धाराओं के तहत अभियुक्त को चालान कर न्यायिक हिरासत में पेश किया है। वहीं फरार आरोपी की तलाश हेतु संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।आरोपी नंबर प्लेट बदलकर गाड़ी का प्रयोग कर रहा था।हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि वरीय पुलिस पदाधिकारी चतरा के निर्देश के

आलोक में थाना क्षेत्र कौलेश्वरी हटवारिया के पास एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान दो अपाचे बाइक पर सवार दो युवक आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने बाइक सवार युवकों को रुकने का इशारा किया। इस पर पुलिस को देख दोनों बाइक को मोड़कर चकमा देते हुए भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए एक आरोपी के पैर में शीशा गड़ने की वजह से पकड़ लिया जबकि दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाते हुए भागने में सफल रहा। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछे जाने पर बताया कि यह बाइक चोरी की है और इसकी नंबर प्लेट बदलकर प्रयोग कर रहा था। गिरफ्तार युवक वशिष्ठनगर जोरी थाना क्षेत्र के कोलवा गांव निवासी मोहन गंझू का पुत्र बिष्णु गंझू है। पुलिस ने ब्लू रंग की अपाचे बाइक को बरामद करते हुए,गिरफ्तार अभियुक्त को सुसंगत धाराओं के तहत चतरा न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं फरार अभियुक्त के विरुद्ध छापेमारी की जा रही है।छापेमारी टीम में पुलिस अवर निरीक्षक थाना प्रभारी प्रभात कुमार, एएसआई अजय महतो सहित थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

## संक्षिप्त खबरें...

## टाटा मोटर्स के विभिन्न डिवीजनों में नये वित्तीय वर्ष में हुआ पूजा-पाठ

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स के विभिन्न डिवीजनों में सोमवार को नये वित्तीय वर्ष के उपलक्ष्य में वार्षिक पूजा- पाठ के साथ काम काज का शुभारंभ हुआ। सर्व प्रथम इंजन डिवीजन उसके बाद पावर सप्लाई वर्ल्ड ट्रक, फाउंड्री डिवीजन, प्लांट वन एसेंबली लाइन - 1 व 2 , ईवी फिटमेंट लाइन - 4 तथा फाइन व्हीकल प्रिपरेशन में पूजा पाठ हुआ। विभिन्न डिवीजनों में आयोजित पूजा अर्चना कार्यक्रम में टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के महामंत्री आरके सिंह, यूनियन के समस्त पदाधिकारी, कमेटी मेंबर, आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्य तथा प्रबंधन के वरीय पदाधिकारी विधि पूर्वक पूजा अर्चना एवं हवन कार्यक्रम में शिरकत किये। कार्यक्रम में यूनियन के महामंत्री आरके सिंह, फाइनेंस हेड सतीश कदम , ईआर हेड सौमिक रॉय, जीएम मनीष वर्मा, गुलाम मंडल, प्रकाश सिंह, राकेश कुमार, एम एस वीएन भानु, कुमार सत्यम , सिल्वा राज , सुधांशु दास समेत अन्य वरीय पदाधिकारी मौजूद थे। महामंत्री आरके सिंह ने सबों को नव वित्तीय वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षा एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखते हुए कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमें नये लक्ष्य , सुरक्षा एवं गुणवत्ता के मानकों का ध्यान रखते हुए टीम वर्क के साथ कार्य करना है। ताकि कंपनी नई उपलब्धियां हासिल कर रिकॉर्ड बना सके।

## ख़ुटिकेवाल गांव में चोरों का आतंक एक साथ आठ घरों में चोरी छानबीन में जुटी पुलिस

कोयलांचल संवाद संवाददाता, हंटरगंज(चतरा): थाना क्षेत्र के ख़ुटिकेवाल गांव के मुसहर टोला में रविवार की रात चोरों ने एक साथ आठ घरों में चोरी कर सनसनी फैला दिया। यह घटना तब घटी जब सभी मुसहर समुदाय के लोग अपनी रोजी- रोटी के लिए काम करने जोरी गए थे। चोरी की घटना की जानकारी रविवार अहले सुबह जब पास के ही मुसहर समुदाय के एक युवक को सामान इधर उधर बिखरा पड़ा मिला। जिसके बाद युवक ने फोन के माध्यम से जानकारी ग्रामीणों को दी। सूचना मिलते ही मुसहर समुदाय के लोग मौके पर पहुंचे तो देखकर दंग रह गए। इधर उधर सामान सब सामान बिखरा मिला। इस चोरी की घटना में चोरों ने लाखों के सामान जेवरात पर हाथ साफ किया है। वहीं पीड़ित ने इसकी सूचना हंटरगंज थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रभात कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। चोरों ने अजय मुसहर, कारु मुसहर, विनय मुसहर, दीपू मुसहर, गोरा मुसहर, आलोक मुसहर, कृष्णा मुसहर और बांसों मुसहरनी के घर से लाखों कीसामान की चोरी हुई है। खबर लिखे जाने तक थाना में लिखित आवेदन नहीं दी गई थी। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि मौखिक सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर कर जांच की है, आगे भी जांच पड़ताल की जा रही है। अभी तक थाने में लिखित आवेदन नहीं मिली है आवेदन मिलने के बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

## भाजपा प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को सिखाए गए सांगठनिक मजबूती के गुर

कोयलांचल संवाद संवाददाता चौपारण(हजारीबाग): भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत चौपारण पूर्वी मंडल में आयोजित प्रशिक्षण शिविर ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा भर दी। पंचायत भवन सेलहारा कला में आयोजित इस कार्यक्रम में संगठन को जमीनी स्तर पर और सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। मंडल अध्यक्ष आरती कौशल की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह प्रशिक्षण प्रभारी रमेश ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता एवं बरही विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव तथा सह सांसद प्रतिनिधि रंजित चंद्रवंशी ने प्रशिक्षक के रूप में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षकों ने अपने संबोधन में संगठन की विचारधारा, अनुशासन और कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा भाव से जुड़ें। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भूमिका निभाने के गुर सिखाए गए। संचालन मंडल महामंत्री बालेश्वर साव, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजाधर प्रसाद एवं मंडल उपाध्यक्ष अरविंद साव ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर सहदेव यादव,पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## सरकारी स्कूलों की लड़कियां विशेष सुविधाओं से वंचित- आरती कौशल

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण(हजारीबाग): प्रखंड क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं को अब भी कई बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर जिला परिषद सदस्या आरती कौशल ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका सही क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। कई विद्यालयों में शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है, तो कहीं स्वच्छ पेयजल और सेनेटरी की बिल्कुल सुविधाओं का अभाव है, जिससे छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आरती कौशल ने कहा कि इन समस्याओं के कारण कई बार लड़कियां स्कूल आने से भी कतराती हैं, और विद्यालय में सेनेटरी के अभाव में लड़कियों को बहुत दिक्कत होती है। लड़कियों की समस्याएं, बहुत बड़ी समस्या है, इससे विद्यालय प्रभावित होती है,और जिससे उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द सभी सरकारी स्कूलों में छात्राओं के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। वहीं, स्थानीय अभिभावकों ने भी इस मुद्दे पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जब तक स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं नहीं होंगी, तब तक बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना मुश्किल होगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि समस्याओं की जानकारी ली जा रही है और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

### तंबाकू के खिलाफ 89 दुकानों में छापेमारी, 5100 रु. वसूला जुर्माना

बोकारो: बोकारो सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के आदेश पर प्रशासन की टीम ने तंबाकू व गुटखा की बिक्री के खिलाफ सेक्टर 4 की दुकानों में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान करीब 89 दुकानों में जांच की गई. तंबाकू व गुटखा की बिक्री करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना भी लगाया गया. टीम ने उनसे कुल 5100 रुपए जुर्माना वसूला. टीम का नेतृत्व जिला परामर्शी सदस्य मो. असलम कर रहे थे. उन्होंने दुकानदारों को झारखण्ड में कोटपा के नये कानून के बारे में जानकारी दी.

बिहार सरकार

## कार्यालय अनुमंडल दंडाधिकारी, सुपौल

सुपौल–852131
(विधि शाखा)
Email id:sdosupaul@gmail.com, Mob.No. 9473191347

**अल्पकालीन सूचना**

बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 एवं संशोधित अधिनियम 2022 के अन्तर्गत अवैद्य शराब के परिवहन में विभिन्न कांडों में जब्त वाहन से गिरफ्तार अभियुक्त/जिला परिवहन पदाधिकारी, सुपौल से वाहन स्वामी के संबंध में प्राप्त सत्यापन प्रतिवेदन के आधार पर वाहन स्वामी को निबंधित डाक/प्रक्रियापालक परिचारी के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पक्ष रखने हेतु नोटिस निर्गत किया गया है। फलतः संबंधित वाहन स्वामी को सामाचार पत्रों के माध्यम से सूचित किया जा रहा है सुनवाई की निर्धारित तिथि 18.04.2026 को अनुमंडल न्यायालय, सुपौल में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करेंगे।

| क्र0 | अनुमंडल वाहन/गृह अधिहरण वाद संख्या/वर्ष | थाना कांड संख्या | जब्त वाहन संख्या/ईंजन संख्या/चेचिस संख्या/गृह/मकान | वाहन मालिक/संबंधित वाहन के साथ पकड़े गये व्यक्ति का नाम | सुनवाई की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 |
| 01 | 93/25 | मद्यनिषेध थाना सदर कांड संख्या 133/25 08.05.25 | स्कारपियो रजि0 नं0 JH12H-1111 इंजन नं0– घिसा हुआ, चेचिस नं0– घिसा हुआ | अज्ञात | 18.04.2026 |

उपर्युक्त सारणी के कॉलम–05 में नामित वाहन मालिक एवं वाहन के साथ पकड़े गये व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में चल रहे कॉलम–02 में वर्णित अधिहरण वाद में नोटिस निर्गत किये जाने के बावजूद आपके द्वारा अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष नहीं रखा गया है। जिसके कारण वाद की अग्रेतर कार्रवाई एवं निष्पादन में अनावश्यक विलम्ब हो रहा है।
अतः उपर्युक्त सारणी के कॉलम–05 में नामित व्यक्तियों को अंतिम रुप से सूचित किया जाता है कि उनके नाम के सामने कॉलम–06 में अंकित सुनवाई की निर्धारित तिथि को अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपना पक्ष रखें। उक्त निर्धारित तिथि को उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं किये जाने के स्थिति में यह समझा जायेगा कि संबंधित अधिहरण वाद में आपको कुछ नहीं कहना है एवं बाध्य होकर अभिलेख में उपलब्ध तथ्य, साक्ष्य एवं कागजात के आधार पर एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए जब्त वाहन को नियमानुसार अधिहरण/राजसात (Confiscation) हेतु आदेश पारित कर दिया जायेगा।
उपरोक्त सूची में उल्लेखित वाहनों पर किसी अन्य व्यक्ति का दावा बनता हो तो वैसे व्यक्ति भी निर्धारित तिथि को ससमय अनुमंडल न्यायालय (विधि शाखा) में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपना पक्ष रखें। **इसे अत्यावश्यक समझें।**

PR- 000166 ( Excise ) 2026-27

**अनुमंडल दण्डाधिकारी, सुपौल**

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** से भी प्राप्त की जा सकती है।

**नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।**

## संक्षिप्त खबरें...

### जहानाबाद के हॉस्टल में यूकेजी के छात्र की हत्या: बाकी बच्चों को लेकर गए पेरेंट्स; गयाजी-पटना हाई-वे जाम

जहानाबाद. जहानाबाद में 5 साल के यूकेजी के छात्र की हॉस्टल के अंदर चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक छात्र की पहचान बुलाकी बीघा गांव के धनंजय कुमार के बेटे आशु कुमार के रूप में हुई है। आशु के पिता का कहना है कि, सोमवार की सुबह 6 बजे हॉस्टल से फोन आया कि आपके बेटे की तबीयत खराब है। जब हम लोग हॉस्टल पहुंचे तो देखा कि आशु के गर्दन और आंख पर चाकू से वार के निशान हैं। उसे तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। आशु ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वारदात लोदीपुर स्थित गुरुकुल हॉस्टल में हुई। छात्र के पिता धनंजय कुमार ने आरोप लगाया कि शिक्षकों की लापरवाही के कारण उनके बच्चे की मौत हुई है। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने गया-पटना नेशनल हाई-वे 22 को जाम कर दिया। परिजनों का कहना है कि जबतक प्रशासन की तरफ से एक्शन नहीं लिया जाएगा, जाम नहीं हटेगा। वारदात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझा-बुझाकर जाम हटाने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने परिवार वालों से कहा है कि, जल्द ही दोषियों का पता लगा लिया जाएगा। गुरुकुल हॉस्टल गयाजी-पटना नेशनल हाई-वे पर है। ये 3 फ्लोर का हॉस्टल है। नीचे बच्चों को पढ़ाया जाता था। ऊपर के 2 फ्लोर पर कमरे थे जिनमें बच्चों को रखा जाता था। इस हॉस्टल में 100 से ज्यादा बच्चे रहते थे। इस घटना के बाद बाकी बच्चों के पेरेंट्स उन्हें अपने साथ लेकर चले गए हैं। हॉस्टल का पूरा स्टाफ भाग चुका है। पुलिस ने हॉस्टल पर ताला लगा दिया है।

आशु कुमार
मृतक

### मुजफ्फरपुर में पीयर अपर थानेदार का घूस लेते वीडियो वायरल: केस में मदद के नाम पर मांगी थी रिश्वत

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में बिहार पुलिस मुख्यालय की सख्ती के बावजूद भ्रष्टाचार का एक नया मामला सामने आया है। पीयर थाना के अपर थानेदार अभिनंदन कुमार का कथित तौर पर घूस लेते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इस मामले में एसएसपी ने जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, नूनफारा गांव के एक मामले में सीताराम नाम के व्यक्ति को जेल भेजा गया था। इसी केस में मदद करने के नाम पर शत्रुघ्न राम से रिश्वत की मांग की गई थी। आरोप है कि 2019 बैच के सब इंस्पेक्टर अभिनंदन कुमार ने अपने दलाल राम कुमार राय के माध्यम से 5000 रुपये लिए। पीड़ित शत्रुघ्न राम ने बताया कि थाने का दलाल लगातार पैसों के लिए उसे प्रताड़ित कर रहा था। दबाव में आकर पीड़ित ने कर्ज लेकर पैसे जुटाए। उसने भ्रष्टाचार को उजागर करने का फैसला किया और जब वह अधिकारी के आवास पर पैसे देने पहुंचा, तो उसके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने चुपके से पूरी घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में दलाल के माध्यम से लेनदेन स्पष्ट दिख रहा है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि उसे झूठे केस में फंसाया गया था। मामला सामने आने के बाद मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश मिश्रा ने तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने जांच के आदेश देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी पुलिसकर्मी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि पीयर थाना पिछले कुछ समय से लगातार विवादों में रहा है। हाल ही में एक सरपंच की पिटाई के मामले में यहां के थानेदार को निलंबित किया जा चुका है। अपर थानेदार का घूस लेते वीडियो वायरल होने से पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह थाना अब दलालों का अड्डा बन गया है, जहां बिना 'सुविधा शुल्क' के कोई काम नहीं होता।

### पटना- सरकारी अस्पताल की प्रतिबंधित दवा, इंजेक्शन जब्त:15 लाख रुपए की है दवाएं, एक गिरफ्तार

फुलवारीशरीफ. पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र के भगतनगर स्थित एक गोदाम से ड्रग विभाग ने भारी मात्रा में सरकारी अस्पताल की दवाएं बरामद की हैं। इस छापेमारी में 15 लाख रुपये से अधिक मूल्य की दवाएं जब्त की गईं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से नशे के कई इंजेक्शन भी बरामद किए हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। पटना ड्रग विभाग के सहायक ड्रग कंट्रोलर चुनेन्द्र महतो ने बताया कि यह कार्रवाई एक गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जब्त की गई दवाओं की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। विभाग अब इस बात की गहन जांच कर रहा है कि ये सरकारी दवाएं किस अस्पताल से बेची गई थीं और इस रैकेट में कौन-कौन शामिल हैं।

### मधेपुरा- गर्ल्स हॉस्टल में 8वीं की छात्रा की मौत: खाना खाकर कमरे में सोने गई, फिर नहीं उठी

मधेपुरा. मधेपुरा में सोमवार अहले सुबह गर्ल्स हॉस्टल में 8वीं की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान संतोषी कुमारी (13) के रूप में हुई है। वह अपनी छोटी बहन अंशु कुमारी के साथ ग्वालपाड़ा स्थित कस्तूरबा गांधी गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। परिजनों के अनुसार, रविवार रात स्कूल में डांस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद खाना खाकर वह अपने कमरे में सोने चली गई थी। देर रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी, जिसके बाद उसे ग्वालपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली कि सुबह करीब 3 बजे हॉस्टल में उसकी तबीयत खराब हो गई थी। हाथ-पैर ठंडे पड़ गए थे। हम लोग जब तक पहुंचे, उससे पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। बच्ची की मौत के बाद परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर सवाल खड़े किए हैं। मृतका की बहन अंशु कुमारी ने बताया, "2 दिन पहले ही मेरी बहन को नीचे वाले कमरे में शिफ्ट किया गया था। वह पहले मेरे साथ रहती थी।" अंशु ने ये भी बताया कि हॉस्टल में छात्रों को ठीक से खाना भी नहीं मिलता था। खाने में कटौती की जाती थी।

### राजगीर मलमास मेले की बंदोबस्ती 7.32 करोड़ में हुई

नालन्दा. राजगीर में अगले महीने राजकीय मलमास मेला आयोजन होने वाला है। जिसकी तैयारी अब जोरों पर है। राजगारी अनुमंडल कार्यालय के सभागार में सोमवार को मेले की सैरात बंदोबस्ती को लेकर डाक की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसमें संवेदकों के बीच कंपीटीशन देखा गया। राजगीर एसडीओ सूर्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित होने वाले इस मेले के लिए सैरात बंदोबस्ती की सूचना पहले ही प्रकाशित की जा चुकी थी, जिसके तहत आज डाक वक्ताओं की ओर से बोली लगाई गई। 4 राउंड तक चली नीलामी के बाद संजय कुमार सिंह, प्रदीप कुमार, धनंजय कुमार और अशोक कुमार राय के समूह ने 7 करोड़ 32 लाख 41 हजार रुपए की अधिकतम बोली लगाकर इसे अपने नाम किया। नीलामी के दौरान विपक्षी समूह के रूप में राकेश कुमार और अनिल कुमार थे, जिन्होंने तीसरे राउंड तक 7 करोड़ 32 लाख 21 हजार रुपए की बोली लगाई थी, लेकिन वे पिछड़ गए।

### पटना यूनिवर्सिटी में एंट्रेंस एक्जाम के आधार पर मिलेगा एडमिशन: 12वीं के अंक के आधार पर नहीं होगा नामांकन

पटना. पटना यूनिवर्सिटी में इस बार नए सत्र के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में एडमिशन एंट्रेंस एक्जाम के आधार पर होगा। यूनिवर्सिटी में एकेडमिक काउंसिल की बैठक है, जिसमें अंतिम मुहर लगेगी। बिहार बोर्ड ने 12वीं परीक्षा रिजल्ट जारी कर दिया है। सीबीएसई बोर्ड भी जल्द ही 12वीं का परिणाम घोषित करेगा। इसके देखते हुए यूनिवर्सिटी प्रशासन 15 अप्रैल के बाद यूजी लेवल के सामान्य और वोकेशनल सहित सभी पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया शुरू कर सकता है। पीयू ने एंट्रेंस एक्जाम शुरू करने के लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने राजभवन से अनुमति मांगी थी, जिस पर सहमति मिल गई है। इस बार नामांकन समर्थ पोर्टल के माध्यम से होगा। विद्यार्थी समर्थ पोर्टल पर ही ऑनलाइन आवेदन करेंगे और ऑनलाइन ही शुल्क जमा करेंगे। समर्थ पोर्टल पर ही कॉलेज का विकल्प भरेंगे। पटना यूनिवर्सिटी में अब तक यूजी में नामांकन अंक के आधार पर हुआ करता था। 2019 से पहले यूजी में नामांकन प्रवेश परीक्षा ली जाती थी। कोरोना काल के बाद में प्रवेश परीक्षा बंद कर दी गई थी।

## सीएम नीतीश ने विधान परिषद गेस्टहाउस का किया उद्घाटन: सम्राट चौधरी के सामने लगे 'निशांत कुमार सीएम जिंदाबाद' के नारे

पटना. पटना में विधान परिषद गेस्ट हाउस का सीएम नीतीश कुमार ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके साथ ही कैंटीन, पुस्तकालय और सामुदायिक केंद्र का भी उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने पूरे भवन का निरीक्षण किया और वहां की सुविधाओं को देखा। सीएम नीतीश ने कहा कि, 'यह अतिथि निवास बहुत अच्छा बना है। इससे विधान परिषद के सदस्यों को काफी सुविधा मिलेगी। गेस्ट हाउस के उद्घाटन के बाद नीतीश कुमार के सामने ही जदयू कार्यकर्ताओं ने 'निशांत कुमार सीएम जिंदाबाद' के जमकर नारे लगाए। सीएम नीतीश कुमार मुस्कुराते हुए कार्यकर्ताओं का अभिवादन करते हुए आगे बढ़ गए। इस दौरान उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद थे। उनके साथ विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह भी उपस्थित रहे। यह अतिथि निवास परिषद से जुड़े जनप्रतिनिधियों और आगंतुकों के लिए विशेष सुविधा देगा। उद्घाटन समारोह में कई अतिथि, अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

### बीजेपी के 47वें स्थापना दिवस पर बोले डिप्टी सीएम

भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस पर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा, 'उन लोगों को मैं नमन करता हूं, जिनके त्याग, बलिदान और समर्पण से मां भारती के संतान भी गौरान्वित हो रहे हैं।'
इस दौरान डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि, 'देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज एक राष्ट्र, श्रेष्ठ राष्ट्र का नारा, सबका साथ-सबका विकास का भाव, हर भारतीय को गौरवान्वित कर रहा है। इस अवसर पर सभी मां भारती के संतानों को हमारी शुभकामनाएं।'

### तेजस्वी यादव के पोस्ट पर विजय सिंह का पलटवार

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने आगे कहा कि, 'बिहार को जिन लोगों ने कमजोर किया, पीछे किया, गाली बनाया, लज्जित किया। उस राजद-कांग्रेस की मानसिकता को बिहारी ने ऐसा चोट दिया कि जो इतनी बड़ी जनादेश आया है। इसका आदेश विकसित बिहार, स्वाभिमानी बिहार, सम्मानित बिहार का है।' उन्होंने आगे कहा कि, 'जिन लोगों ने बिहारी को भाई-भाई में लड़ाया, सामाजिक सौहार्द का माहौल खत्म किया, जाति के जहर के लहर के कहर से नरसंहार का उद्योग चलाया। अब उस बिहार में यह खेल नहीं होने देंगे।'

### अब भूमि विवाद मुक्त बिहार बनेगा- विजय सिन्हा

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने आगे कहा कि, 'बालू माफिया हो या भू माफिया हो, भाई भाई का लहू नहीं बहाएगा। भूमि विवाद मुक्त बिहार बनेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित बिहार बनेगा।'

### सभी सुविधाओं से लैस है 5 मंजिला भवन

विधान परिषद् अतिथि निवास 5 मंजिला भवन है, जिसमें 30 सुइट रूम, लाउंज और लिफ्ट जैसी सुविधाएं हैं। हर कमरे में किचन, ड्राइंग रूम और रहने का कमरा बनाया गया है। कैंटीन और पुस्तकालय के लिए अलग 2 मंजिला भवन बनाया गया है, जहां खाने और पढ़ने की अच्छी व्यवस्था है। इसके अलावा एक 2 मंजिला सामुदायिक केंद्र भी बनाया गया है, जहां हॉल, किचन और अन्य जरूरी सुविधाएं हैं।

### सीएम के प्रोग्राम में हंगामा करने वाले 2 गिरफ्तार: पटना यूनिवर्सिटी कैंपस में पुलिस से हाथापाई का आरोप

पटना. पटना में 30 मार्च 2026 को नए प्रशासनिक और शैक्षणिक भवन( कला संकाय) के उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना यूनिवर्सिटी के कैंपस में पहुंचे थे। इसी दौरान पीयू कैंपस के अंदर छात्रों ने उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री के विरोध में नारेबाजी की थी। पुलिस का आरोप है कि इस दौरान छात्रों ने पुलिस के काम में बाधा डाला। पुलिस कर्मियों के साथ बदतमीजी की और हाथापाई हुई। इस दौरान गो बैक के नारे भी लगाए गए। इस मामले में पटना पुलिस ने अनुराग कुमार को नौबतपुर और वर्तमान काउंसलर मोहम्मद एहसानुल्लाह (इकबाल छात्रावास ) अशोक राजपथ से अरेस्ट किया गया है। पुलिस की पूछताछ में अनुराग ने खुद को पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष बताया है। पटना यूनिवर्सिटी के वर्तमान छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर समेत 6 छात्रों को नामजद आरोपी बनाया गया था। इनके अलावा 30 अज्ञात छात्रों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक, शांतनु शेखर फरार चल रहे हैं। पिरबहोर के थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि, 'अभी 2 लोगों को अरेस्ट करके न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इनके अलावा अन्य दूसरे लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। सभी आरोपी फरार चल रहे हैं।' प्राथमिक की प्रखंड पंचायत राज्य पदाधिकारी वीरेंद्र चौधरी की ओर से दर्ज कराई गई थी। आवेदन के मुताबिक, कार्यक्रम स्थल पर लगभग 2:30 बजे ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान 15 से 20 की संख्या में वहां पर छात्र पहुंचे। हल्ला हंगामा करने के साथ विधि व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया। छात्रों को उन्होंने रोकने का प्रयास किया गया तो छात्र कहने लगे पटना यूनिवर्सिटी के छात्र हैं। उन्हें और कुलपति को नए भवन के उद्घाटन में आमंत्रण पत्र नहीं मिला है। साथ ही शीलापट पर कुलपति का नाम अंकित नहीं है। इसी बात को लेकर उग्र थे। आरोप है कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में विधि व्यवस्था भंग किया गया। मजिस्ट्रेट के साथ बदतमीजी की गई। जिसमें पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई।

## बिहार को मिलेगा एक करोड़ रोजगार: दिलीप जायसवाल बोले- उद्योग में 50 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

पटना. पटना में मंत्री दिलीप जायसवाल ने 2025-26 की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि बिहार सरकार का लक्ष्य राज्य को औद्योगिक रूप से मजबूत बनाना और युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार देना है। उन्होंने बताया, विधानसभा चुनाव के दौरान एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था, जिसे पूरा करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में औद्योगिक विकास निरंतर गति पकड़ रहा है। निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। राज्य में बड़े स्तर पर उद्योग लगाने का माहौल तैयार हुआ है। सरकार का विजन समृद्ध उद्योग, सशक्त बिहार है, जिसके तहत 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।

### इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर पर फोकस

उद्योगों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और बिजली सबसे जरूरी है। इस दिशा में सरकार एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयर कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक नेटवर्क को मजबूत कर रही है। बक्सर में 2400 मेगावाट का पावर प्लांट और औरंगाबाद में NTPC परियोजना से उद्योगों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध होगी।

### बड़े निवेश और कंपनियों की एंट्री

हाल ही में बक्सर में कोका-कोला और जेके सुपर सीमेंट की फैक्ट्री का उद्घाटन हुआ है। इसके अलावा रिलायंस, अदाणी, मदर डेयरी, आदित्य बिड़ला और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी बड़ी कंपनियां भी बिहार में निवेश के लिए आगे आ रही हैं। 2026 में 747 निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनकी कुल राशि 17,217 करोड़ रुपये से अधिक है। सरकार ने MSME निदेशालय का गठन किया है, ताकि छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा मिल सके। साथ ही बिहार राज्य विपणन प्राधिकरण" बनाया गया है, जिससे ग्रामीण और कुटीर उद्योगों के उत्पाद को वैश्विक बाजार मिल सके।

### नई नीतियां और सुधार

बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2025 और सेमीकंडक्टर नीति 2026 लागू की गई है। इसका उद्देश्य बिहार को पूर्वी भारत का औद्योगिक हब बनाना है। साथ ही 'जन विश्वास अधिनियम' के तहत व्यापारियों को कानूनी राहत दी गई है।

### रोजगार और नई परियोजनाएं

राज्य में इलेक्ट्रॉनिक सिटी, औद्योगिक पार्क और महिला छात्रावास जैसी योजनाएं शुरू हो रही हैं। 404 एकड़ भूमि आवंटन से 5500 करोड़ निवेश और 22,500 रोजगार की संभावना बनी है। इसके अलावा 24 जिलों में 13,345 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। मंत्री ने कहा कि बिहार अब तेजी से औद्योगिक विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह देश का प्रमुख निवेश केंद्र बनेगा।

## गैस कालाबाजारी: पटना में 22 केस दर्ज: 6 दिन में 163412 ग्राहकों ने बुक किए सिलेंडर, पटना में औसतन 35000 सिलेंडर की जरूरत

पटना. गैस की कालाबाजारी को रोकने के लिए जिला प्रशासन की ओर से टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस टीम में नगर पालिका चिकित्सा विद्युत परिवहन कृषि और पुलिस विभाग के पदाधिकारी को शामिल किया गया है। आइओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल मिलकर यहां पर 136 वितरक है। इसमें आइओसीएल के 73 बीपीसीएल के 40 एचपीसीएल के 23 शामिल है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी रविंद्र कुमार दिवाकर ने बताया कि ऑस्टिन पटना जिले में 35000 सिलेंडर की आवश्यकता है। जिसकी पूर्ति हो रही है। पिछले 6 दिनों में 1634412 बुकिंग आई है। लोगों से अपील है कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। पर्याप्त गैस सिलेंडर है। कल तक 3352 शिकायत मिली है। सभी शिकायतों पर कार्यवाही की जा रही है। किसी तरह की परेशानी आती है तो 0612 2219 810 पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। आइओसीएल 1800 2333 555, HPCL 912222863900, बीपीसीएल 912222713000 पर भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। 6 अप्रैल को कालाबाजारी के खिलाफ छह गैस एजेंसी 10 होटल रेस्टोरेंट छापेमारी की गई जिसमें दो के खिलाफ केस रजिस्टर्ड किया गया है। सदर अनुमंडल के एस के पुरी थाना क्षेत्र में भी छापेमारी हुई थी। इस मामले में 8 डोमेस्टिक और 1 कमर्शियल सिलेंडर मिले थे। जिसमें FIR करके आरोपी को अरेस्ट किया गया है। बिचौलिए, वेंडर, दुकान में जमाखोरी, रिफिलिंग, करने वाले लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। पुलिस ने अब तक कालाबाजारी के खिलाफ 22 केस दर्ज किए हैं। इसमें बाढ़ अनुमंडल में 6, दानापुर अनुमंडल में 5, मसौढ़ी अनुमंडल में एक, पटना सिटी अनुमंडल में 3, पटना सदर में 7 मामले दर्ज हैं।

## नालंदा में बिहार एटीएस-एनआईए की रेड:गन हाउस में 7 घंटे की छापेमारी; मालिक का भाई बोला- 315 बोर की गोली खोज रही थी टीम

नालन्दा. हथियारों की तस्करी और संदिग्ध नेटवर्क के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए ) और बिहार एटीएस ने नालंदा के 6 ठिकानों पर छापेमारी की। यह पूरी कार्रवाई मो.परवेज नामक कुख्यात तस्कर की गिरफ्तारी और उसके मोबाइल से मिले सुरागों के आधार पर की गई है। शहर के पोस्ट ऑफिस मोड़ स्थित पीके गन हाउस में सोमवार सुबह से 4 बजे ही जांच एजेंसी ने दबिश दी। गन हाउस के दस्तावेजों और स्टॉक की बारीकी से जांच की गई। यहां टीम 7 घंटे तक रही। सोहनकुंआ मोहल्ला निवासी मोहम्मद परवेज आलम से जुड़े मामले की जा रही है। परवेज के पास से 4 महीने पहले मिले 1300 कारतूस से मिले थे। जिसमें एके-47 की 153 गोलियां और दूसरे गन की बुलेट्स थीं। बिहारशरीफ के लहेरी थाना क्षेत्र के पीके गन हाउस एंड संस के प्रोपराइटर रामप्रवेश कुमार ने बताया कि उनके दुकान पर सुबह एटीएस और एनआईए की टीम आई थी और करीब 7 घंटे से अधिक समय तक रुक कर कागजात को खंगाला है। वह कार्यवाही से संतुष्ट हैं। कुछ कागजात ले गई है। जिसका सीजर लिस्ट दिया गया है वहीं, राम प्रवेश कुमार के भाई मुकेश वर्मा ने बताया कि उनके भाई 1995 से गन की दुकान चला रहे हैं। वह सोने चांदी की दुकान चलाते हैं। इसके अलावे चीकसौरा थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव, हिलसा थाना क्षेत्र के राममूर्ति नगर में रेड की गई। ये दोनों ठिकाने सत्येंद्र प्रसाद नाम के शख्स के हैं, जिसका नाम हथियारों की खरीद-फरोख्त में आया है। सत्येंद्र प्रसाद के पड़ोसियों का कहना है कि सत्येन्द्र आर्म्स एक्ट के मामले में फिलहाल जेल में बंद है।

### 2 गांवों में एक साथ एनआईए ने की कार्रवाई

महादेव बीघा गांव में वासुदेव यादव के बेटे सोनू कुमार के घर सुबह 5 बजे टीम ने दस्तक दी। सोनू कुमार ने बताया कि टीम ने हथियार होने की गुप्त सूचना की बात कहकर पूरे घर की तलाशी ली। घर का कोना-कोना खंगालने के बाद टीम को वहां से कोई अवैध हथियार या संदिग्ध सामान बरामद नहीं हुआ। हालांकि, जांच टीम पूछताछ के आधार पर एक मोबाइल फोन अपने साथ ले गई है। वहीं, दूसरी छापेमारी बगल के गांव बालमत बीघा में रामस्वार्थ प्रसाद के घर हुई। घर मे जब सभी सो रहे थे तभी स्पेशल टीम ने घेराबंदी कर तलाशी शुरू की। करीब 4 घंटे तक चली इस लंबी प्रक्रिया में घर के अंदर और बाहर सघन जांच की गई। यहां से भी किसी प्रकार की अवैध सामग्री नहीं मिली है, लेकिन टीम ने एक मोबाइल फोन जब्त किया है। गौरतलब है कि रामस्वार्थ प्रसाद के तीन पुत्रों में से एक पुलिस विभाग में कार्यरत है।

## भागलपुर में नाबालिग की हत्या कर शव को दफनाया: जेसीबी से पुलिस ने निकलवाई लाश; ऑनर किलिंग की आशंका

भागलपुर. भागलपुर के पीरपैंती में खेत से एक नाबालिग की लाश बरामद की गई है। नाबालिग की लाश को करीब 5 फीट गहरे गड्ढे में दफनाया गया था। रविवार की शाम जब लोगों ने खेत में दरार देखी तो उन्हें किसी अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। देर शाम सूचना के बाद पहुंचे सर्किल इंस्पेक्टर अरुण कुमार और थानाध्यक्ष नागेंद्र राम ने जेसीबी से खेत की खुदाई कराई, जिसके बाद नाबालिग की लाश को निकाला गया। नाबालिग के गले में दुपट्टा बंधा हुआ था। मौके पर मौजूद पुलिस ने प्रेम प्रसंग के मामले में ऑनर किलिंग की आशंका जताई है। नाबालिग की लाश की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस लगातार इस संबंध में कोशिश में जुटी है। लाश करीब एक हफ्ते पुरानी बताई जा रही है। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है। घटना बाखरपुर के मोहनपुर मधुबन दियारा के सोनूटोला के पास की है।

### गड्ढे के अंदर कुदाल के निशान, 4-5 बदमाशों के शामिल होने का शक

जिस गड्ढे से किशोरी का शव मिला है, उसके अंदर कुदाल के निशान हैं। पुलिस का कहना है कि कुदाल से 4 फीट चौड़ा, 6 फीट लंबा और 5 फीट गहरा गड्ढा जल्दबाजी में एक व्यक्ति नहीं खोद सकता है। इसमें चार से पांच लोग शामिल हो सकते हैं। आशंका ये भी जताई जा रही है कि नाबालिग की हत्या किसी दूसरी जगह की गई होगी और लाश को यहां लाकर दफनाया गया है। बारिश के बाद वहां मिट्टीमें दरार आ गई। इसके बाद दरार को देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष नागेंद्र राम ने कहा कि प्रथमदृष्टया मामला ऑनर किलिंग का हो सकता है। कहीं प्रेम प्रसंग में पकड़े जाने के बाद उसके परिवारवालों ने ही तो हत्याकर शव को ठिकाने नहीं लगा दिया? इसके अलावा दुष्कर्म के बाद हत्या की भी आशंका है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रमुख रूप से इन्हीं दो बिंदुओं पर मामले की जांच कर रही है। जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा।

## जलती चिता से महिला की लाश उठा ले गई पुलिस:परिजन बोले- सुसराल वालों ने पेट्रोल से जलाया

हाजीपुर (वैशाली). वैशाली में एक महिला की लाश जलती चिता बुझाकर पुलिस ले गई। मृत महिला के घर वालों का आरोप है कि उनकी बेटी को ससुराल वालों ने पहले जिंदा जलाने की कोशिश की गई। वो बच गई तो अस्पताल में जहर का इंजेक्शन दिलवाकर मार दिया गया। फिर गंडक नदी के किनारे आनन-फानन में उसका अंतिम संस्कार किया जा रहा था, तभी मायके वाले पुलिस को लेकर पहुंच गए। पुलिस ने जलती चिता को कब्जे में लिया, लेकिन सिर्फ हड्डियां बचीं थीं। मृतका की पहचान खुशबू कुमारी (20) के रूप में हुई है। घटना लालगंज थाना क्षेत्र के पिरापुर गांव की है।

खुशबू कुमारी, मृतका

मायके वालों ने पति, सास-ससुर, देवर समेत 7 के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने ससुर को श्मशान घाट से ही गिरफ्तार कर लिया है। खुशबू की शादी करीब दो साल पहले हिंदू रीति-रिवाज से पिरापुर के रवि कुमार से हुई थी। खुशबू के भाई रोशन कुमार ने बताया कि शादी के शुरुआती समय में सब कुछ सामान्य था, लेकिन कुछ समय बाद ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसे जान से मारने और शव गायब करने की धमकी दी जाती थी। मृतका के भाई और मां ने आरोप लगाया कि 19 मार्च को दहेज के लिए बेटी के साथ मारपीट की, फिर बाइक से पेट्रोल निकालकर खुशबू के ऊपर डाल दिया। इसके बाद आग लगा दी। वारदात के बाद ससुराल पक्ष ने घटना को छिपाने के लिए उसे हाजीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। खूशबू के भाई का आरोप है, 'ससुराल वालों ने इलाज के दौरान जहर का इंजेक्शन दिलवाकर मेरी बेटी की हत्या कर दी। इसके बाद बिना मायके वालों को सूचना दिए गंडक नदी के किनारे शव का अंतिम संस्कार शुरू कर दिया गया। हमलोगों को खबर मिली तो हमने इसकी सूचना पुलिस को दी। जैसे ही हमलोग पहुंचे ही ससुरालवाले अधजला शव छोड़कर फरार हो गए।'

### 15 दिन पहले खुशबू 40% जल गई थी: पड़ोसी

रवि राज के पड़ोसी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, 'रविराज शराबी है और पेशे से ट्रक चालक है। शराब के नशे में पत्नी से अक्सर झगड़ा करता था, पत्नी की पिटाई भी करता था। आवाज सुनकर जब उसे समझाने जाते थे तो मुझसे भी गाली-गलौज करने लगता था। इस वजह से उससे उतना मतलब नहीं रखते है।' '15 दिन पहले पत्नी के साथ मारपीट की थी, फिर थोड़े ही देर में चिल्लाने की आवाज आई थी। जब लोग जमा होने लगे तो पत्नी को अस्पताल ले गया, पत्नी 40% जल गई थी। फिर जब लड़की वालो को पता चला तो इलाज कराने का आश्वासन देकर पुलिस से शिकायत नहीं करने को लेकर दबाव बनाया गया था, इलाज चल ही रहा था लेकिन आज मालूम चला कि मौत हो गई है।' मायके वालों ने रविराज कुमार (पति), भरत राय (ससुर), सास, 3 देवर- पुतुल, रंजन, अंकुश और ननद मनीषा कुमारी के खिलाफ नामजद FIR करवाई है। एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जलती चिता को बुझाकर जांच शुरू की। एफएसएल टीम को भी सबूत इकट्ठा करने के लिए बुलाया गया। पुलिस ने मृतका के ससुर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं। फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

# सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, मंगलवार, 7 अप्रैल, 2026

www.ksnewsupdates.com




# ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका को वैश्विक कटघरे में खड़ा किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

## बेमौसम बारिश का कहर : किसानों की मेहनत पर प्रकृति की मार

भारत विश्व का एक प्रमुख कृषि प्रधान देश है, जहाँ आज भी बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। दूसरे शब्दों में, भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है। यहाँ कृषि मुख्यतः प्रकृति, विशेषकर मानसून पर आधारित है, इसलिए इसे अक्सर मानसून का जुआ कहा जाता है। मार्च और अप्रैल का समय किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। वास्तव में, यही वह अवधि होती है जब रबी फसलें पककर तैयार हो जाती हैं और उनकी कटाई शुरू होती है। यह समय किसानों के लिए उनके पूरे वर्ष के परिश्रम और आशाओं के साकार होने का होता है। लेकिन विडंबना यह है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बेमौसम बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। तैयार खड़ी फसलें खेतों में ही नष्ट हो रही हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल उनकी आजीविका को प्रभावित करती है, बल्कि कृषि क्षेत्र की अनिश्चितता को भी उजागर करती है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान में उत्तर भारत के कई हिस्सों में बेमौसम मौसम का कहर देखने को मिल रहा है। राजस्थान के हाड़ौती और बीकानेर क्षेत्रों में हुई तेज ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी फसलें, जो कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थीं, अचानक गिरे ओलों और बारिश की मार से बर्बाद हो गईं। कई स्थानों पर ओलों की मोटी परत ने खेतों को सफ़ेद चादर से ढक दिया, जो किसानों के लिए किसी प्राकृतिक आपदा से कम नहीं है। इसी प्रकार हरियाणा और पंजाब में भी ओलावृष्टि तथा तेज आंधी-बारिश ने भारी नुकसान पहुँचाया है। इन राज्यों में भी गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। फसलें खेतों में गिर गईं, दाने झड़ गए और उनकी गुणवत्ता प्रभावित हुई, जिससे बाजार में कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है। यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि राजस्थान के जयपुर से जैसलमेर तक कई जिलों में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि दर्ज हुई। बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर और उदयपुर संभागों में भी इसका असर देखने को मिला। कई स्थानों पर बड़े आकार के ओले (नींबू जितने) गिरे, जिससे फसलों और मकानों को नुकसान हुआ। इसी तरह से पंजाब राज्य में गरज-चमक के साथ बारिश और कई स्थानों पर ओले गिरने की पुष्टि हुई है तथा 3–5 अप्रैल के दौरान ओलावृष्टि की चेतावनी और असर, विशेषकर मालवा- दोआबा क्षेत्रों में देखने को मिला। हरियाणा में भी 3-4 अप्रैल को तेज हवाएं, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। वहीं उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ओलावृष्टि दर्ज हुई तो कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहित पश्चिमी यूपी के कई जिलों में भी इसका असर देखने को मिला। 3–5 अप्रैल के बीच पश्चिमी यूपी और 4–5 अप्रैल को पूर्वी यूपी में ओलावृष्टि की स्थिति देखने को मिली। उत्तराखंड के चकराता क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हुआ तथा 3-7 अप्रैल के बीच पर्वतीय क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश के साथ ओलावृष्टि और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा 3-4 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर ओले गिरने की चेतावनी और घटनाएं हुईं। इसी प्रकार से जम्मू-कश्मीर के मैदानी क्षेत्रों में बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा 4-9 अप्रैल के बीच गरज-चमक, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई। विशेषज्ञों के अनुसार, इस असामान्य मौसम का मुख्य कारण सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है, जो बार-बार उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश और ओलावृष्टि ला रहा है। यह स्थिति कृषि पर निर्भर करोड़ों किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि उनकी आजीविका पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है। वास्तव में, देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कृषि आज भी प्राकृतिक जोखिमों से घिरी हुई है। ऐसी स्थिति में किसानों को समय पर मुआवजा, फसल बीमा

# 5 राज्यों के विधान सभा के चुनावी समरक्षेत्र में जनादेश की आहट


“

अगर हम चुनावी मुद्दों की बात करें तो महंगाई,रोजगार,कृषि संकट, युवा आकांक्षाएँ और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय हर राज्य में गूंज रहे हैं। कोविड के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा भी प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरे हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया ने चुनावी परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चल रहा प्रचार और संवाद अब चुनावी रणनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। इन चुनावों का प्रभाव केवल इन राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा। वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इसे एक प्रकार का सेमीफाइनल माना जा रहा है।

”


बिनोद कुमार सिंह

भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं,बल्कि एक जीवंत परंपरा है,जहाँ प्रत्येक चुनाव जनभावनाओं का उत्सव बनकर सामने आता है। वर्ष 2026 में पाँच राज्यों-असम, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और मणिपुर-के चुनाव इसी लोकतांत्रिक परंपरा के निर्णायक अध्याय बनकर उभरे हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर नहीं,बल्कि पिछले पाँच वर्षों के कार्यों,वादों और जनता के विश्वास की अग्नि परीक्षा की घड़ी आ गई है। इन राज्यों की जनता ने बीते वर्षों में विकास,महंगाई,रोजगार,शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को नजदीक से महसूस किया है। अब जब चुनावी शंखनाद हो चुका है,राज्यों के मतदाता अपने मन में एक ठोस निर्णय बना चुका है। वह यह तय करने की स्थिति में है कि कौन उसके सपनों का संवाहक है और कौन केवल राजनीतिक वादों का व्यापारी है। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि मतदाता अब पहले से कहीं अधिक सजग, जागरूक और निर्णायक हो गया है। वह जातीय और धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर सुशासन और विकास को प्राथमिकता देने लगा है। यही कारण है कि इस बार 5 राज्यों के विधान सभा चुनावों में पारंपरिक समीकरणों के साथ-साथ प्रदर्शन आधारित राजनीति भी प्रमुख भूमिका में दिखाई दे रही है। चुनावी मैदान आज एक ऐसे समरक्षेत्र में बदल चुका है,जहाँ सत्तारूढ़ राजनीतिक दल अपनी उपलब्धियों के रथ पर सवार है, वहीं विपक्ष असंतोष और सवालों के शस्त्र लेकर चुनावी मैदान में उतरा है।

अगर हम राजनीतिक परिदृश्य पर एक दृष्टि डालें तो हर राज्य की परिस्थितियाँ भिन्न होते हुए भी एक समानता स्पष्ट दिखाई देती है- सत्ता और विपक्ष के बीच सीधा और तीखा संघर्ष का दौर जारी है। सत्तारूढ़ दल अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बुनियादी ढांचे के विकास,कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों को जनता के सामने रख रहा है। "डबल इंजन" जैसे राजनीतिक नारे और योजनाओं का लाभ उठाने वाला वर्ग उसके समर्थन का मजबूत आधार बन चुका है। वही दूसरी ओर विपक्ष महंगाई,बेरोजगारी,किसान संकट और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में जुटा है और जनता को परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहा है।

यदि इन पाँच राज्यों के चुनावी परिदृश्य को गहराई से देखा जाए, तो एक बहुआयामी तस्वीर सामने आती है। असम में सत्ता पक्ष अपने मजबूत संगठन और नेतृत्व के कारण हल्की बढ़त बनाए हुए है। यहाँ उसे लगभग 44 से 48 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है,जबकि विपक्ष 40 से 43 प्रतिशत के बीच सिमट सकता है। सीटों के रूपांतरण में यह अंतर सत्ता पक्ष को बढ़त दिला सकता है,जहाँ 126 सदस्यीय विधानसभा में उसके 68 से 78 सीटों तक पहुँचने के संकेत मिलते हैं। इसके बावजूद मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं है और विपक्ष की चुनौती मजबूत बनी हुई है। वही तमिलनाडु में राजनीति अपने पारंपरिक द्रविड़ स्वरूप में ही दिखाई देती है,जहाँ डीएमके गठबंधन लगभग 42 से 46 प्रतिशत वोट हासिल कर स्पष्ट बढ़त की स्थिति में नजर आता है। एआईएडीएमके गठबंधन 34 से 38 प्रतिशत के बीच सीमित रह सकता है,जबकि अन्य दलों का प्रभाव सीमित दायरे में रहेगा। 234 सदस्यीय विधानसभा में डीएमके गठबंधन 140 से 160 सीटों के साथ सशक्त स्थिति में उभर सकता है,जो यह स्पष्ट संकेत देता है कि वहाँ सत्ता की निरंतरता संभव है। केरल की राजनीति हमेशा से विचारधारात्मक संघर्ष और वैकल्पिक सत्ता परिवर्तन के लिए जानी जाती रही है,लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी भिन्न दिखाई देती है। एलडीएफ 43 से 46 प्रतिशत वोट के साथ बढ़त बनाए हुए है,जबकि यूडीएफ 41 से 44 प्रतिशत के बीच मुकाबले में बना हुआ है। 140 सीटों वाली विधानसभा में एलडीएफ को 70 से 80 सीटों तक पहुँचने का अनुमान है,जो यह संकेत देता है कि परंपरागत ट्रेंड के विपरीत सत्ता की पुनरावृत्ति संभव हो सकती है। पश्चिम बंगाल का चुनावी परिदृश्य सबसे अधिक तीव्र और ध्रुवीकृत दिखाई देता है। यहाँ टीएमसी 44 से 47 प्रतिशत वोट के साथ आगे है,जबकि भाजपा 38 से 42 प्रतिशत के बीच मजबूत चुनौती दे रही है। 294 सीटों वाली विधानसभा में टीएमसी को 160 से 190 सीटें मिलने की संभावना है,जबकि भाजपा 90 से 120 सीटों के बीच रह सकती है। यह परिणाम दर्शाता है कि सत्ता पक्ष को बढ़त तो है,लेकिन विपक्ष भी निर्णायक उपस्थिति दर्ज कर रहा है। जहाँ तक मणिपुर की बात है तो मणिपुर में राजनीतिक समीकरण अधिक जटिल और स्थानीय प्रभावों पर आधारित हैं। यहाँ भाजपा 36 से 40 प्रतिशत वोट के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभर सकती है, जबकि कांग्रेस 30 से 34 प्रतिशत के बीच रह सकती है। क्षेत्रीय दलों का 20 से 25 प्रतिशत वोट इस चुनाव को त्रिशंकु स्थिति की ओर ले जा सकता है। 60 सदस्यीय विधान सभा में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिलना कठिन प्रतीत होता है और गठबंधन की राजनीति यहाँ निर्णायक भूमिका निभा सकती है। इन सभी 5 राज्यों के समेकित विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय चुनावी समीकरण में वोट प्रतिशत और सीटों का अनुपात हमेशा सीधा नहीं होता। कई बार केवल 2 से 3 प्रतिशत वोट का अंतर दर्जनों सीटों का अंतर बना देता है,जो सत्ता की दिशा बदलने में निर्णायक साबित होता है। ऐसे में क्षेत्रीय दल अभी भी कई राज्यों में राजनीति के केंद्र में हैं और राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती बने हुए हैं। गठबंधन राजनीति का प्रभाव असम और मणिपुर जैसे राज्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है,जबकि तमिलनाडु,केरल और पश्चिम बंगाल में क्षेत्रीय नेतृत्व की पकड़ मजबूत बनी हुई है।

अगर हम चुनावी मुद्दों की बात करें तो महंगाई,रोजगार,कृषि संकट, युवा आकांक्षाएँ और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय हर राज्य में गूंज रहे हैं। कोविड के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा भी प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरे हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया ने चुनावी परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चल रहा प्रचार और संवाद अब चुनावी रणनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। इन चुनावों का प्रभाव केवल इन राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा। वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इसे एक प्रकार का सेमीफाइनल माना जा रहा है। यदि सत्तारूढ़ दल इन चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसकी राष्ट्रीय स्थिति और मजबूत होगी। वहीं विपक्ष के लिए यह अवसर है कि वह अपनी रणनीति को धार देकर आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करे। संक्षेप में, इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है। वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है। यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अपने अधिकारों को दिशा देने का माध्यम है। पाँच राज्यों में सत्ता का संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी ,जनता जनार्दन मौन है। राज्यों के मतदाताओं ने अपने मन में जो निर्णय लिया है,वह शीघ्र ही मतपेटियों के माध्यम से सामने आएगा और उसी के आधार पर तय होगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा। चुनावी समरक्षेत्र में शंखनाद हो चुका है,रथ सज चुके हैं और राजनीतिक योद्धा मैदान में उतर चुके हैं। अब सबकी निगाहें उस अंतिम निर्णय पर टिकी हैं,जो जनता जर्नादन के हाथों में है।

# विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया


“

वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती।

”


योगेश कुमार गोयल

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है। भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है।

यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए। वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा।

# माता-पिता बुजुर्गों की देखभाल न करने पर सरकार का त्वरित डंडा चलेगा

वैश्विक स्तरपर आज का समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। तकनीकी उन्नति, वैश्वीकरण और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है,वहीं पारिवारिक संरचनाओं और संबंधों के स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया है। कभी संयुक्त परिवारों में पनपने वाली भावनात्मक सुरक्षा और सामूहिक जिम्मेदारी अब तेजी से एकल परिवारों में सिमटती जा रही है। इस परिवर्तन के बीच सबसे अधिक प्रभावित वर्ग है,बुजुर्ग माता-पिता। जीवन के उस चरण में,जब उन्हें सबसे अधिक सहारे,सम्मान और देखभाल की आवश्यकता होती है, वे अक्सर उपेक्षा,अकेलेपन और आर्थिक असुरक्षा का सामना करते हैं। ऐसे समय में तेलंगाना राज्य द्वारा पारित कर्मचारी जवाबदेही एवं माता- पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 न केवल एक कानूनी कदम है, बल्कि यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप भी है। इस विधेयक का मूल संदेश स्पष्ट और कठोर है यदि कोई संतान अपने माता-पिता की देखभाल से मुंह मोड़ती है, तो राज्य उसके निजी दायित्व को लागू करने के लिए सटीक रूप से हस्तक्षेप करेगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं ने गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि यह विचार अपने आप में क्रांतिकारी है, क्योंकि पारिवारिक संबंधों को अब तक निजी और नैतिक क्षेत्र माना जाता रहा है, जहां कानून की भूमिका सीमित थी। परंतु जब नैतिकता विफल हो जाती है, तब कानून का हस्तक्षेप अनिवार्य हो जाता है। यह विधेयक इसी सिद्धांत पर आधारित है कि बुजुर्गों की उपेक्षा केवल व्यक्तिगत असफलता नहीं, बल्कि एक सामाजिक अपराध है, जिसका समाधान केवल सामाजिक उपदेशों से नहीं, बल्कि कठोर कानूनी प्रावधानों से ही संभव है। एक अधिवक्ता व लेखक के रूप में मैं यह सुझाव देना चाहूंगा के कि इस विधेयक को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, वेतन कटौती की सीमा को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत और अधिकतम राशि को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किया जा सकता है,ताकि यह अधिक प्रभावी और निवारक बन सके। एक ओर यह कानून वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा करने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है। यह उन संतान को जिम्मेदारी का एहसास कराएगा जो आर्थिक रूप से सक्षम होते हुए भी अपने माता-पिता की उपेक्षा करते हैं। इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा कि माता-पिता की सेवा केवल एक विकल्प नहीं बल्कि एक अनिवार्य कर्तव्य है इसके अलावा, इस कानून को पूरे देश में लागू करने के लिए केंद्र सरकार को पहल करनी चाहिए। यदि सभी राज्य इस मॉडल को अपनाते हैं, तो यह बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचा तैयार कर सकता है। हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अभी तक भारत के किसी भी राज्य या केंद्र सरकार द्वारा ऐसा कोई व्यापक कानून लागू नहीं किया गया है, जिसमें सीधे वेतन से 15प्रतिशत कटौती का प्रावधान अनिवार्य रूप से लागू हो। बुढ़ापा जीवन का एकअपरिहार्य सत्य है। यह वह अवस्था है, जहां शारीरिक और मानसिक क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। बीमारियां बढ़ती हैं, आय के स्त्रोत समाप्त हो जाते हैं और व्यक्ति पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाता है। भारतीय संदर्भ में यह निर्भरता मुख्यतः संतान पर होती है,क्योंकि अधिकांश लोगअपनी जीवन भर की कमाई अपने बच्चों की शिक्षा, विवाह और भविष्य निर्माण में खर्च कर देते हैं। सरकारी कर्मचारियों को पेंशन का सहारा मिल सकता है, लेकिन निजी क्षेत्र के बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में यदि संतान भी उनका साथ छोड़ दे, तो यह स्थिति उनके लिए अत्यंत कष्टदायक और अमानवीय बन जाती है।

# एनीमिया से बचाव के लिए करें ये उपाय

*खून में हीमोग्लोबिन या रेड ब्लड सेल्स की कमी को एनीमिया कहते हैं। कई बार शरीर रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन बना नहीं पाता और कई बार ज्यादा खून बह जाने से शरीर में इनकी कमी हो जाती है। एनीमिया को एक तरह की बीमारी माना जाता है। ये बीमारी ज्यादातर महिलाओ को होती है और उनमें इसकी एक मुख्य वजह  मासिक धर्म होता है। आमतौर पर पुरुषों में 100 मिली ग्राम खून में 13.5 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन और महिलाओं में 100 मिली ग्राम खून में 12 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन हो तो इसे एनीमिया की स्थिति कहते हैं। कई बार एनीमिया के मरीजों में बाहर से कोई लक्षण नहीं नजर आते या हल्के-फुल्के लक्षण नजर आते हैं जिन्हें लोग नजरअंदाज कर देते हैं। खून की सीबीसी जांच द्वारा इस बीमारी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।*

### एनीमिया के लक्षण

काम के दौरान जल्दी थक जाना
दिनभर कमजोरी महसूस होना
त्वचा पीली पड़ना
सीढ़ी चढ़ते हुए चक्कर आ जाना
सीने और सिर में दर्द होना
तलवों और हथेलियों का ठंडा हो जाना

### एनीमिया का कारण

एनीमिया का सबसे बड़ा कारण शरीर में आयरन की कमी है। एक सामान्य व्यक्ति के शरीर में 3-5 ग्राम आयरन होता है। शरीर में इसकी मात्रा कम होने पर खून कम बन पाता है और एनीमिया हो जाता है। कई बार ज्यादा मात्रा में खून बह जाना भी एनीमिया का कारण बनता है। इसके अलावा शरीर में कैल्शियम की अधिकता से भी एनीमिया हो सकता है इसलिए कैल्शियम वाले खाद्य पदार्थों का बहुत अधिक सेवन भी शरीर के लिए खतरनाक है।

### एनीमिया से बचाव

एनीमिया से बचाव के लिए आपको अपनी जीवनशैली में थोड़ा परिवर्तन करना पड़ेगा। एनीमिया मुख्यतः शरीर में खून की कमी ही है इसलिए इससे बचाव के लिए ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे शरीर में खून की मात्रा बढ़े जैसे- चुकंदर, गाजर, पालक, टमाटर, बथुआ और अन्य हरी सब्जियां। हरी सब्जियों के साथ-साथ काले चने और गुड़ में भी आयरन भरपूर होता है। रोजाना सुबह भीगे हुए काले चने गुड़ के साथ खाने से एनीमिया जल्द खत्म हो जाता है। इसके अलावा अगर आप सब्जी बनाने के लिए लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करते हैं तो इससे भी शरीर में आयरन की कमी दूर होती है। शरीर में आयरन की ज्यादा कमी होने पर आप चिकित्सक की सलाह से आयरन की गोलियां भी ले सकते हैं।

# मोबाइल के अधिक उपयोग से हो सकते हैं कई रोग

*लंबे समय तक मोबाइल इस्तेमाल करने से न केवल हमारी आंखें थकती हैं, बल्कि शरीर के कई हिस्सों में गंभीर समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। विज्ञान के अनुसार, मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से कमर दर्द, गर्दन और कंधों में तनाव, स्पॉन्डिलाइटिस और रीढ़ की हड्डी की समस्याएं बढ़ रही हैं। इसे टेक नेक या स्मार्टफोन सिंड्रोम भी कहा जाता है।*

जब हम लंबे समय तक फोन को झुककर देखते हैं, तो हमारी रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द और हड्डियों की कमजोरी तक हो सकती है। स्पॉन्डिलाइटिस एक ऐसी समस्या है, जिसमें रीढ़ की हड्डी के जोड़ों में सूजन आ जाती है। मोबाइल फोन का लगातार झुककर इस्तेमाल करने से यह खतरा बढ़ता है। खासकर युवा और किशोर वर्ग में यह समस्या तेजी से फैल रही है। लोग लंबे समय तक मोबाइल पर गेम खेलते हैं, वीडियो देखते हैं या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। इस दौरान वे अपनी पीठ और कमर को सही मुद्रा में नहीं रखते, जिससे मांसपेशियों और हड्डियों पर लगातार दबाव पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति कमर और गर्दन के गंभीर दर्द में बदल सकती है। मोबाइल फोन के लगातार उपयोग से केवल कमर या गर्दन ही नहीं, बल्कि हमारी आंखें भी प्रभावित होती हैं। मोबाइल स्क्रीन की नीली रोशनी आंखों की रेटिना और रोशनी पर असर डाल सकती है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में जलन, सूखापन, धुंधला दिखना और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मोबाइल का अत्यधिक उपयोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं प्रभावित करता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मोबाइल का उपयोग सीमित समय के लिए करें और स्क्रीन को आंखों की ऊंचाई पर रखें। लंबे समय तक फोन का इस्तेमाल करते समय बीच-बीच में ब्रेक लें और स्ट्रेचिंग करें। सही मुद्रा में बैठना बहुत जरूरी है, पीठ सीधी और कंधे आराम से रखने चाहिए। इसके अलावा, नीली रोशनी को कम करने वाले ऐप्स या स्क्रीन फिल्टर्स का इस्तेमाल करना आंखों को सुरक्षित रखने में मदद करता है। लगातार नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया की तुलना और ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की आदत तनाव, चिंता और नींद की कमी का कारण बन सकती है। नींद की कमी से शरीर की ऊर्जा और मांसपेशियों की रिकवरी प्रभावित होती है, जिससे मानसिक रूप से भी थकान महसूस होती है।

# मसूड़ों की बीमारी पेरियोडोंटाइटिस हो सकती है गंभीर

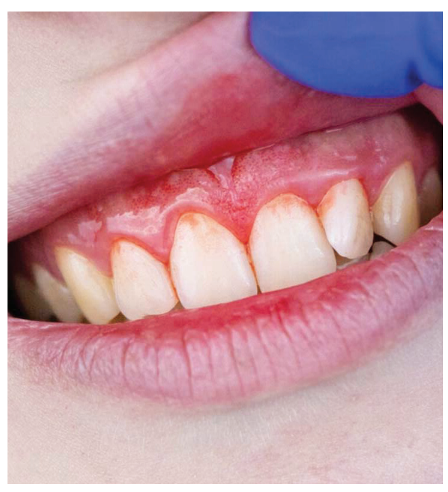

मसूड़ों की गंभीर बीमारी (पेरियोडोंटाइटिस) पुरानी सूजन के जरिए सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर असर डाल सकता है। हालांकि, मल्टीपल स्क्लेरोसिस में इसकी भूमिका स्पष्ट नहीं है। यह दावा किया है वैज्ञानिकों ने। नई रिसर्च में पाया गया कि मुंह में पाए जाने वाले बैक्टीरिया फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम का बढ़ा स्तर मल्टीपल स्क्लेरोसिस पीड़ितों में विकलांगता को लगभग दस गुना बढ़ा सकता है। एमएस में लोगों को चलने-फिरने में दिक्कत आ सकती है और दृष्टिबाधिता की शिकायत भी हो सकती है। हिरोशिमा यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में एसोसिएट प्रोफेसर और लेक्चरर मासाहिरो नाकामोरी ने कहा, मल्टीपल स्क्लेरोसिस में गट माइक्रोबायोम की बड़े पैमाने पर जांच की गई है, लेकिन ओरल माइक्रोबायोम की भूमिका को ज्यादातर नजरअंदाज किया गया है। ओरल कैविटी पुरानी सूजन का एक बड़ा सोर्स है, इसलिए मल्टीपल स्क्लेरोसिस के गंभीर प्रभाव और बचाव के नए तरीके इजाद करने के लिए इनके बीच के संबंधों को समझने की जरूरत है।टीम ने देखा कि फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम की ज्यादा मात्रा वाले मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लगभग दो-तिहाई (61.5 प्रतिशत) मरीजों का रोग मध्यम से गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। न्यूरोमाइलाइटिस ऑप्टिका स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर या माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन एंटीबॉडी से जुड़ी बीमारी वाले मरीजों में ऐसा कोई संबंध नहीं देखा गया। फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम और कम से कम एक दूसरे पेरियोडोंटल पैथोजन वाले एमएस मरीजों की स्थिति और बिगड़ी हुई पाई गई।

मुंह के बैक्टीरिया मल्टीपल स्क्लेरोसिस के मरीजों के हालात और बिगाड़ सकते हैं। रिसर्च में पाया गया कि एमएस मरीजों में इस बैक्टीरिया की अधिक मात्रा होने पर विकलांगता स्कोर (ईडीएसएस) ऊंचा होता है, जो सूजन और न्यूरोडीजेनेरेशन को बढ़ावा दे सकता है। यह बैक्टीरिया पीरियोडॉन्टाइटिस (मसूड़ों की बीमारी) से जुड़ा है और एमएस के लक्षणों को बिगाड़ सकता है। हालांकि, कुछ अध्ययन इस लिंक को पूरी तरह पुष्ट नहीं करते और कहते हैं कि कोई सीधा संबंध नहीं मिला।

# आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज है ऋषभ

## ईशान छठवें स्थान पर आये

*आईपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। उन्होंने 2080 गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाए हैं।  ऋषभ अभी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और इस सत्र में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी।  सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में सूची में दूसरे नंबर पर पूर्व ऑलराउंडर युसूफ पठान हैं। पठान ने 2082 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूची में तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव का नाम है। यादव ने 2130 गेंदों का सामना करते हुए आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए हैं।*

इस सूची में चौथे स्थान पर पूर्व बल्लेबाज और सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने 2135 गेंदों में 3000 रन बनाए हैं। रैना के बाद इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी का नाम है। धोनी इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 2152 गेंदों में 3000 रन बनाने का कारनामा किया है। वहीं स सूची में अब 6वें नंबर पर ईशान किशन का नाम आ गया है और उन्होंने 2180 गेंदों में अपने तीन हजार रन पूरे किए हैं। लोकेश राहुल सूची में 7वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 2203 गेंदों में 3000 रन बनाए थे। सनराजइर्स हैदराबाद की कप्तान संभाल रहे ईशान किशन ने आईपीएल के इस सत्र के पहले ही मैच में अपने इरादे जता दिये हैं। ईशान ने पहले ही मैच में 8 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 80 रन बनाकर किशन का स्ट्राइट रेट 210 से ज्यादा का रहा। इस धमाकेदार पारी के साथ ईशान ने 2180 गेंदों पर अपने 3000 रन पूरे किये। ईशान के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 2016 में अपना आईपीएल डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह लगातार आगे बढ़त रहे हैं। उन्होंने ने अब तक कुल 120 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसकी 113 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 29.6 की औसत और 138.90 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 3078 रन बनाए हैं।

# फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन  ले सकते हैं संन्यास

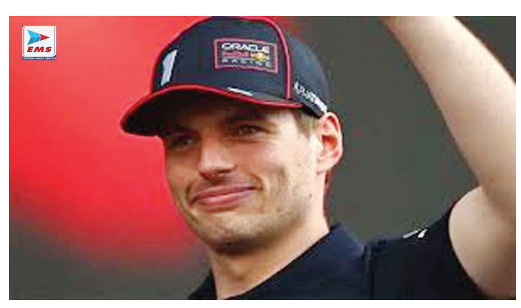

*जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन  ने  कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।*

सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर  रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो  वह संन्यास भी ले सकते हैं। वर्स्टापेन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

# सेहतमंद बनाये रखता है चुकंदर

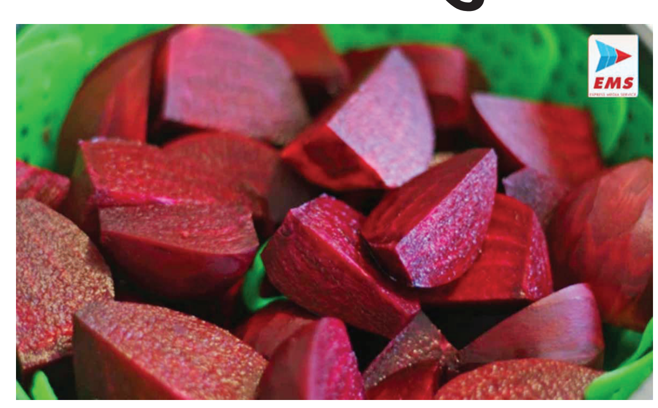

*चुकंदर एक ऐसी ही सब्जी है जो शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाने, ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। यह उन चुनिंदा सब्जियों में शामिल है जिन्हें आयुर्वेद, विज्ञान और न्यूट्रिशनिस्ट सभी ने लाभकारी माना है। एक रिपोर्ट के अनुसार चुकंदर में बेटानिन, नाइट्रेट, पॉलीफेनोल्स, फाइबर, विटामिन सी और ई समेत कई खास तत्व मौजूद होते हैं। बेटानिन, जो इसे लाल रंग देता है, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह शरीर में मौजूद हानिकारक फ्री रेडिकल्स को खत्म करने में मदद करता है। इससे कोशिकाओं की रक्षा होती है और बढ़ती उम्र, हृदय रोग, कैंसर और दूसरी पुरानी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।*

चुकंदर हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स शरीर में जाकर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल जाते हैं, जिससे रक्त नलिकाएं फैलती हैं और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। यह शरीर में खून की मात्रा को बढ़ाने में मददगार है। इसके अलावा, यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाकर दिल की सेहत को बनाए रखता है और थकान दूर करने में मदद करता है। चुकंदर में मौजूद प्राकृतिक रसायन शरीर की सूजन को कम करते हैं, जिसे एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण कहते हैं। इससे गठिया, आर्थराइटिस जैसी बीमारियों में राहत मिलती है।

इसके अलावा, यह लिवर की सुरक्षा करता है और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। चुकंदर में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को ठीक रखता है, कब्ज की समस्या दूर करता है और आंतों को स्वस्थ बनाए रखता है। इसके अलावा, यह वजन नियंत्रित रखने में भी मददगार होता है।

आयुर्वेद के अनुसार, इसका जूस, सलाद या सूप के रूप में सेवन करने से अधिकतम लाभ मिलते हैं। चुकंदर न केवल शरीर को अंदर से स्वस्थ बनाता है, बल्कि त्वचा को भी चमकदार और जवान बनाए रखने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन त्वचा की रंगत को निखारता है और कील-मुंहासों जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

# ओलंपिक पदक जीतना है सपना : अनाहत

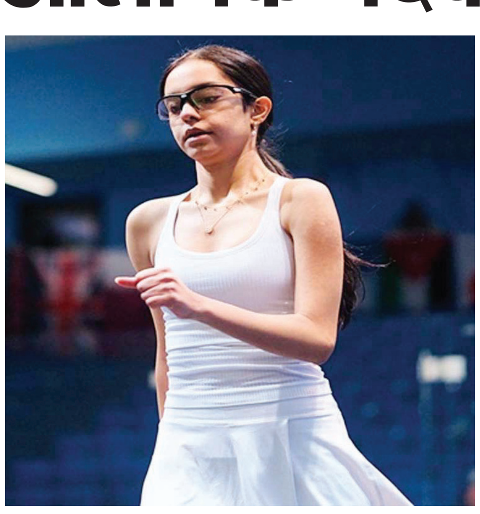

भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा,  यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है  सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने  कहा,  ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता  है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं।  रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

# कद्दू के बीज से  विटामिन बी 12 की कमी होती है पूरी

*डाइटिशियन के अनुसार, कद्दू के बीज इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं। खासतौर पर ये बीज विटामिन बी12 के प्राकृतिक स्रोत माने जाते हैं, जो आज के दौर में लोगों की डाइट से अक्सर गायब होता है। कद्दू के बीजों में जिंक, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए और विटामिन बी12 पाया जाता है।*

विटामिन बी12 यानी कोबालामिन एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र के सही कार्य में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से एनीमिया, नजर का कमजोर होना, पाचन संबंधी गड़बड़ी, अंगों में झुनझुनी और बोलने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप सप्लीमेंट्स की जगह घरेलू और प्राकृतिक विकल्प की तलाश कर रहे हैं, तो कद्दू के बीज को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। कद्दू के बीजों को आप कई तरीकों से अपने भोजन का हिस्सा बना सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर नाश्ते में लिया जा सकता है, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाता है और पोषण भी मिलता है। अगर आप सलाद पसंद करते हैं, तो उसमें थोड़े से कद्दू के बीज डालकर विटामिन बी12 की जरूरत पूरी कर सकते हैं। स्मूदी में मिलाकर इन्हें हेल्दी ड्रिंक के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

वहीं, दही या रायते में मिलाकर इनका सेवन न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि सेहत को भी फायदा पहुंचाता है। कुल मिलाकर, कद्दू के बीज एक ऐसा सुपरफूड हैं, जिन्हें नियमित रूप से डाइट में शामिल करने से न केवल विटामिन बी 12 की कमी को दूर किया जा सकता है, बल्कि शरीर की संपूर्ण रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिलती है। बता दें कि सेहतमंद जीवन के लिए लोग तरह-तरह के खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है कद्दू के बीज, जो अपने पोषक तत्वों के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

# अब लीवरपूल को छोड़ रहे स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह

स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं। सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह  ने सोशल  मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है।  इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा।  सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है  कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं।  पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच  आर्नेट स्लॉट के साथ  भी उनके संबंध खराब हो गये थे। था। उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं  थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी। अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

## सुप्रीम कोर्ट से झटका, अदाणी की 14,535 करोड़ की बोली पर रोक से इनकार; लेकिन रखी एक शर्त

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अदाणी एंटरप्राइजेज की दिवालिया जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए 14,543 करोड़ रुपये की रेजोल्यूशन योजना पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड की चुनौती को भी खारिज कर दिया।

शीर्ष अदालत ने वेदांता और अन्य पक्षों को अपनी आपत्तियां नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के समक्ष उठाने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने एनसीएलटी और एनसीएलएटी के उन आदेशों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिनसे इस योजना को आगे बढ़ने की मंजूरी मिली थी। हालांकि, कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि रेजोल्यूशन प्रक्रिया की निगरानी कर रही समिति को किसी भी बड़े कदम से पहले एनसीएलएटी की मंजूरी लेनी होगी। साथ ही, अपीलेट ट्रिब्यूनल से मामले की जल्द सुनवाई करने को भी कहा। एनसीएलएटी अब इस मामले की सुनवाई 10 अप्रैल को करेगा। वेदांता ने पारदर्शिता और निष्पक्षता के आधार पर अडाणी ग्रुप की मंजूरी को चुनौती दी थी। कंपनी का कहना था कि उसकी ज्यादा ऊंची बोली को नजरअंदाज किया गया। वेदांत भी बोली के दौर में शामिल थी लेकिन शुरुआती बोली में हार गई थी। अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि उसने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को खरीदने के लिए जो नया और सुधारा हुआ ऑफर दिया था, वह बेहतर होने के बावजूद खारिज कर दिया गया। कंपनी का कहना है कि उसका प्रस्ताव अदाणी ग्रुप से कुल वैल्यू में करीब 3,400 करोड़ रुपये ज्यादा और नेट प्रेजेंट वैल्यू में लगभग 500 करोड़ रुपये अधिक था। वेदांता ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और आरोप लगाया था कि पूरी प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ियां हुईं और रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की भूमिका पर भी सवाल उठाते हैं।

## 7 विदेशी 30 दिन की न्यायिक हिरासम में

नई दिल्ली(ईएमएस)। एनआईए कोर्ट ने सात विदेशी नागरिकों को 30 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इनमें 6 यूक्रेनी और 1 अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। ये सभी लोग वीजा लेकर भारत आए थे। लेकिन बाद में मिजोरम के रास्ते म्यांमार पहुंच गए और जातीय सशस्त्र समूहों से संपर्क किया। एनआईए के मुताबिक, इन लोगों ने म्यांमार में ट्रेनिंग ली और फिर वहीं सक्रिय समूहों को ट्रेनिंग भी दी। ये समूह भारत के उग्रवादी संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं। ये लोग यूरोप से भारत के रास्ते बड़ी संख्या में ड्रोन लेकर आए थे।

## साउथ अभिनेत्री सुभाषिनी ने की आत्महत्या

चेन्नई(ईएमएस)। तमिल टीवी इंडस्ट्री से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। लोकप्रिय अभिनेत्री सुभाषिनी ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। पारिवारिक विवाद के बाद अभिनेत्री ने कथित तौर पर फांसी लगाकर जान दी है। उन्होंने अपने जन्मदिन से चंद दिन पहले यह कदम उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुभाषिनी ने अपने चेन्नई स्थित आवास पर सुसाइड की। श्रीलंकाई मूल की सुभाषिनी चेन्नई के इयप्पनथंगल में एक अपार्टमेंट में रह रही थीं। कथित तौर पर उन्हें इसी अपार्टमेंट में सुसाइड किया। पुलिस अधिकारियों ने उनके पार्थिव शरीर को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। आगे की जांच चल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीडियो कॉल पर सुभाषिनी की अपने पति से बहस हुई थी। अधिकारियों ने इशारा किया है कि मानसिक परेशानी की वजह से उन्होंने यह कदम उठाया होगा।

## बारामती सीट से कांग्रेस प्रत्याशी आकाश मोरे का बयान, मैं दिवंगत नेता पवार के लिए न्याय की मांग करूंगा

बारामती,(ईएमएस)। महाराष्ट्र में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस ने सीट से आकाश मोरे को उम्मीदवार घोषित कर मुकाबले को त्रिकोणीय कर दिया है। यह फैसला तब हुआ है, जब नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और उसके सहयोगी दल चुनाव को निर्विरोध कराने की कोशिश कर रहे थे। मोरे ने उम्मीदवार घोषित होने के बाद कहा कि मैं दिवंगत नेता अजित पवार के लिए न्याय की मांग करूंगा। उन्होंने उनकी मौत से जुड़ी विमान दुर्घटना को संदिग्ध बताकर निष्पक्ष जांच की मांग की। मोरे ने कहा कि बारामती का माहौल इस बार अलग है और महंगाई, एलपीजी संकट तथा बढ़ते कर जैसे मुद्दे मतदाताओं को प्रभावित करने वाले हैं। बात दें कि मोरे पेशे से वकील हैं और पूर्व एमएलसी विजयराव मोरे के बेटे हैं। वे पहले भी 2014 में कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। पार्टी ने उन्हें आंतरिक विचार-विमर्श और इंटरव्यू के बाद उम्मीदवार बनाया है। यह उपचुनाव अजित पवार के निधन के बाद आवश्यक हुआ। उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार, जो अब उपमुख्यमंत्री और एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, इस सीट से चुनाव लड़ रही हैं। बारामती लंबे समय से पवार परिवार का गढ़ रहा है। एनसीपी नेताओं ने कांग्रेस के फैसले की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह महा विकास अघाड़ी के गठबंधन नियमों का उल्लंघन है, क्योंकि बारामती पारंपरिक रूप से एनसीपी की सीट रही है। पार्टी पहले ही सुनेत्रा पवार के सम्मान में निर्विरोध चुनाव चाहती थी। इस बीच, चुनाव प्रक्रिया जारी है। 6 अप्रैल नामांकन की अंतिम तारीख है, 9 अप्रैल तक नाम वापसी संभव है, 23 अप्रैल को मतदान और 4 मई को मतगणना होगी। कुल 19 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिससे मुकाबला और दिलचस्प हो गया है।

## स्टालिन का सभी 234 सीटों पर जीत का भरोसा, दावाः इस बार हम बना रहे सरकार

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर सत्तारूढ़ डीएमके और विपक्षी एआईएडीएमके के बीच तीखी बयानबाजी जारी है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन राज्य की सभी 234 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। वहीं एआईएडीएमके की ओर से एडप्पाडी के.पलानीस्वामी (ईपीएस) को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताकर पार्टी ने 210 सीटें जीतने का भरोसा जताया है। एआईएडीएमके प्रवक्ता कोवई सत्यन ने डीएमके सरकार पर हमला कर कहा कि जनता का समर्थन पूरी तरह खत्म हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री स्टालिन का काफिला खाली सड़कों से गुजरता है और जनता उनके विधायकों से नाराज दिख रही है। सत्यन ने विश्वास जताया कि एक महीने के भीतर ईपीएस मुख्यमंत्री बनने वाले हैं, और डीएमके पार्टी अपने दम पर सरकार बनाएगी। दूसरी ओर, स्टालिन ने अपने बयान में मोदी सरकार की नीतियों पर भी निशाना साधा। उन्होंने विशेष रूप से त्रिभाषा नीति का विरोध कर कहा कि जब तक डीएमके सत्ता में है, इस नीति को तमिलनाडु में लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने इस नीति को राज्य की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई अधिकारों के खिलाफ बताया।

# बीजेपी का स्थापना दिवस, मोदी बोले-भाजपा हर चुनौती को तैयारः योगी ने पार्टी के झंडे के साथ सेल्फी ली, 17 नए कार्यालयों का भूमिपूजन

**नई दिल्ली:** भारत की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बीजेपी आज 2026 में अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है। स्थापना दिवस को लेकर देशभर में बीजेपी कार्यालयों में कई कार्यक्रम हुए। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'देश जानता है, हर चुनौती का सामना करने के लिए बीजेपी ईमानदारी से कोशिश कर रही है, आगे भी करेगी। पहले भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं और आगे भी मिलेंगे।' उन्होंने वीडियो मैसेज में कहा, 'अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों काले कानूनों का अंत, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10%आरक्षण, कानून बनाकर तीन तलाक पर रोक, सीएए, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण। ऐसे कितने ही काम हैं, जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का नतीजा है। हमारा मिशन अभी भी जारी है।'

**उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्य** नाथ ने पार्टी के झंडे के साथ सेल्फी ली। मध्य प्रदेश में आज 17 नए कार्यालयों का भूमिपूजन किया जा रहा है।

### शाह ने कहा- भाजपा का मंत्र नेशनल फर्स्ट

अमित शाह ने लिखा- भाजपा का मूल मंत्र हमेशा स्पष्ट रहा है, नेशनल फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट। इसी मूल भावना के साथ भाजपा का हर कार्यकर्ता दिन-रात राष्ट्र-सेवा में समर्पित है। भाजपा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के साथ देश को तुष्टीकरण से मुक्त, सुशासन, पारदर्शिता को स्थापित करने का कार्य किया है। आज भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बन चुकी है।

**अब तक भाजपा के 2 प्रधानमंत्री**

भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। लेकिन इसकी नींव 1951 में बने भारतीय जनसंघ के दौरान पड़ी। इसकी स्थापना श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय ने की थी। 1975-77 में इमरजेंसी के बाद जनसंघ समेत कई दल मिलकर जनता पार्टी में शामिल हुए, लेकिन मतभेदों के कारण 1980 में अलग हो गए। इसके बाद भाजपा का गठन हुआ। स्थापना के बाद से बीजेपी के दो प्रधानमंत्री रहे हैं- नरेंद्र मोदी और अटल बिहारी वाजपेयी। 1996, 1998 और 1999 के लोकसभा चुनावों में, पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 के लोकसभा चुनाव में, पार्टी ने 303 सीटें जीतीं, जो पार्टी के इतिहास में सबसे ज्यादा है।

### योगी कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष को याद कर भावुक हुए

गोरखपुर में सीएम योगी ने सोमवार को कहा- प्रदेशभर में जहां कहीं भी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा होगी, उसके ऊपर छत्र लगाया जाएगा। साथ ही सदगुरु रविदास जी और महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। योगी ने कहा- हमारी सरकार ने तय किया है कि 14 अप्रैल को भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब की पावन जयंती पर भाजपा के कार्यकर्ता बूथ स्तर पर बाबा साहब की मूर्तियों के पास एक दिन पहले साफ-सफाई करेंगे। 14 अप्रैल को प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। प्रतिमा जिस पार्क में होगी, उसकी बाउंड्री कराने और सौंदर्यीकरण का काम भी शुरू किया जाएगा। कार्यकर्ता इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और सेल्फी लेकर पार्टी तक पहुंचाएं। योगी ने ये बातें रामलीला मैदान में भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने गोरखपुर में 3 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। गोरखनाथ मंदिर परिसर में भाजपा का झंडा फहराया। साथियों के साथ सेल्फी ली।

# तमिलनाडु में 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजाः 6 साल पहले बाप और बेटे की हिरासत में मौत हुई थी

**चेन्नईः** तमिलनाडु की मदुरै सेशन कोर्ट ने सोमवार को सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई। कोर्ट ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' बताया। कहा कि अत्यधिक बर्बरता और सत्ता के दुरुपयोग का मामला है। कोर्ट ने सभी दोषियों को मृतकों के परिजन को 1 करोड़ 40 लाख रुपए मुआवजा देने को कहा। यह मामला 2020 का है। छह साल तक सुनवाई चली। इस मामले में कुल 10 आरोपी थे। एक की कोविड के दौरान मौत हो गई।

आरोपियों को 23 मार्च 2026 को मदुरै की सेशंस कोर्ट में पेश किया गया था।

दरअसल,19 जून 2020 को पुलिस ने मोबाइल कारोबारी पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) को हिरासत में लिया था। आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन के दौरान दुकान खुली रखी थी। दोनों को सथानकुलम पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहां से न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहां कुछ ही दिनों में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि दोनों के साथ थाने में रातभर मारपीट की गई। उनके शरीर पर गंभीर चोट और खून बहने के निशान थे।

### सीबीआई जांच में हिरासत में पिटाई की पुष्टि हुई

मद्रास हाईकोर्ट के निर्देश पर राज्य की सीबी-सीआईडी से लेकर सीबीआई को सौंपी गई थी। एजेंसी ने एक इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर और अन्य पुलिसकर्मियों समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान एक महिला कांस्टेबल ने बयान दिया कि पिता-पुत्र को पूरी रात पीटा गया था। थाने में टेबल और लाठियों पर खून के निशान थे। यह गवाही मामले में अहम सबूत बनी।

फर्स्ट एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज जी. मुथुकुमारन ने सीबीआई की दलील को माना कि हिरासत में दोनों को योजनाबद्ध तरह से टॉर्चर किया गया। इसलिए अधिकतम सजा दी गई। हालांकि जांच में यह भी सामने आया कि सथानकुलम थाने का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखा गया। रिकॉर्डिंग रोजाना अपने आप डिलीट हो जाती थी, जिससे महत्वपूर्ण सबूत नहीं मिल पाए।

### 9 पुलिसकर्मियों में एक इंस्पेक्टर और एक सब-इंस्पेक्टर

दोषी ठहराए गए पुलिसकर्मियों में इंस्पेक्टर एस. श्रीधर, सब-इंस्पेक्टर पी. रघु गणेश और के. बालकृष्णन, हेड कॉन्स्टेबल एस. मुरुगन और ए. समदुरई है। साथ ही कॉन्स्टेबल एम. मुथुराज, एस. चेल्लादुरई, एक्स. थॉमस फ्रांसिस और एस. वेलुमुथु शामिल हैं। मामले में 10वें आरोपी स्पेशल सब-इंस्पेक्टर पॉलदुरई की ट्रायल के दौरान कोविड से मौत हो गई थी।

# भारत-बांग्लादेश बॉर्डर घुसपैठ, सांप-मगरमच्छ का इस्तेमाल कर सकती है बीएसएफ

### 175 किमी के दलदली इलाके में फेंसिंग मुश्किल

बीएसएफ बांग्लादेश सीमा की पेट्रोलिंग के लिए मगरमच्छों और सांपों का इस्तेमाल कर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 26 मार्च को गृह मंत्रालय ने बीएसएफ मुख्यालय को ऑपरेशनल स्तर पर सरीसृपों (मगरमच्छ और सांप) के इस्तेमाल पर विचार करने का आदेश दिया है। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किमी लंबी सीमा में लगभग 175 किमी हिस्सा नदी और दलदली क्षेत्र में आता है। इन इलाकों में फेंसिंग लगाना मुश्किल होता है। घुसपैठ और तस्करी की घटनाएं होती रहती हैं। सीमा पर 10 सालों में 7 हजार से ज्यादा घुसपैठ हुई।

### सीमा के पास रह रहे लोगों के लिए खतरा और चुनौती

बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल यह सिर्फ एक प्रस्ताव है। इसे लागू नहीं किया गया है। इसमें जानवरों की व्यवस्था से लेकर सीमा के पास रह रहे लोगों की सुरक्षा जैसी कई चुनौतियां है। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के पास घनी आबादी और बाढ़ के हालातों की वजह से ग्रामीणों के लिए जोखिम भी बढ़ सकता है। 17 मार्च को सरकार ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर 3,326 किमी फेंसिंग को मंजूरी दी थी। लगभग करीब 371 किमी हिस्सा अभी भी बाकी है। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, जहां फेंसिंग संभव नहीं है, वहां ड्रोन जैसे तकनीकी उपाय अपनाए जाएंगे।

### लगातार समाने आ रही तस्करी की घटनाएं

जनवरी 2026: बीएसएफ की 32वीं बटालियन ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर, पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के पास एक सोना तस्कर को पकड़ लिया। उसके पास से करीब 1 करोड़ रुपये के सोने के बिस्किट बरामद किए गए।

नवंबर 2025: बीएसएफ की पेट्रोलिंग के दौरान बांग्लादेशी तस्कर को गोली लगी तस्करों ने जवानों पर देसी हथियारों से हमला किया। बाद में वहां से 96 बोतल फेंसिडिल कफ सिरप और 2 बोतल विदेशी शराब बरामद की।

# पश्चिम एशिया संकट के कारण 2026 ज्यादा चुनौतीपूर्णः वित्त मंत्री सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि "विकसित भारत" के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भारत को बाहरी और आंतरिक दोनों तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मॉनसून जैसे फैक्टर अब भी प्रमुख घरेलू चिंता बने हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण मौजूदा वर्ष ज्यादा चुनौतीपूर्ण होने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं।

### पश्चिम एशिया संकट 'सिस्टमिक ट्रेमर'

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सीतारमण ने पश्चिम एशिया के संघर्ष को "सिस्टमिक ट्रेमर" बताया, जो ग्लोबल एनर्जी सप्लाई की अहम धमनियों के लिए खतरा बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और

अस्पष्टता के दौर से गुजर रही है। साथ ही वैश्विक सार्वजनिक ऋण में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कर्ज प्रबंधन के मामले में भारत का प्रदर्शन बेहतर है। कुल ऋण-जीडीपी अनुपात 81 फीसदी है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है।

### भारत के पास मजबूत राजकोषीय क्षमता

उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश राजकोषीय सूझ-बूझ बनाए रखने में विफल रहने के कारण चुनौतियों से निपटने के लिए सीमित राजकोषीय संसाधनों की समस्या का सामना कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि इसके उलट, "भारत के पास राजकोषीय संसाधन हैं। पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को जारी रखने की गुंजाइश है, आरबीआई के पास ब्याज दरें कम करने की गुंजाइश है और प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित सहायता प्रदान करने की क्षमता है। यह एक दशक के राजकोषीय सूझ-बूझ और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राजकोषीय गुंजाइश को देखते हुए ही भारत ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किया और पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती कीमतों से आम आदमी को बचाने के लिए प्रमुख पेट्रोरसायन उत्पादों पर सीमा शुल्क से छूट दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए भारत के पास पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए ब्याज दर में कटौती की गुंजाइश है। रिजर्व बैंक गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति बुधवार को मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगी।

## राहुल गांधी ने एलपीजी संकट को लेकर केंद्र पर साधा निशाना, कहा

**सरकार का रवैया कोरोना महामारी जैसा**

नई दिल्ली(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में तनाव चल रहे है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलपीजी गैस संकट से उसी तरह निपटा है, जैसे उन्होंने कोविड-19 महामारी से निपटा था। उन्होंने आगे कहा कि क्योंकि यह नीति से रहित, केवल बड़ी-बड़ी घोषणाओं से भरा है। इसका पूरा बोझ गरीबों पर डाल दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल उठाया कि हर संकट में सबसे पहले गरीब ही क्यों मरते हैं? वहीं, लोगों से चुप न रहने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स के एक पोस्ट में कहा कि मोदी जी ने कहा था कि हम एलपीजी गैस संकट को उसी तरह संभालेंगे जैसे हमने कोविड को संभाला था। और वास्तव में, उन्होंने ठीक वैसा ही किया। बिल्कुल कोविड की तरह - नीति का अभाव, बड़ी-बड़ी घोषणाओं से भरा हुआ, और सारा बोझ गरीबों पर डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 500-800 रुपये की मजदूरी कमाने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए खाना पकाने की गैस पूरी तरह से महंगी हो गई है। उन्होंने कहा कि रात में घर लौट रहे एक मजदूर के पास चूल्हा जलाने के लिए भी पैसे नहीं होते।

# एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में संग्राम, 60 लाख दावों पर जजों ने लिया फैसला

### मालदा में घेराव के बीच 8 लाख केस सुलझे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से ठीक पहले 'मतदाता सूची' से नाम हटाये जाने के मामले की देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाई हुई. सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आये. निर्वाचन आयोग ने कोर्ट को बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत हटाये गये मतदाताओं के 60 लाख दावों में से करीब 59 लाख का निपटारा सोमवार दोपहर तक ही कर दिया गया.

**मैराथन सुनवाई : जजों ने दिन-रात एक कर सुनाया फैसला**

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की ओर से भेजे गये एक पत्र का हवाला देते हुए न्यायिक अधिकारियों की कार्य की प्रगति की सराहना की. इसमें कहा गया है कि सोमवार दोपहर तक 59 लाख से अधिक दावों और आपत्तियों पर निर्णय लिया जा चुका था.

**ममता बनर्जी के वकील ने ट्रिब्यूनल पर उठाये सवाल**

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में मतदाताओं के दावों के निपटारे की रफ्तार पर संतोष जताया, तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील ने एक गंभीर मुद्दा उठा दिया. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाने के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई के लिए जो 19 विशेष न्यायाधिकरण गठित किये गये थे, वे अभी तक सुचारु रूप से काम शुरू नहीं कर पाये हैं. इससे उन लोगों को परेशानी हो रही है, जो अपने नाम कटने को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ना चाहते हैं. पश्चिम बंगाल में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच मतदाता सूची में 'घुसपैठियों' बनाम 'वैध नागरिकों' के नाम काटने के मुद्दे पर ठन गयी है. SIR प्रक्रिया के तहत लाखों नाम हटाये जाने के बाद पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये थे.

# मेडिकल इमरजेंसी पर भारी पड़ रही महंगाई, 80% भारतीयों के पास इलाज के लिए पर्याप्त बचत नहींः स्टडी

**अदित्य** बिरला सन लाइफ इंश्योरेंस की हालिया स्टडी 'अ-Nishchit Index 2.0' में एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। देश के ज्यादातर घरों में मेडिकल इमरजेंसी के लिए पैसे की तैयारी बेहद कमजोर है। लगभग 80 प्रतिशत परिवारों को लगता है कि उनके पास गंभीर बीमारी जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त बचत नहीं है। साथ ही, 82 प्रतिशत लोग स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती कीमतों से अपनी आर्थिक स्थिरता पर असर पड़ने की चिंता में जी रहे हैं।

ये आंकड़े 3,583 लोगों पर किए गए एक सर्वे से आए हैं, जो देश के 20 शहरों और कस्बों में हुआ। इसके अलावा, 21 लोगों से विस्तार से बातचीत (इंटरव्यू) भी की गई। यह इंडेक्स 11 अलग-अलग पैमानों और 49 तरह के सवालों/राय पर आधारित है, जिसमें भारत का कुल अनिश्चितता स्कोर 79 दर्ज किया गया है।

### स्वास्थ्य से जुड़े जोखिम के संकेत

स्टडी में कई ऐसे संकेत सामने आए हैं जो बताते हैं कि बीमारी से जुड़े खर्च लोगों के लिए बड़ा आर्थिक जोखिम बन रहे हैं। करीब 80% लोगों को भरोसा नहीं है कि उनके पास इमरजेंसी, खासकर गंभीर बीमारी के समय, के लिए पर्याप्त बचत है। वहीं 82% लोग मानते हैं कि इलाज महंगा होता जा रहा है और इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ सकता है।

करीब 79% लोगों को यह भी साफ नहीं है कि उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी गंभीर बीमारियों में कितना कवर देती है। 81% लोगों का मानना है कि प्रदूषण और बढ़ेगा, जिससे आगे चलकर बीमारियां और खर्च दोनों बढ़ सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य भी चिंता का विषय बन रहा है। 81% लोगों ने कहा कि तनाव और मानसिक समस्याएं बढ़ रही हैं, लेकिन करीब 80% लोग फिर भी किसी प्रोफेशनल से मदद लेने से बचते हैं। कुल मिलाकर ये आंकड़े दिखाते हैं कि स्वास्थ्य से जुड़े खर्च का जोखिम काफी बढ़ा है, लेकिन उसके लिए तैयारी अभी भी कमजोर है। स्टडी में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। पहले मेडिकल खर्च को अचानक आने वाला खर्च माना जाता था, लेकिन अब ये रोजमर्रा के खर्च जैसा बनता जा रहा है। प्रदूषण से जुड़ी बीमारियां, तेज गर्मी और मौसमी बीमारियां बार-बार हो रही हैं, जिससे इलाज, जांच और दवाइयों पर लगातार पैसा खर्च करना पड़ रहा है।

अब पर्यावरण और मौसम से जुड़े कारण देश की चिंताओं में दूसरे नंबर पर आ गए हैं, जिसकी वजह से कुल अनिश्चितता स्कोर 79 तक पहुंच गया है। ऐसे में परिवार अब हेल्थ खर्च को बजट का एक जरूरी और नियमित हिस्सा मानने लगे हैं, न कि कोई अचानक आने वाला खर्च। इंश्योरेंस को लेकर जागरूकता अभी भी कम है। लोग चिंतित तो हैं, लेकिन तैयारी उतनी मजबूत नहीं है। करीब 79% लोगों को अपनी पॉलिसी के कवरेज के बारे में साफ जानकारी नहीं है, खासकर कैंसर या सांस से जुड़ी पुरानी बीमारियों के इलाज के मामले में। लंबे इलाज, पॉलिसी की शर्तें, एक्सक्लूजन और लिमिट (कैप) की सही जानकारी न होने से जोखिम और बढ़ जाता है।

### अलग-अलग हिस्सों में अलग तस्वीरें

देश के अलग-अलग हिस्सों में यह समस्या अलग-अलग तरह से दिख रही है। उत्तर भारत में मौसम से जुड़ी बीमारियां और रोजमर्रा की जिंदगी पर असर ज्यादा देखने को मिल रहा है। पूर्वी भारत में बुजुर्गों की देखभाल और उससे जुड़े खर्च लोगों की बड़ी चिंता है। दक्षिण भारत में ज्यादा गर्मी के चलते मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां बढ़ रही हैं, जबकि पश्चिम के बड़े शहरों में प्रदूषण और गर्मी का असर सेहत के साथ-साथ काम करने की क्षमता पर भी पड़ रहा है।

# पायलट को पकड़ने बढ़ रही सेना, अमेरिकी कमांडो ने वक्त से पहले पहुंचकर निकाला
# ईरान में लापता अमेरिकी पायलट 7000 फीट की पहाड़ी पर चढ़कर छिपा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान में ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी फाइटर जेट एफ15 ई स्ट्राइक ईगल में पायलट सवाल था। तभी ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम के रडार में आने के बाद ईरानी मिसाइल का शिकार हो गया, लेकिन गनीमत यह रही कि पायलट और उसके सहयोगी फाइटर जेट के क्रैश होने से पहले ही पैराशूट से नीचे कूद गए। इस दौरान अमेरिकी सैनिकों ने फाइटर जेट के मेन पायलट का तो रेस्क्यू कर लिया लेकिन उसका सहयोगी वेपन सिस्टम ऑफिसर लापता हो गया। काफी मशक्कत के बाद शनिवार रात को अमेरिकी सेना ने उसे भी रेस्क्यू कर लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ऑपरेशन बहुत खतरनाक था, जिसे अमेरिकी सेना ने अंजाम दिया। एक तरफ जहां इस मिशन में अमेरिका और इजराइल के एलट कमांडो फोर्स, स्पेशल ऑपरेशन विमानों और हेलीकॉप्टर्स को लगाया गया तो वहीं दूसरी तरफ पायलट का सहयोगी दुश्मन से घिरकर जिंदगी और मौत के बीच खड़ा था। हालांकि अमेरिकी सैनिकों ने अपने इस ऑफिसर को खतरनाक ऑपरेशन के बाद आखिरकार ईरान की जमीन से बचा लिया। अब इस ऑफिसर ने ईरान में दुश्मनों और मौत के बीच गुजारे अपने 24 घंटे के बारे में बताया। जिससे पता चला कि कैसे ईरानी मिसाइल का शिकार होने के बाद लापता हुए इस पायलट ने दुश्मनों को चकमा देकर खुद की जान बचाई।

दरअसल ईरान की सेना ने अमेरिका के एक एफ1-15 ई स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट को मार गिराया। इस फाइटर जेट में एक पायलट था और एक वेपन सिस्टम ऑफिसर। फाइटर

जेट क्रैश होते ही किसी तरह से अमेरिका के इन दोनों सैनिकों ने खुद को इस विमान से इजेक्ट किया और उसके बाद पैराशूट की मदद से ईरान के पहाड़ों में जा गिरे। ईरान की सेना दोनों अमेरिकी सैनिकों को जिंदा पकड़ना चाहती थी। इसीलिए ईरान की सेना ने लोगों से भी मदद करने को कहा। ईरान की सेना ने सैनिकों को जिंदा पकड़ने के लिए 60 हजार अमेरिकी डॉलर से भी ज्यादा का इनाम घोषित किया था।

ईरान की सेना और लोग धीरे-धीरे इन सैनिकों के पास पहुंच रहे थे यानी अमेरिका के पास रेस्क्यू के लिए बहुत कम समय था, लेकिन अमेरिका ने आखिरी वक्त में अपने इन दोनों सैनिकों को बचा लिया। रिपोर्ट के मुताबिक यह वेपन सिस्टम ऑफिसर पहाड़ की दरार में छिपते हुए लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा ताकि ईरान की उन सर्च टीमों को चकमा दिया जा सके जो उसकी जगह के बेहद करीब पहुंच रही थी। इस दौरान अमेरिकी पायलट एक जगह समुद्र तल से लगभग 7000 फीट ऊंची पहाड़ी चोटी पर चढ़कर छिप गया ताकि उसके बचने और बचाए जाने की संभावना बढ़ सके। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक अमेरिकी पायलट की हर हरकत और रियल टाइम पर नजर रखी जा रही थी। अधिकारी लगातार खतरे को भांपते रहे और पायलट को सुरक्षित निकालने के लिए सही वक्त का इंतजार करते रहे। ईरान में फंसा एयरमैन कभी भी पूरी तरह से रडार की पहुंच से बाहर नहीं हुआ। क्योंकि उसके पास मौजूद बीकेन की मदद से अमेरिकी सेना उस पर लगातार नजर बनाए हुए थी। भले ही ईरानी सैनिक उसके करीब पहुंच रहे थे लेकिन अमेरिकी सैनिकों को इस बात का पूरा यकीन था कि वह वक्त से पहले अपने साथी को सही सलामत वहां से निकाल लेंगे और ऐसा हुआ भी।

अमेरिकी सैनिकों ने इस कठिन ऑपरेशन को अंजाम देकर अपने सहयोगी को ईरान से बाहर निकाल ही लिया। ट्रंप ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया। जिसमें सैकड़ों अमेरिकी कमांडो शामिल थे। बता दें ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी को शुरू हुई यह जंग अब तक जारी है और यह जंग और भी ज्यादा घातक हो सकती है क्योंकि ईरान ने मिडिल ईस्ट में मौजूद कई अमेरिकी सेना ठिकानों को तबाह कर दिया है। इसके साथ ही ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोस को भी बंद कर दिया, जिसके बाद से दुनिया भर में तेल और गैस के लिए हाहाकार मचा है और अमेरिका लगातार ईरान को अल्टीमेटम दे रहा है कि अगर उसने स्टेट ऑफ हॉर्मोस नहीं खोला तो ईरान में वो पहले से भी ज्यादा तबाही मचाएगा लेकिन ट्रंप की धमकी के बावजूद ईरान भी लगातार इजराइल और अमेरिका के ठिकानों पर लगातार मिसाइलें और ड्रोन से हमले कर तबाही मचा रहा है।

### ईरान में फंसे पायलट की आवाज सुनकर क्यों डर गया था अमेरिका? ट्रंप ने बताया

ईरान में गिराए गए अमेरिकी एफ-15 फाइटर जेट के क्रू मेंबर को बचाने के ऑपरेशन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इस पूरे मिशन के दौरान अमेरिका को डर था कि ईरान जाल बिछाकर अमेरिकी सेना को फंसाने की कोशिश में है। यह ऑपरेशन सिर्फ एक सामान्य रेस्क्यू मिशन नहीं, बल्कि आधुनिक युद्ध के सबसे जोखिम भरे और जटिल अभियानों में से एक था, जिसमें तकनीक, खुफिया जानकारी और जमीनी लड़ाई तीनों का बड़ा रोल रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि जेट गिरने के बाद पायलट ने रेडियो पर सबसे पहला मैसेज भेजा भगवान अच्छा है......यह सुनकर शुरुआत में अमेरिकी अधिकारियों को शक हुआ। उन्हें लगा कि कहीं यह संदेश ईरान की ओर से भेजा गया फर्जी सिग्नल नहीं, इससे अमेरिकी रेस्क्यू टीम को जाल में फंसाया जा सके। कुछ समय तक यह आशंका रही कि पायलट शायद ईरानी कब्जे में है और उसकी लोकेशन के नाम पर गलत जानकारी दी जा रही है। हालांकि बाद में पुष्टि हुई कि पायलट जिंदा है और यह संदेश अपनी धार्मिक आस्था के चलते भेजा था। इस बीच पायलट ने ईरान के पहाड़ी इलाके में खुद को छिपाकर रखा। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह घायल था और अमेरिकी सैनिक ने एक संकरी चट्टानी दरार में छिपकर अपनी जान बचाई। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सैनिक को पकड़ने के लिए ईरानी सैनिकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी लगाया गया था और इनाम की घोषणा की गई थी। इसके बाद पायलट के लिए हर पल खतरा बना हुआ था। अमेरिकी सेना ने सैटेलाइट, सर्विलांस सिस्टम और 'बीपिंग सिग्नल' के जरिए उसकी लोकेशन ट्रैक की, लेकिन जमीन पर स्थिति बेहद जटिल थी क्योंकि इलाके में सैकड़ों आईआरजीसी सैनिक सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि पहले चरण में एक पायलट को दिन के उजाले में भारी गोलीबारी के बीच निकाल लिया गया। इस मिशन को अमेरिकी अधिकारी ने 'बोल्ड एंड क्विक स्नैच' ऑपरेशन बताया। दूसरा और ज्यादा खतरनाक ऑपरेशन रात में किया गया। इसके लिए अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज ने ईरान के अंदर ही एक अस्थायी बेस बनाया। करीब 200 कमांडो इस मिशन में शामिल थे। दोनों क्रू मेंबर अलग-अलग जगह गिरे थे, जिससे ऑपरेशन और मुश्किल हो गया। ट्रंप ने कहा कि एफ-15 जेट को कंधे पर रखकर दागी गई मिसाइल से गिराया गया और उन्होंने 'किस्मत' बताया। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम से यह संकेत मिलता है कि ईरान अब सीधे टकराव के बजाय 'ट्रैप और भ्रम' की रणनीति अपना रहा है, यानी दुश्मन को गलत सूचना देकर फंसाने की कोशिश।

ट्रंप के मुताबिक इस ऑपरेशन में इजरायल ने 'थोड़ी मदद' की। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इजरायल ने पायलट की सटीक लोकेशन नहीं दी, लेकिन इलाके की स्थिति को लेकर खुफिया जानकारी साझा की। इसके अलावा इजरायली वायुसेना ने एक स्ट्राइक कर ईरानी बलों को उस क्षेत्र तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की, जिससे अमेरिकी ऑपरेशन को समय मिला।

## क्या पुतिन के सामने सरेंडर करेंगे जेलेंस्की, चार साल से चल रही जंग होगी खत्म!

मास्को,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जंग अभी जारी है इसी बीच दुनिया की दूसरी बड़ी जंग यानी रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर अब एक ऐसा बयान सामने आ गया है जिसने इस वक्त पूरी दुनिया को हिला के रख दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने संकेत दिए हैं कि वह पुतिन से मिलने के लिए तैयार हैं। बता दें यह एक बयान नहीं बल्कि एक ऐसा कदम है जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप समेत पूरी दुनिया के बड़े नेताओं को भी हैरान कर दिया है। बता दें 4 साल से चल रही इस जंग में दोनों नेता यानी जेलेंस्की और पुतिन कभी भी आमने-सामने नहीं बैठे। तो आखिरकार अचानक ऐसा क्या बदल गया? क्या अब जंग खत्म होने की ओर बढ़ रही है? बता दें रूस-यूक्रेन

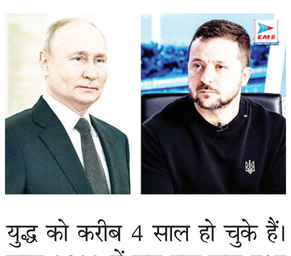

युद्ध को करीब 4 साल हो चुके हैं। साल 2022 में जब युद्ध शुरू हुआ तब से लेकर आज तक लाखों लोग प्रभावित हुए। हजारों सैनिक मारे गए और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर पड़ा। सबसे अहम बात यह है कि इन चार सालों में पुतिन और जेलेंस्की की एक भी बार आमने-सामने मुलाकात नहीं हुई है। दोनों नेताओं की आखिरी जो मुलाकात हुई थी वो साल 2019 में पेरिस में हुई थी। युद्ध शुरू होने से पहले अब हालात बदलते हुए नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2 महीने पहले भी रशिया ने जेलेंस्की को मॉस्को आने का न्योता दिया था। बैठक करने के लिए बातचीत कही गई थी और अब जेलेंस्की ने जो कहा है उसने सभी को चौका दिया है। उन्होंने यह कहा कि अगर शांति का कोई भी मौका मिले तो मैं पुतिन से मिलने के लिए तैयार हूं। मैं सीधी बातचीत से पीछे नहीं हटूंगा क्योंकि यह जंग अब लोगों की जिंदगी का सवाल बन चुकी है। जरूरत पड़ी तो मैं मॉस्को जाने के लिए भी तैयार हूं। यही वो बयान है जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पश्चिमी देशों को चौंका दिया, क्योंकि अब तक यूक्रेन का रुख बेहद सख्त था।

ब्रिटेन में ईस्टर मैटिंस सर्विस में शामिल होकर बाहर निकलते हुए प्रिंस लुईस, प्रिंस विलयम, प्रिंसेस ऑल वेल्स केट।

## होर्मुज में बिछे मौत के जाल को काटने उतरेगी ब्रिटेन की रॉयल नेवी, पानी में उतरेंगे कमांडो

लंदन,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया के होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते सैन्य तनाव और समुद्री सुरक्षा पर मंडराते खतरों के बीच ब्रिटेन ने एक बड़ा रक्षात्मक कदम उठाया है। रॉयल नेवी ने अपनी सबसे घातक और विशेषज्ञ ईकाई, डाइविंग एंड थ्रेट एक्सप्लॉइटेशन ग्रुप को हाई अलर्ट पर रखा है। इस विशेष टीम का मुख्य उद्देश्य ईरान द्वारा समुद्र के भीतर बिछाई गई संभावित बारूदी सुरंगों (माइंस) को खोजना और उन्हें निष्क्रिय करना है। इस मिशन को दुनिया के सबसे जोखिम भरे सैन्य ऑपरेशनों में से एक माना जा रहा है, क्योंकि ये गोताखोर शून्य दृश्यता और गहरे पानी की खतरनाक परिस्थितियों में विस्फोटकों के साथ काम करते हैं।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, कमांडो नाव, पैराशूट या मिनी-सबमरीन के जरिए लक्षित क्षेत्र तक पहुँचने में सक्षम हैं। ये मिनी-सबमरीन लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में ऑपरेट कर सकती हैं और अत्याधुनिक एस्ट्यूट क्लास पनडुब्बियों के साथ मिलकर काम करती हैं। इन गोताखोरों को न केवल बम निरोधक कार्यों में महारत हासिल है, बल्कि उन्हें काउंटर-टेरर ऑपरेशनों के लिए स्पेशल बोट सर्विस के साथ तालमेल बिठाने का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री माइंस का खतरा वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत गंभीर है।

अनुमान है कि ईरान के पास लगभग 5,000 समुद्री माइंस का भंडार है, जो जहाजों के संपर्क में आने, चुंबकीय खिंचाव या ध्वनि संकेतों के माध्यम से विस्फोट कर सकती हैं। इनमें से कुछ माइंस समुद्र तल पर टिकी होती हैं, जो ऊपर से गुजरने वाले जहाज पर रॉकेट की तरह हमला करती हैं, जबकि कुछ सतह के ठीक नीचे तैरती रहती हैं। सबसे घातक वे माइंस हैं जिन्हें बिछाने के कई दिनों बाद सक्रिय किया जाता है, जिससे उनके स्थान का पता लगाना लगभग असंभव हो जाता है। होर्मुज का यह समुद्री मार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है, जहाँ से दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति गुजरती है। वर्तमान संघर्ष के कारण यहाँ सैकड़ों मालवाहक जहाज फंसे हुए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा हो गई है। यदि माइंस के कारण यह रास्ता पूरी तरह बंद होता है, तो वैश्विक तेल संकट गहरा सकता है।

### ब्रह्मोस प्रोजेक्ट के प्रमुख अलेक्जेंडर लियोनोव का निधन

मास्को,(ईएमएस)। रूस के प्रमुख मिसाइल विशेषज्ञ और ब्रह्मोस मिसाइल प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिक अलेक्जेंडर लियोनोव का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। लियोनोव को उन्नत मिसाइल तकनीक और रक्षा प्रणाली के विकास में उनके योगदान के लिए व्यापक रूप से जाना जाता था। अलेक्जेंडर लियोनोव एनपीओ माशिनोस्ट्रोएनिया (एनपोमाश) के सीईओ और चीफ डिजाइनर थे। यह संगठन भारत-रूस की साझेदारी में ब्रह्मोस एयरोस्पेस का प्रमुख सहयोगी रहा है। लियोनोव ने ब्रह्मोस मिसाइल के डिजाइन और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लियोनोव ने रूस के कई उन्नत मिसाइल प्रोजेक्ट्स में योगदान दिया। उन्होंने जिरकॉन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल सहित कई हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइल प्रणालियों के विकास में काम किया। इसके अलावा उन्होंने ग्रेनिट, वल्कन और बास्टियन जैसे मिसाइल और कोस्टल डिफेंस सिस्टम्स के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाई।

## नेतन्याहू के सामने नई मुसीबत, ईरान जंग के बीच पाताल लोक से बाहर निकला हमास

गाजा सिटी,(ईएमएस)। इजरायल के उन दावों को बड़ा झटका लगा है जिनमें हमास की शक्ति को पूरी तरह समाप्त करने की बात कही गई थी। हमास के सशस्त्र विंग इज्जुद्दीन अल-कसम ब्रिगेड्स के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने एक टेलीविजन बयान जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि संगठन हथियार डालने की किसी भी शर्त को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 20 सूत्रीय शांति योजना में शामिल निशस्त्रीकरण की शर्त को सीधे तौर पर खारिज करते हुए इसे फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ नरसंहार जारी रखने की एक खतरनाक साजिश करार दिया है।

ओबैदा ने जोर देकर कहा कि जब तक इजरायल गाजा पट्टी से अपनी सेना पूरी तरह वापस नहीं बुलाता, तब तक हथियारों के मुद्दे पर कोई चर्चा संभव नहीं है। उन्होंने मध्यस्थ देशों से अपील की कि वे पहले शांति योजना के उस चरण को लागू करवाएं जिसमें इजरायल की पूर्ण वापसी का प्रावधान है। हमास का यह कड़ा रुख ऐसे समय में सामने आया है जब इजरायल और अमेरिका लगातार यह प्रचार कर रहे थे कि हमास की सैन्य क्षमता और कमान पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। करीब 30 महीनों से जारी इस भीषण युद्ध के बावजूद हमास का यह बयान दर्शाता है कि संगठन अभी भी सक्रिय है और

अपनी शर्तों पर कायम है।

अबू ओबैदा ने अपने संबोधन में गाजा में हुए मानवीय नुकसान का भी जिक्र किया। आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 से अब तक इजरायली हमलों में 72,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं और पौने दो लाख के करीब घायल हुए हैं। हमास प्रवक्ता ने हाल के सीजफायर के दौरान भी हुए हमलों और इजरायल द्वारा फिलिस्तीनियों के लिए लाए गए मृत्युदंड के नए कानून की कड़ी निंदा की। उन्होंने वेस्ट बैंक के लोगों से इजरायली जेलों में बंद कैदियों को आजाद कराने के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। क्षेत्रीय समीकरणों पर बात करते हुए ओबैदा ने ईरान, लेबनान और यमन के हूती विद्रोहियों के समर्थन की सराहना की। उन्होंने ईरान और लेबनान पर हुए हालिया हमलों को अमेरिकी साजिश का हिस्सा बताया। हमास के इस ताजा रुख ने ट्रंप प्रशासन की शांति योजना के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

## ईस्टर पर ट्रंप ने किया गालीभरा पोस्ट, सांसद करना चाहते हैं ट्रंप की सनक का इलाज

### 25वें संशोधन की धारा 4 लागू करने की मांग, वेंस को मिल सकती है राष्ट्रपति की कुर्सी!

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईस्टर के मौके पर सोशल मीडिया पर गुस्सैल और गाली भरा पोस्ट लिखा कि पूरी दुनिया हैरान रह गई। इसमें ट्रंप ने ईरान को खुलकर धमकी दी और उसमें इतनी अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया कि अब कांग्रेस में 25वें संशोधन की धारा 4 लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। ये धारा ही अब ट्रंप की सनक का सही इलाज करेगी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- 'मंगलवार ईरान में पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा। जैसा कुछ पहले कभी नहीं देखा गया!!! हॉर्मुज

खोल दो, पागल, वरना तुम नर्क में रहोगे बस देखते रहो!

यह पोस्ट ईस्टर सुबह 8 बजे के करीब पोस्ट किया गया, इसमें ट्रंप ने ईरान को हॉर्मुज न खोलने पर पावर प्लांट और ब्रिज तबाह करने की धमकी दी थी लेकिन भाषा बेहद गंदी थी। मिडिल ईस्ट युद्ध के बीच यह पोस्ट और भी संवेदनशील माना जा रहा है। ऐसे में डेमोक्रेट्स ने 25वें संशोधन की मांग की। डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी ने एक्स पर लिखा कि अगर मैं ट्रंप की कैबिनेट में होता तो ईस्टर पर संवैधानिक वकीलों से 25वें संशोधन के बारे में बात करता। यह पूरी तरह से पागलपन है। एमएसएनबीसी के पूर्व होस्ट मेहदी हसन ने पोस्ट की तस्वीर शेयर करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति और कैबिनेट को तुरंत 25वें संशोधन की धारा 4 लागू करनी चाहिए। यह अमेरिकी संविधान का एक अहम प्रावधान है, जो 1967 में राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी की हत्या के बाद पास किया गया था। इसका मकसद होता है अगर राष्ट्रपति मर जाए, इस्तीफा दे दे, हटा दिया जाए या अक्षम हो जाए तो उपराष्ट्रपति को सत्ता सौंपने की प्रक्रिया तय करना। इसमें कुल चार धाराएं, जिसमें से चौथी धारा को मौजूद वक्त में लागू करने की मांग हो रही है। जानकारी के मुताबिक धारा-1 में अगर राष्ट्रपति मर जाए, इस्तीफा दे दे या हटा दिया जाए तो उपराष्ट्रपति पूर्ण राष्ट्रपति बन जाता है। धारा-2 में अगर उपराष्ट्रपति का पद खाली हो तो राष्ट्रपति नया नाम प्रस्तावित करता है, जिसे कांग्रेस की मंजूरी चाहिए होती है। धारा-3 में अगर राष्ट्रपति खुद को अस्थायी रूप से अक्षम महसूस करे तो वह उपराष्ट्रपति को अस्थायी रूप से सत्ता सौंप सकता है। धारा-4 सबसे अहम है क्योंकि इसमें उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के बहुमत को अधिकार है कि वे लिखित रूप से घोषणा करें कि राष्ट्रपति अपने कर्तव्यों को निभाने में असमर्थ हैं। इसके बाद उपराष्ट्रपति तुरंत एक्टिंग राष्ट्रपति बन जाता है। अगर राष्ट्रपति कहे कि वह ठीक है तो 4 दिन में कैबिनेट और उपराष्ट्रपति को कांग्रेस में दो-तिहाई बहुमत से साबित करना पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के कई सांसद और नेता कह रहे हैं कि ट्रंप का ईरान युद्ध को लेकर बार-बार शब्द बदलना, रणनीति बदलना और यह गाली भरा पोस्ट लिखना, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठाता है। ईरान युद्ध में हजारों मौतें हो चुकी हैं और ट्रंप लगातार पूर्ण हवाई नियंत्रण का दावा करते हैं, लेकिन ईरानी हमले खत्म नहीं हो रहे हैं। ऐसे में लोग चिंतित हैं कि राष्ट्रपति का यह व्यवहार देश और दुनिया के लिए खतरा बन सकता है। ऐसे में मांग उठ रही है कि कैबिनेट या उपराष्ट्रपति को कोई कदम उठाना चाहिए। इसी बीच रिपब्लिकन सांसदों के बीच भी ट्रंप की नीतियों से असहमति के सुर उठ रहे हैं।

## संघर्ष रोकने पाकिस्तान-अफगानिस्तान में बातचीत शुरु, चीन कर रहा मध्यस्थता

बीजिंग,(ईएमएस)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्ष के बाद अब दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू हो गई है। चीन की मध्यस्थता में हो रही इस बातचीत में पाकिस्तान ने तालिबान के सामने तीन मांगें रखीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को आतंकी संगठन घोषित करने, उसके पूरे नेटवर्क को खत्म करने और कार्रवाई के ठोस सबूत देने की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान सरकार का कहना है कि उसकी सबसे बड़ी चिंता अफगानिस्तान की जमीन से संचालित आतंकी गतिविधियां हैं। इसी वजह से बातचीत को फिलहाल आतंकवाद और सीमा सुरक्षा तक सीमित रखा गया है। इस वार्ता में चीन अहम भूमिका निभा रहा है और दोनों पक्षों को एक साझा फ्रेमवर्क पर लाने की कोशिश कर रहा है। चीन ने पांच पॉइंट का फ्रेमवर्क तैयार किया है। इसमें सीजफायर, आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई, आतंकी ठिकानों का खात्मा, सुरक्षित व्यापार मार्ग और औपचारिक बातचीत की व्यवस्था जैसे मुद्दे शामिल हैं।

## भारत विरोधी नारेबाजी करने 100 कनाडाई डॉलर देकर भीड़ लेकर आए खालिस्तान समर्थक

टोरंटो,(ईएमएस)। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में 5 मार्च को त्रिवेणी मंदिर के बाहर खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लगाए, जिससे शहर में करीब दो घंटे तक तनावपूर्ण माहौल बना। मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना में व्यस्त थे, तभी दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर इकट्ठा होना शुरू किया। पुलिस ने हिंसक घटना रोकने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, करीब 40–50 लोग सड़क किनारे गए मेटल बैरिकेड्स के पीछे खड़े होकर पीले खालिस्तानी झंडे लहरा रहे थे। प्रदर्शनकारियों के हाथ में विवादित पोस्टर और "वांटेड" पर्चियां भी थीं। खालिस्तानियों ने नारे लगाकर हरियाणा-दिल्ली और बीकानेर पर अपना हक जताया। इसी तरह का एक प्रदर्शन ब्रिटिश कोलंबिया के सरे स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर के बाहर प्रस्तावित था, लेकिन वहां खालिस्तानियों को प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं मिली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फ्रीलांस पत्रकार ने दावा किया कि इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को 100 कनाडाई डॉलर दिए गए थे। इस दावे के अनुसार, खालिस्तान समर्थक आंदोलन को जीवित दिखाने के लिए भाड़े की भीड़ का सहारा लिया। यह खुलासा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और प्रदर्शनों की वैधता पर सवाल खड़े कर दिए। आलोचकों का कहना है कि कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन को बढ़ावा देने के पीछे राजनीतिक संरक्षण और वोट-डोनेशन का खेल है। महाराजा ने कटाक्ष करते हुए बताया कि पिछले 50 वर्षों में नेताओं ने ऐसे तत्वों को संरक्षण दिया, जिससे आज ये लोग बेलगाम हो गए हैं। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि खालिस्तान समर्थकों की सक्रियता केवल वास्तविक जन समर्थन पर आधारित नहीं, बल्कि व्यवस्थित रूप से भीड़ जुटाने और मीडिया दिखावे पर भी निर्भर है। ब्रैम्पटन घटना ने कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन, मंदिर सुरक्षा और राजनीतिक संरक्षण जैसे मसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

## अमेरिका ने तेहरान की यूनिवर्सिटी पर किया हमला, 13 आम नागरिकों की मौत

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान के साथ इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध में सोमवार को हवाई हमलों में तेहरान की एक यूनिवर्सिटी पर हमला किया गया। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में स्थित शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पर हुए हवाई हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है। हमले के कारण रात भर धमाकों की गूंज सुनाई देती रही। घंटों तक, रुक-रुककर, नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाज़ें सुनाई दीं। इसके साथ ही कैंपस के पास मौजूद एक प्राकृतिक गैस वितरण केंद्र को भी नुकसान पहुंचा है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यूनिवर्सिटी परिसर में किस चीज को निशाना बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूनिवर्सिटी में अभी कोई छात्र मौजूद नहीं है, क्योंकि युद्ध के चलते देश के सभी स्कूलों में ऑनलाइन क्लासें चल रही हैं। इसके अलावा कुछ मीडिया रिपोर्ट की माने तो इस यूनिवर्सिटी पर हथियारों से जुड़े काम करने का आरोप लगाया गया है। खासकर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में इसकी भूमिका को लेकर संदेह है। जो कि ईरान का अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड नियंत्रित करता है। वहीं, पिछले कुछ सालों में कई देशों ने इस यूनिवर्सिटी पर सेना के साथ मिलकर काम करने के आरोप में प्रतिबंध भी लगाए हैं। इसके अलावा एक ऑनलाइन संदेश में बताया कि कोम के एक रिहायशी इलाके में हुए हवाई हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। कोम, तेहरान के ठीक दक्षिण में स्थित शिया समुदाय का एक पवित्र धार्मिक शहर है।

## व्हाइट हाउस के बाहर फायरिंग से हड़कंपः सुरक्षा घेरे में बड़ी सेंध के बाद अमेरिका में हाई अलर्ट

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी का सबसे सुरक्षित माना जाने वाला इलाका रविवार को उस वक्त गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा, जब राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस के ठीक सामने स्थित लाफायेट पार्क के पास फायरिंग की घटना हुई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका ईरान के साथ युद्ध की स्थिति में है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंताएं कई गुना बढ़ गई हैं। हालांकि, इस गोलाबारी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन हमलावर फायरिंग के बाद मौके से फरार होने में कामयाब रहा। सीक्रेट सर्विस और स्थानीय पुलिस अब संदिग्ध व्यक्ति और उसके वाहन की तलाश में जुटी है।

यह मामला इसलिए भी बेहद संवेदनशील हो गया है क्योंकि जिस वक्त फायरिंग हुई, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के भीतर ही मौजूद थे। वे सप्ताहांत की छुट्टियों के कारण वहीं रुके हुए थे। घटना के तुरंत बाद व्हाइट हाउस के आसपास के पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया और सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है। हालांकि, आधिकारिक कामकाज जारी रखने की अनुमति दी गई है, लेकिन जांच एजेंसियां इस चूक को हल्के में नहीं ले रही हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका के हाई-प्रोफाइल इलाकों में सुरक्षा उल्लंघन की यह दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले फ्लोरिडा में एक संदिग्ध विमान के दिखने पर एफ-16 फाइटर जेट्स को अलर्ट पर भेजा गया था। इतना ही नहीं, 19 मार्च को अमेरिकी सैन्य ठिकानों और उन रिहायशी इलाकों के ऊपर अज्ञात ड्रोन मंडराते देखे गए थे, जहां विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री जैसे वरिष्ठ अधिकारी रहते हैं। इन घटनाओं के बाद मैकडेडिल एयर फ़ोर्स बेस और जॉइंट बेस मैकगायर-डिक्स-लेकहर्स्ट पर सुरक्षा स्तर को चार्ली कर दिया गया है, जो किसी संभावित हमले का स्पष्ट संकेत माना जाता है।

## ईरान ने रूस और भारत के अलावा कई देशों से की बात, आने वाले खतरों से कराया अवगत?

तेहरान,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका-इजरायल के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच ईरान ने कूटनीतिक सक्रियता तेज कर दी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने रविवार को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अलावा अन्य देशों के साथ टेलीफोन पर महत्वपूर्ण बातचीत की। इन वार्ताओं का मुख्य केंद्र क्षेत्र की अस्थिरता, सुरक्षा चुनौतियां और ईरान के बुनियादी ढांचों पर हो रहे हमले रहे। ईरानी विदेश मंत्रालय द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, अरागची ने दोनों वैश्विक शक्तियों को अवगत कराया कि पिछले 37 दिनों के भीतर अमेरिका और इजरायल ने ईरान के औद्योगिक केंद्रों, अस्पतालों, स्कूलों और परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया है। उन्होंने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रभावशाली सदस्य देशों से जिम्मेदारी निभाने की अपील की। अरागची ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि इन हमलों को नहीं रोका गया, तो इसका प्रभाव न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया की सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान की सेना और जनता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बातचीत के दौरान रिहायशी इलाकों और नागरिक ठिकानों पर हो रहे हमलों को गैरकानूनी करार दिया।

# तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

### सीएसके के लिए प्लेऑफ की राह अभी खुली हुई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में लगातार तीसरी

हार मिली है। यह इस टूर्नामेंट में दूसरा अवसर है, जब सीएसके ने शुरुआत के तीन मैच हारी है। इससे पहले साल 2022 में सीएसके ने शुरुआती चार मुकाबले खो दिए थे जिससे अब ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या टीम अब भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर सकती है ? तो इसका जवाब है हां। लगातार तीन हार से सीएसके अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गयी है पर इसके बाद भी उसके प्लेऑफ में पहुंचने के रास्ते खुल हुए हैं।

प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अभी सीएसके के सामने कोई बाधा नहीं है। न ही ऐसा है कि उसे दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़े। उस इसके लिए केवल आगे के बचे हुए 11 में से 8 मैच जीतने होंगे क्योंकि शीर्ष-4 में सीधे जगह बनाने के लिए किसी भी टीम को कम से कम 16 अंकों की जरूरत होती है और इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सीएसके को बचे हुए 11 मैचों में से 8 मैच हर हाल में जीतने होंगे। लगातार तीन हार से चेन्नई का नेट रन रेट -2.517 भी सबसे खराब हो गया है। ऐसे में अगर टूर्नामेंट के अंत में शीर्ष-4 की एसी स्थिति बनती है कि सीएसके के अंक किसी दूसरी टीम के बराबर होते हैं, तो कम रन रेट के कारण सीएसके को बाहर होना पड़ेगा। ऐसे में सीएसके को बड़े अंतर से जीत हासिल कर रन रेट भी बेहतर करना होगा। सीएसके का अगला मुकाबला 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा और इस मैच से जीतकर वह वापसी करना चाहेगी।

### आईपीएल में लगातार हार से सीएसके की रणनीति पर उठे सवाल

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लगातार तीसरे मैच में मिली हार से निराशा हुई है। इससे जहां सीएसके के लीग से बाहर होने की संभावना बढ़ गयी है। वहीं उसकी रणनीति पर भी सवाल उठने लगे हैं। इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सीएसके ने युवा प्रशांत वीर सहित कुछ यूवाओं को काफी बड़ी कीमत देकर खरीदा था पर किसी को भी अधिक अवसर नहीं मिले। ऐसे में सवाल उठे हैं कि अधिक कीमत देकर इन खिलाड़ियों को किस कारण से खरीदा गया। प्रशांत ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेला पर उन्हें एक भी ओवर नहीं मिला। इसी प्रकार अन्य युवाओं को भी काफी कम अवसर मिले। वहीं अब लगातार हार से सीएसके की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे खिसक गयी है। तो सवाल उठ रहे हैं कि ऑलराउंडर से केवल बल्लेबाजी ही क्यों कराई जा रही है। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने डेब्यू किया और गेंदबाजी नहीं की। वहीं आरसीबी के खिलाफ भी उन्हें गेंदबाजी नहीं दी गयी। इससे साफ है कि सीएसके ने प्रशांत को 14 करोड़ से अधिक की राशि देकर गलती की। वह इसकी जगह पर किसी एक गेंदबाज को ले सकती थी।

### सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी।

सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया।

सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

## धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेल हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

## गोल्फर स्पॉन ने टेक्सास ओपन जीता

टेक्सास (ईएमएस)। अमेरिकी गोल्फर जेजे स्पॉन ने बेल्वरों टेक्सास ओपन गोल्फ खिताब जीता है। स्पॉन ने फाइनल राउंड में 5-अंडर 67 का स्कोर करते हुए एक शॉट से जीत हासिल की। टूर्नामेंट के अंतिम दौर में 16वें होल पर स्पॉन ने शानदार बर्डी के बाद 17वें होल पर अपने बेहतरीन शॉट के साथ ही ईगल बनाकर बढ़त दर्ज की। वहीं 18वें होल पर पार बनाकर उन्होंने कुल 17-अंडर 271 स्कोर के साथ लक्ष्य हासिल कर लिया। नंबर एक स्थान पर रहे स्पॉन का मनोबल इस सफलता से द मास्टर्स से पहले बढ़ा है। इस टूर्नामेंट में रॉबर्ट मैकइंटायरी दूसरे नंबर पर रहे। 17वें होल पर मैकइंटायरी ने ईगल बनाकर स्पॉन को कड़ी टक्कर दी पर अंतिम होल पर वह सही शॉट नहीं लगा पाये। उनका बर्डी पुट भी छोटा रहा जिससे वह प्लेऑफ में नहीं पहुंचे। मैकइंटायर दूसरे स्थान पर रहे। उनके साथ मैट वालेस और माइकली किम भी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं लुडविग एबर्ग तीसरे नंबर पर रहे।

## इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

## अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। ।

युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

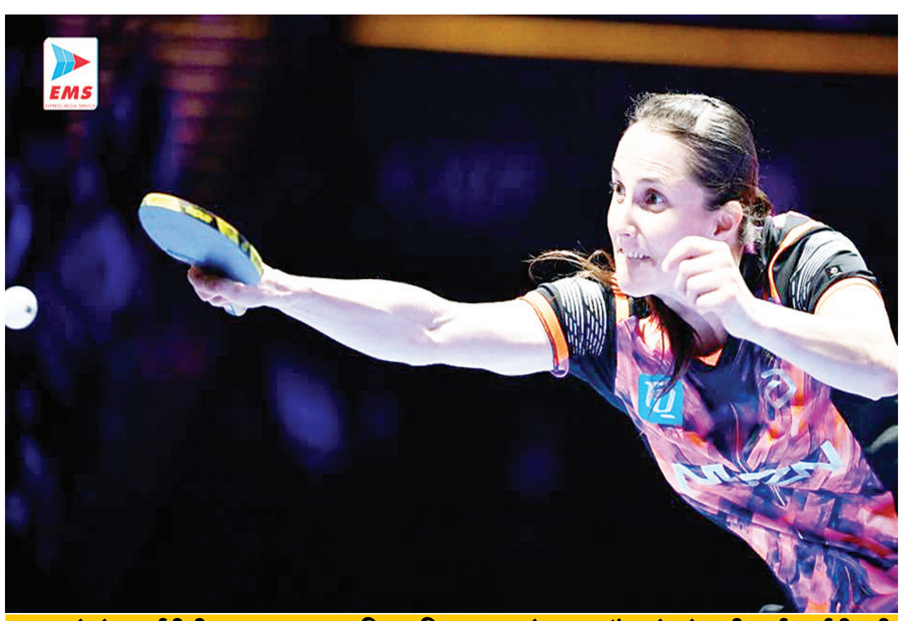

मकाओ में आईटीटीएफ पुरुष व महिला विश्वकप के एक मैच में खेलती हुई जर्मनी की सबीना विंटर।

## संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट् (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

## शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे : ईशान

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी।

ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया।

ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

## बांग्लादेश बोर्ड में थम नहीं रहा विवाद, एक ही दिन में चार इस्तीफे

ढ़ाका (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि बैठक के बाद चार सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। एक ही दिन में चार इस्तीफे से सभी हैरान हैं। इस्तीफा देने वाले अधिकतर सदस्य केवल 6 महीने ही बोर्ड के साथ रहे हैं। वहीं कुल मिलाकर देखा जाये तो अब तक 25 में से 7 बोर्ड निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। इससे बीसीबी प्रशासन के कामकाज को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

माना जा रहा है कि इस्तीफ बीसीबी प्रमुख अमीनुल इस्लाम के विरोध में हुए हैं। इसके बाद भी अमीनुल इस्तीफा नहीं देना चाहते हैं। पिछले साल के चुनाव में कथित गड़बड़ी और सत्ता के गलत इस्तेमाल की जांच में भी वह दोषी नहीं पाये गये हैं जिससे उनका मनोबल बढ़ गय है। बांग्लादेश सरकार को भी रिपोर्ट दे दी गयी है। इसमें चुनावों को सही पाया गया है हालांकि कुछ सवाल बने हुए हैं। बोर्ड पर खेल मंत्रालय का दबाव बना हुआ है। अब तक इस्तीफा देने वाले चार निदेशकों में सनियान तनीम, मेहराब आलम, फैयाजुर रहमान और मंजुरुल आलम शामिल हैं। अमीनुल ने कहा, मैं अपनी कुर्सी पर बैठा रहूंगा, मैं और क्या कर सकता हूं? मैं जाने वाला आखिरी इंसान होऊंगा। मेरे पास बोर्ड एक बहुत अच्छी, समर्पित और ईमानदार टीम है। मैं इस टीम के साथ बांग्लादेश क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूँ।

उन्होंने साथ ही कहा, "मैं आईसीसी में काम करने वाला अकेला बांग्लादेशी था। मैं यह नहीं कह रहा कि मैं कुछ बड़ा हूं पर मैं अपने अनुभव की वजह से यहां बैठा हूं। मैंने अपने देश के समर्थन के लिए और सब कुछ छोड़ दिया। अगर यह अब मेरा नहीं रहा, तो मैं दूसरा रास्ता देखूंगा, लेकिन मैं अपने देश को समर्थन देना जारी रखूंगा। हूँ। हमारी टीम अच्छी है और वेमैं इस टीम के साथ काम करना चाहता हूं और बांग्लादेश क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूं।"

अमीनुल ने ये भी कहा, हम एक दिन भी आजादी से काम नहीं कर सके, क्योंकि एक बाहरी ताकत हमेशा हमें परेशान कर रही थी और अब भी कर रही है। हमारा क्रिकेट रुका हुआ है और मैंने कई बार कहा है कि एक बाहरी ताकत हमें परेशान कर रही है और इस वजह से हमारे क्रिकेट की रफ़्तार धीमी हो गई है। कार्यक्रम में टकराव के कारण अमीनुल जांच कमेटी के सामने पेश नहीं हुए, लेकिन उन्होंने एक लिखित जवाब सौंप दिया है।

मैनचेस्टर में 2026 स्नूकर चैम्पियनशिप में खेलते हुए इंग्लैंड के जूड ट्रंप।

## विराट को गेंदबाजी देने की मांग वाला प्रशंसकों का वीडियो आया

बेंगलुरु (ईएमएस)। विराट कोहली को लेकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसकों में कितनी दीवानगी है। इसका अंदाजा इससे लगता है कि और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में एक समय नारे लग रहे थे कि विराट को गेंद दो हालांकि आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने प्रशंसकों की ये मांग ठुकरा दी। इस मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके को जीत के लिए 251 रनों का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए जब सीएसके के बल्लेबाज लगातार आउट होते जा रहे थे तभी दर्शकों ने विराट को गेंदबाजी दो की मांग रख दी। प्रशंसकों ने इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस मैच में विराट ने 18 गेंदों पर 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से 28 रन बनाये। वह अंशुल कंबोज का शिकार बने।

## भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संज सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ

समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

# तुषार आने वाले समय में भारतीय टीम में नजर आयेगा : स्टेन

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने राजस्थान रॉयल्स के युवा तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे की जमकर प्रशंसा की है। अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे स्टेन ने कहा है कि जिस धैर्य से तुषार ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अंतिम ओवरा किया उससे पता चलता है कि वह शीर्ष स्तर का गेंदबाज है। वह इसी प्रकार गेंदबाजी करता रहा तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह बना सकता है। जिस प्रकार से उसने अंतिम ओवर में केवल 4 रन दिये उससे चयनकर्ता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। तुषार ने अंतिम ओवर में जीत के लिए जरुरी रन गुजरात को नहीं बनाने दिये। उसने में राशिद खान और कसिगो रबाडो को

रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। स्टेन ने कहा कि कहा, तुषार का अंतिम ओवर बहुत अच्छा था। उन्होंने दबाव में एकदम सही गेंदबाजी की, राशिद खान जैसे खिलाड़ी को भी शॉट खेलने से रोक दिया। किसी भी गेंदबाज के लिए इतने अधिक दबाव वाली हालत में शांत रहना बहुत कठिन होता है क्योंकि आपके दिमाग में बहुत सी बातें चलती रहती हैं पर ऐसे में भी तुषार ने गेंदबाजी पर पूरा नियंत्रण बनाये रखा। स्टेन ने कहा, तुषार ने चार जबरदस्त यॉर्कर डालीं। फिर उन्होंने अपनी लाइन बदली और लेंथ गेंद डाली और ऐसा करके उन्होंने राशिद पर अंकुख लगाया और बड़ा शॉट मारने के लिए मजबूर कर दिया। जिससे वह कैच हो गये।

### पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने से लाभ मिला : बिश्नोई

राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा है कि पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने का लाभ उसे इस सत्र में मिला है। इसी कारण वह इस सत्र में अब तक अच्छी गेंदबाजी करने में सफल हुए हैं। बिश्नोई के अनुसार उन्होंने अपनी गलतियों पर घरेलू क्रिकेट में काम किया है। बिश्नोई ने मैच के बाद कहा पिछला सत्र मेरे लिए काफी कठिन रहा था, पर मैंने अपने तरीके से काम किया। अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सत्र में काम किया।बिश्नोई ने बताया कि जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो जाता है।

बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट के दौरान मानसिक, तकनीकी और शारीरिक तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब दिख रहा है। आईपीएल में इस गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार विकेट लिए और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। बिश्नोई सबसे पहले साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सत्र में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन नीचे आया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

# हाईवे पर चलने वाले दें ध्यान ! 10 अप्रैल से टोल प्लाजा पर कैश बंद, बिना फास्टैग के सफर पड़ेगा भारी

**राष्ट्रीय** राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर सफर करने वालों के लिए एक बड़ा बदलाव आने वाला है। 10 अप्रैल से टोल प्लाजा पर नकद पैसे बिल्कुल स्वीकार नहीं किए जाएंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने गजट नोटिफिकेशन जारी करके टोल नियमों में बदलाव कर दिया है। अब हर टोल ट्रांजेक्शन सिर्फ डिजिटल तरीके से ही होगा, मुख्य रूप से फास्टैग या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक मोड से। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि कैश हैंडलिंग की वजह से टोल प्लाजा पर लंबी लाइनें लगती थीं और ट्रैफिक जाम होता था। पिछले कुछ सालों में फास्टैग की वजह से काफी सुधार हुआ था, लेकिन अब सरकार इसे और सख्ती से लागू कर रही है ताकि यात्रा और आसान हो सके।

## आपकी रोजाना की यात्रा पर क्या असर पड़ेगा

जो लोग अपनी निजी गाड़ी से हाईवे पर रोजाना आते-जाते हैं, उनके लिए यह नियम सीधे पैसे और समय दोनों पर असर डालेगा। फास्टैग अब जरूरी हो गया है। अगर आपकी गाड़ी में वैलिड फास्टैग नहीं है, तो कैश का ऑप्शन खत्म हो चुका है। बिना फास्टैग के UPI से पेमेंट कर सकते हैं, लेकिन उसमें स्टैंडर्ड टोल फीस का 1.25 गुना यानी 25 प्रतिशत ज्यादा देना पड़ेगा। अगर कोई डिजिटल पेमेंट नहीं करता है या मना कर देता है, तो अधिकारी गाड़ी को एंट्री देने से इनकार कर सकते हैं या उसे हाईवे से हटा सकते हैं। साथ ही ई-नोटिस जारी हो सकता है। अगर तीन दिनों के अंदर पेमेंट नहीं किया गया, तो टोल की रकम दोगुनी हो जाएगी।

इससे साफ है कि सरकार लोगों को फास्टैग की तरफ धकेल रही है। जो लोग अभी भी पुराने तरीके से चल रहे हैं, उन्हें जल्दी से जल्दी डिजिटल सिस्टम अपनाना होगा।

## सरकारी छूट का दुरुपयोग अब बंद

टोल प्लाजा पर एक आम समस्या यह भी थी कि कुछ सरकारी विभागों या सेवाओं से जुड़े लोग अपनी ID कार्ड दिखाकर छूट का दावा कर देते थे, भले ही यात्रा निजी हो। नई नियमावली में इसे साफ-साफ बंद कर दिया गया है। अब टोल में छूट किसी व्यक्ति को नहीं, बल्कि गाड़ी या उसके आधिकारिक इस्तेमाल के आधार पर मिलेगी। जिन लोगों को छूट मिलती है, उन्हें सही प्रक्रिया के जरिए Exempted फास्टैग बनवाना होगा। चाहें तो वे फास्टैग का एनुअल पास भी ले सकते हैं। इससे टोल प्लाजा पर बार-बार ID चेक करने की परेशानी और बहस कम होगी, जो अक्सर देरी की वजह बनती थी।

## एनुअल फास्टैग पास किसके लिए अच्छा विकल्प

सरकार ने बार-बार हाईवे पर सफर करने वालों के लिए फास्टैग का एनुअल पास भी बढ़ावा दिया है। इसकी कीमत 3,075 रुपये प्रति साल है और यह प्राइवेट कारों के लिए 200 टोल क्रॉसिंग तक कवर करती है। जो लोग इंटर-सिटी ट्रैवल करते हैं या शहर के बाहर रहकर रोजाना हाईवे इस्तेमाल करते हैं, उनके लिए यह पास सुविधा और पैसे की बचत दोनों दे सकता है। लेकिन जो कभी-कभी ही यात्रा करते हैं, उनके लिए सामान्य पे-पर-यूज वाला सिस्टम ज्यादा सस्ता पड़ सकता है। पास की वैलिडिटी एक साल या 200 क्रॉसिंग, जो भी पहले हो, तक रहती है।

## बिना रुके टोल सिस्टम की तैयारी

यह पूरा बदलाव दरअसल बैरियर-फ्री टोलिंग की दिशा में एक बड़ा स्टेप है। सरकार मल्टी-लेन फ्री-फ्लो टोलिंग की ओर बढ़ रही है, जहां गाड़ियां बिना रुके गुजर सकेंगी और ऑटोमैटिक कटौती हो जाएगी। कैश खत्म करके और डिजिटल पेमेंट को स्टैंडर्ड बनाकर सिस्टम को इस अगले चरण के लिए तैयार किया जा रहा है।

## अभी क्या करें गाड़ी मालिक

समय बहुत कम बचा है, इसलिए गाड़ी मालिकों को तुरंत एक्शन लेना चाहिए। सबसे पहले आप अपना फास्टैग चेक करें कि वह एक्टिव है और उसमें पैसे भरे हुए हैं। KYC डिटेल्स अपडेट कर लें ताकि बीच में कोई दिक्कत न हो। अगर आपको छूट मिलती है, तो Exempted फास्टैग के लिए आवेदन करें। और हां, यह भी देख लें कि आपके सफर के हिसाब से एनुअल पास लेना फायदेमंद है या नहीं।

# स्वतंत्र निदेशकों की क्षमता बढ़ाने पर सेबी का फोकसः तुहिन कांत पांडेय

**भारतीय** प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) कॉरपोरेट गवर्नेंस में सुधार लाने के लिए स्वतंत्र निदेशकों की क्षमता निर्माण हेतु पेशेवर संस्थाओं, उद्योग और शैक्षणिक जगत के साथ मिलकर एक ज्वाइंट पहल शुरू करेगा। सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीआईआई कॉर्पोरेट गवर्नेंस शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, पांडेय ने प्रभावी शासन में मौजूद कमियों पर प्रकाश डाला।

## गवर्नेंस में क्रियान्वयन की कमी

पांडेय ने कहा, "हम जो बढ़ती हुई स्थिति देख रहे हैं, वह इरादे या नियमों में कमी नहीं, बल्कि उनके सही क्रियान्वयन में गैप है। बोर्ड अच्छी तरह गठित हैं, लेकिन हमेशा समान रूप से प्रभावी नहीं होते। जानकारी उपलब्ध है, लेकिन उस पर हमेशा गहराई से विचार नहीं किया जाता। स्वतंत्रता कागजों पर मौजूद है, लेकिन वह हमेशा स्वतंत्र सोच में बदल नहीं पाती।" उन्होंने आगे स्वतंत्र निदेशकों से जिम्मेदारी लेने, जवाबदेही के साथ सहयोग करने और समाधान तलाशने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल अनुपालन तक सीमित नहीं रहना चाहिए और न ही सिर्फ प्रबंधन पर उंगली उठाने पर ध्यान देना चाहिए। पांडेय ने कहा, "अब चर्चा इस बात से आगे बढ़नी चाहिए कि बोर्ड में कौन बैठा है, और इस पर ध्यान देना चाहिए कि वहां पहुंचने के बाद वे कितनी प्रभावी तरीके से योगदान दे पा रहे हैं।" उनकी ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एचडीएफसी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अतानु चक्रवर्ती के 'नैतिकता और मूल्यों' में असंगति का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफे के बाद बैंक में कॉर्पोरेट गवर्नेंस की जांच पड़ताल हो रही है। सेबी चेयरमैन ने स्वतंत्र निदेशकों से केवल जानकारी तक सीमित न रहकर उसे समझने और उससे अंतर्दृष्टि निकालने की दिशा में आगे बढ़ने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसमें सिर्फ डेटा की समीक्षा ही नहीं, बल्कि उसके निहितार्थ को समझना, रचनात्मक असहमति को प्रोत्साहित करना और केवल अनुपालन-आधारित चर्चा से आगे बढ़कर मूल्य-आधारित संवाद करना शामिल होना चाहिए, जिसमें आचरण, दीर्घकालिक स्थिरता और वित्तीय प्रदर्शन - सभी पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने स्वतंत्र निदेशकों से यह भी आग्रह किया कि वे तकनीक का उपयोग करें, ताकि समय पर जरूरी संकेत बोर्ड तक पहुंचाए जा सकें।

# अपना स्टार्टअप शुरू करने का है सपना? पैसे की तंगी नहीं होगी, इनसे मिलेगा करोड़ों का फंड!

भारत में छोटे और मध्यम उद्योगों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। लेकिन कई बार शानदार बिजनेस आइडिया होने के बावजूद, सिर्फ फंड की कमी की वजह से कई स्टार्टअप और छोटे बिजनेस दम तोड़ देते हैं। अगर आप भी अपने बिजनेस को विस्तार देना चाहते हैं या नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं और पूंजी की कमी आड़े आ रही है, तो भारत सरकार की कई ऐसी योजनाएं हैं जो आपकी राह आसान बना सकती हैं। इन योजनाओं का मकसद न केवल आर्थिक मदद देना है, बल्कि 'स्वरोजगार' को बढ़ावा देना भी है। आइए जानते हैं उन सरकारी स्कीम्स के बारे में जो आपके छोटे बिजनेस के लिए लाइफलाइन साबित हो सकती हैं।

**पीएम मुद्रा योजनाः छोटे कर्ज के लिए बड़ा सहारा**

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना उन लोगों के लिए सबसे लोकप्रिय विकल्प है, जिन्हें बिना किसी गारंटी के लोन की तलाश में है। इस योजना के तहत नॉन-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि छोटे व्यवसायों को 10 लाख रुपये तक का कर्ज दिया जाता है। इसे तीन भागों में बांटा गया है, ताकि बिजनेस की जरूरत के हिसाब से फंड मिल सके। इसकी पहली कैटेगरी है 'शिशु', जिसमें 50,000 रुपये तक का लोन दिया जाता है। यह उनके लिए है जो अपना काम अभी शुरू ही कर रहे हैं। दूसरी कैटेगरी 'किशोर' है, जिसमें 50,000 से लेकर 5 लाख रुपये तक का फंड मिलता है। तीसरी कैटेगरी 'तरुण' है, जो 5 लाख से 10 लाख रुपये तक के लोन की सुविधा देती है। मुद्रा लोन की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें आपको बहुत ज्यादा कागजी कार्रवाई के चक्कर में नहीं पड़ना पड़ता और यह कमर्शियल बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और स्मॉल फाइनेंस बैंकों के जरिए आसानी से मिल जाता है।

**सीजीटीएमएसई : बिना 'कोलैटरल' के करोड़ों का फंड**

अक्सर बैंक से बड़ा लोन लेने के लिए आपको कोई संपत्ति या सोना गिरवी रखना पड़ता है, जिसे 'कोलैटरल' कहते हैं। लेकिन सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) एक गेम-चेंजर है। सरकार ने हाल के बजट में इस योजना को और मजबूत किया है। अब सूक्ष्म और लघु उद्योगों को कई मामलों में अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक का लोन बिना किसी कोलैटरल के मिल सकता है। इस स्कीम में भारत सरकार और सिडबी मिलकर काम करते हैं। अगर कोई छोटा कारोबारी लोन चुकाने में असमर्थ रहता है, तो उसकी गारंटी यह ट्रस्ट लेता है। इससे बैंकों का रिस्क कम हो जाता है और वे छोटे कारोबारियों को लोन देने में हिचकिचाते नहीं हैं।

# रिजर्व बैंक की ऐप से बिना बैंक जाए मिलेगा लोन

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अब लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने और लंबी कागजी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही एक नई डिजिटल व्यवस्था शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत मोबाइल ऐप के माध्यम से मिनटों में लोन स्वीकृत किया जा सकेगा। इस पहल का उद्देश्य छोटे कर्जदारों, किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों को त्वरित और पारदर्शी सुविधा उपलब्ध कराना है। नई प्रणाली के तहत जमीन के रिकॉर्ड, क्रेडिट स्कोर और आय संबंधी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। इससे बैंक और वित्तीय संस्थानों को आवेदक की पात्रता जांचने में आसानी होगी और लोन प्रक्रिया तेज होगी। शुरुआत में छोटे कर्ज और कृषि से जुड़े ऋण दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। बताया जा रहा है कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से कई बैंक और डेटा सेवा प्रदाता जुड़ेंगे, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान सुरक्षित और त्वरित होगा। इससे बैंकों की परिचालन लागत भी कम होगी और ग्राहकों को कम समय में ऋण मिल सकेगा।

# पेट्रोल में एथेनॉल की बढ़ती चाह से चहके चीनी कंपनियों के शेयर, 13% की लगाई छलांग

**अमेरिका**-ईरान संघर्ष के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को धीरे-धीरे 20 फीसदी से बढ़ाकर 22-25 फीसदी करने की उम्मीदों को फिर से जगा दिया है, जिससे चीनी शेयरों में तेजी आई है। पिछले 20 दिनों में चीनी कंपनियों के शेयर औसतन करीब 13 फीसदी बढ़ चुके हैं। एथेनॉल के ई-20 स्तर से वृद्धि के साथ चीनी निर्यात पर एक बार फिर प्रतिबंध लगाएं जाने की आशंका बढ़ गई है ताकि देश में चीनी की कीमत स्थिर बनी रहे हैं।

## चीनी कंपनियों के शेयर 13% चढ़े

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का असर चीनी कंपनियों के शेयरों पर देखने को मिल रहा है। पिछले 20 दिनों में बीएसई शुगर सूचकांक करीब 13 फीसदी मजबूत हुआ है जबकि इस बीच सेंसेक्स 2.6 फीसदी कमजोर हुआ है। बीएसई में 17 मार्च से चीनी कंपनियों के शेयर दौड़ना शुरू हुए जो एथेनॉल मिश्रण की उम्मीदों के सहारे लगातार मजबूत हो रहे हैं। इस बीच उत्तम शुगर मिल्स के शेयर 33 फीसदी, डालमिया भारत शुगर 29.5 फीसदी, मावना शुगर 29.4 फीसदी, द्वारका शुगर इंडस्ट्रीय 28.5 फीसदी, अवध शुगर एंड एनर्जी 24.6 फीसदी, धरमपुर 21.8 फीसदी, श्री रेणुका शुगर्स 19.5 फीसदी, त्रिवेणी इंजीनियरिंग 16.7 फीसदी तक चढ़ गए।

## एथेनॉल नीति से बढ़ी उम्मीद

सरकार ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश में 20 फीसदी एथेनॉल मिला पेट्रोल (E20) बेचा जाएगा। इससे एथेनॉल की मांग बढ़ने की उम्मीद है। ब्रोकरेज फर्म एलारा कैपिटल के अनुसार शेयरों की कीमतें मौजूदा वित्तीय स्थिति के बजाय उम्मीदों से बढ़ रही हैं। चीनी कंपनियों के शेयरों की कीमतों में मौजूदा तेजी की वजह यह उम्मीद है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग का मौजूदा स्तर 20% से बढ़कर 22-25 फीसदी हो जाएगा। अगर सरकार मिश्रण दर बढ़ाने का फैसला करती है, तो शेयरों की कीमतों में यह तेजी और आगे बढ़ सकती है। अगर सरकार की तरफ से कोई नीतिगत हस्तक्षेप नहीं होता है, तो गन्ने की बढ़ती लागत का असर मिलों के मार्जिन पर पड़ेगा।

## चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध की आशंका

एथेनॉल मिश्रण दर में बढ़ोतरी किये जाने से चीनी निर्यात में प्रतिबंध लगाने की आशंका जताई जाने लगी है। फिच सॉल्यूशंस की एक इकाई, बीएमआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने E20 का दर्जा हासिल कर लिया है और अब ऐसा लगता है कि वह अपने एथेनॉल जनादेश का और विस्तार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालांकि, भारत के पास एथेनॉल विस्तार की और क्षमता है, लेकिन इसे साकार करने के लिए देश को चीनी निर्यात को और सीमित करना होगा, जिससे वैश्विक आपूर्ति पर दबाव पड़ेगा और कीमतों में मामूली वृद्धि होगी। भारत को 2022-23 के सीजन में चीनी की कमी का सामना करना पड़ा था, जिसके परिणामस्वरूप निर्यात प्रतिबंधित हो गया था और 2023-24 में बंपर उत्पादन के बावजूद, किसी भी शिपमेंट की अनुमति नहीं दी गई थी।

## दैनिक पंचांग

**7 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

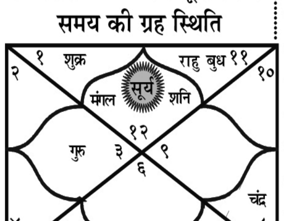


| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ | समय |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मीन में | मेष | 06.12 बजे से |
| चंद्र | वृश्चिक में | वृष | 07.52 बजे से |
| मंगल | मीन में | मिथुन | 09.50 बजे से |
| बुध | कुंभ में | कर्क | 12.04 बजे से |
| गुरू | मिथुन में | सिंह | 14.20 बजे से |
| शुक्र | मेष में | कन्या | 16.32 बजे से |
| शनि | मीन में | तुला | 18.43 बजे से |
| राहु | कुंभ में | वृश्चिक | 20.57 ब.से |
| केतु | सिंह में | धनु | 23.13 बजे से |
| राहुकाल | | मकर | 01.18 बजे से |
| 3.00 से 4.30 | | कुंभ | 03.05 बजे से |
| बजे तक | | मीन | 04.38 बजे से |

**मंगलवार** 2026 वर्ष का 97 वा दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत।
**विक्रम संवत्** 2083
**शक संवत्** 1948
**मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** पंचमी 16.35 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** ज्येष्ठा अहोरात्र।
**योग** व्यतीपात 16.17 बजे को समाप्त।
**करण** तैतिल 16.35 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 18.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 45'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872672
**जूलियन दिन** 2461137.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** सव्वाल
**तारीख** 18
**विशेष** विश्व स्वास्थ्य दिवस।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 05.53 से | 07.22 बजे तक | काल | 05.42 से | 07.13 बजे तक |
| उद्वेग | 07.22 से | 08.15 बजे तक | लाभ | 07.13 से | 08.45 बजे तक |
| चर | 08.15 से | 10.19 बजे तक | उद्वेग | 08.45 से | 10.16 बजे तक |
| लाभ | 10.19 से | 11.48 बजे तक | शुभ | 10.16 से | 11.48 बजे तक |
| अमृत | 11.48 से | 01.16 बजे तक | अमृत | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| काल | 01.16 से | 02.45 बजे तक | चर | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| शुभ | 02.45 से | 04.13 बजे तक | रोग | 02.51 से | 04.22 बजे तक |
| रोग | 04.13 से | 05.42 बजे तक | काल | 04.22 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 7969

**बाएँ से दाएँ**
1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

**ऊपर से नीचे**
2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

**शब्द पहेली -7968 का हल**

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## अंकजाल - 7510

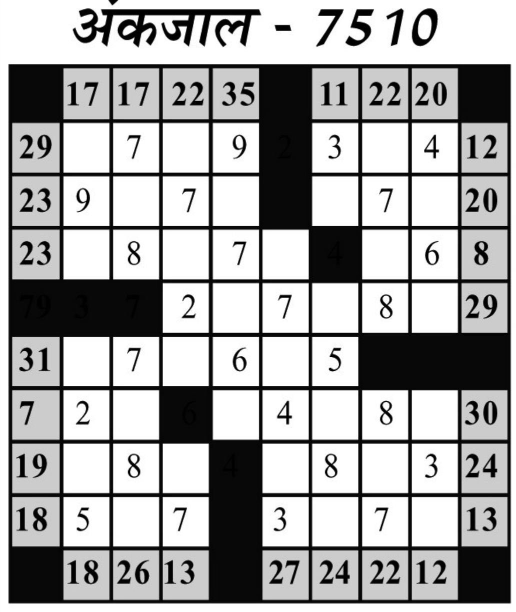

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

**अंकजाल 7509 का हल**

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग - 6454

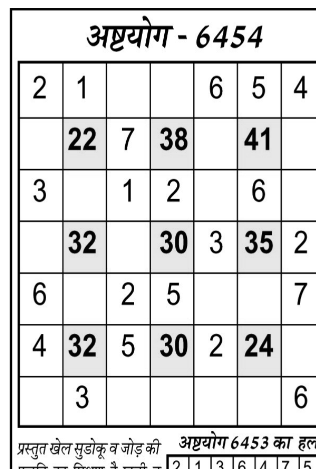

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

**अष्टयोग 6453 का हल**

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## आज का इतिहास

1929 इम्पीरियल एयरवेज ब्रिटेन की विमान सेवा भारत तक पहली बार शुरू हुई.

1941 ब्रिटिश फौजों ने लीबिया बेनगाजी बंदरगाह खाली किया.

1945 अमेरिकी विमान वाहक पोत के विमानों ने जापान के सबसे बड़े युद्धपोत यामातो को डुबो दिया.

1953 स्वीडन के दाग हैमरशोल्ड राष्ट्रसंघ के सदस्य चुने गए.

1988 ईरान और इराक ने एक-दूसरे की राजधानी पर बमबारी की, जिससे काफी लोग हताहत हुए.

1990 चीन ने दूरसंचार उपग्रह का प्रशेपण कर एक नए युग में प्रवेश किया.

1998 सोली सोराबजी नये एटार्नी जनरल बने.

2004 ओडिसी नृत्य के युगपुरुष गुरु केलुचरण महापात्र का निधन.

2005 श्रीनगर-मुजफ्फराबाद बस सेवा 'कारवां -ए- अमन' का उद्घाटन.

## गणित पहेली - 5814

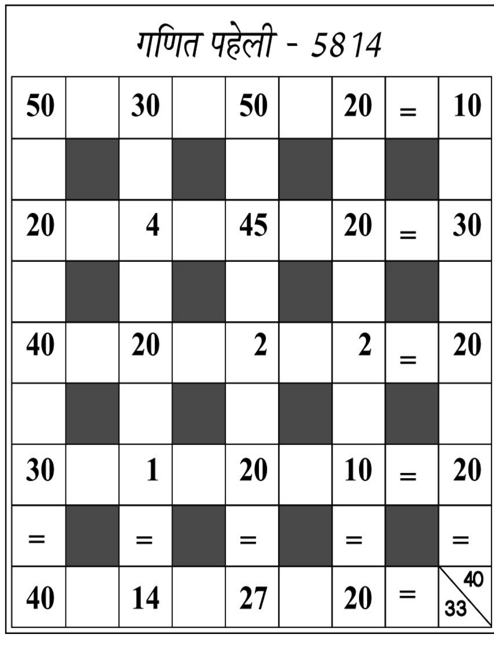

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

**गणित पहेली - 5813ी**

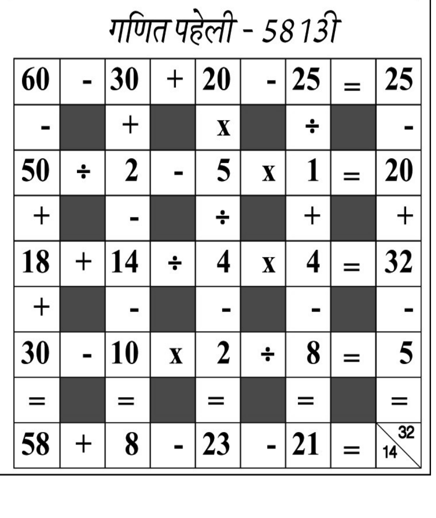

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्दजाल- 7501

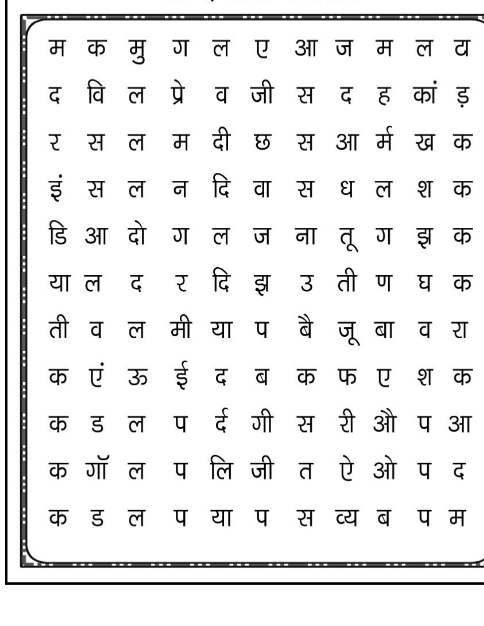

शब्द जाल में नौशाद द्वारा संगीतबद्ध 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रेमनगर, बैजू बावरा, दीवाना, मदर इंडिया, दिल दिया दर्द लिया, आदमी, धर्मकांटा, लव एंड गॉड, मुगल ए आजम, गीत.

**शब्दजाल - 7500 का हल**

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# संक्षिप्त खबरें

## पलामू में छोटे भाई ने बड़े भाई को टांगी से काट डाला

**पलामू:** जिले के पांकी थाना क्षेत्र के ठेकही अंदाग गांव में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की टांगी से काटकर हत्या कर दी. घटना के बाद छोटा भाई फरार हो गया है. पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. पूरी घटना शराब के नशे के दौरान हुए विवाद में हुआ है. दरअसल, मृतक ठेकही अंदाग के पिंटू भुईयां चार भाई थे. सबसे बड़े भाई के बेटे की सगाई हुई थी. सगाई के दौरान सभी भाई एक जगह जमा हुए थे. इसी बीच सभी ने शराब का सेवन किया था. इसी बीच पिंटू भुईयां का अपने छोटे सीटू भुईयां के साथ किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया और छोटे भाई सीटू भुईयां ने पिंटू भुईयां को टांगी से काट डाला. घटना के बाद परिजनों ने पिंटू को इलाज के लिए पांकी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया. जहां बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और हॉस्पीटल रेफर कर दिया गया था. लेकिन डॉक्टरों ने पिंटू भुईयां को मृत घोषित कर दिया. इधर, परिजन अस्पताल से शव लेकर भाग गए और गांव में अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे. तभी मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पांकी के थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि शराब के नशे में दोनों भाइयों के बीच विवाद हुआ था. इसी विवाद में हत्या हुई है. घटना को अंजाम देने वाला छोटा भाई फरार है. जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है. दोनों भाई बाहर ईंट भट्ठा में काम करते हैं.

## 17वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का समापन

**रांची :** मोरहाबादी मैदान में आयोजित 17वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का समापन आज हो गया. समापन दिवस पर भी बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचे और विभिन्न ऑफर्स का लाभ उठाया. अंतिम दिन कई स्टॉल धारकों ने विशेष छूट दी, जिससे लगभग सभी स्टॉल पर खरीदारों की भीड़ देखने को मिली. मेले में लोगों ने खरीदारी के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी आनंद लिया. परिवार और दोस्तों के साथ पहुंचे लोगों ने मेले का भरपूर लुत्फ उठाते हुए अपनी जरूरत के अनुसार सामान खरीदा. इस ट्रेड फेयर में 12 देशों और 15 राज्यों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई थी, जहां 35 हजार से अधिक उत्पादों को देखने और खरीदने का अवसर मिला. ऑटोमोबाइल स्टॉल पर भी लोगों की खासी भीड़ रही और कई लोग गाड़ियों के बारे में जानकारी लेते नजर आए. चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि यह आयोजन हर दृष्टि से सफल रहा. रांचीवासियों ने जिस उत्साह और सहभागिता के साथ मेले को समर्थन दिया, वह सराहनीय है. उन्होंने कहा कि अगले वर्ष इस ट्रेड फेयर को और भी बड़े स्तर पर नए आकर्षणों के साथ आयोजित किया जाएगा. वहीं, चैंबर महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि ट्रेड फेयर ने छोटे और मध्यम व्यवसायियों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का बेहतर मंच दिया, जिससे उन्हें नए ग्राहकों से जुड़ने का अवसर मिला. उन्होंने बताया कि अगले वर्ष इस आयोजन को और अधिक भव्य और विविधतापूर्ण बनाया जाएगा, जिसमें पूरे परिवार के लिए मनोरंजन के और भी विकल्प शामिल किए जाएंगे. समापन अवसर पर झारखंड चैंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, सह सचिव रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल सहित कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं विभिन्न उप समितियों के चेयरमैन उपस्थित रहे.

## मंत्री दीपिका पांडेय सपरिवार पहुंचीं रजरप्पा मंदिर

**रामगढ़ :** राज्य की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह सोमवार को अपने परिवार के साथ रजरप्पा मंदिर पहुंचीं. उन्होंने मां छिन्नमस्तिका देवी की विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना कीं. मंदिर के वरिष्ठ पुजारी असीम पंडा ने विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न कराई. मंत्री ने सूर्य मंदिर, दक्षिणेश्वरी काली मंदिर व अष्ट मंदिर सहित अन्य देवस्थलों में मत्था टेका. इसके बाद वे प्रशासनिक भवन पहुंचीं, जहां स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मुलाकात कीं. मुखिया कुलदीप साव के नेतृत्व में दुकानदारों ने मंत्री के समक्ष में अपनी समस्याएं रखीं.

## सारंडा जंगल में आईईडी विस्फोट, सीआरपीएफ जवान घायल, एयरलिफ्ट कर लाया गया रांची

**चाईबासा :** पश्चिमी सिंहभूम जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां चाईबासा के सारंडा जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाया गया आईईडी विस्फोट हो गया. इस घटना में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया है. घायल जवान को तत्काल एयरलिफ्ट कर रांची लाया जा रहा है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सारंडा क्षेत्र में सुरक्षाबल नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चला रहे थे. इसी दौरान सुरक्षाबलों की टीम जैसे ही आगे बढ़ी, तभी रास्ते में पहले से लगाए गए आईईडी में विस्फोट हो गया. गौलतलब है कि सारंडा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान लगातार जारी है. हाल के दिनों में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों को सफलता भी मिली है. ऐसे में इलाके में सक्रिय नक्सली अलग-अलग जगहों पर आईईडी बिछाकर रखे हैं, ताकि ऑपरेशन के दौरान जवानों को नुकसान पहुंचाया जा सके.

# झारखंड में फिर एक बार 'ईमेल बम थ्रेट' का साया

## रांची, धनबाद और साहिबगंज कोर्ट को उड़ाने की धमकी से हड़कंप

**रांची:** झारखंड में एक बार फिर ईमेल के जरिए बम की धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है. ताजा मामला रांची सिविल कोर्ट से जुड़ा है, जहां कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया.

**बीडीएस की टीम जांच में जुटी:** धमकी की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस के साथ झारखंड जगुआर की बीडीएस यानी बम डिस्पोजल टीम मौके पर पहुंची और पूरे कोर्ट परिसर की सघन जांच शुरू कर दी गई. टीम चप्पे-चप्पे की तलाशी में जुटी है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु को समय रहते निष्क्रिय किया जा सके. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि बीडीएस की टीम जांच में जुटी है.

**धनबाद कोर्ट को उड़ाने की धमकी:** धनबाद कोर्ट परिसर को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही धनबाद पुलिस की टीम ने डॉग स्क्वॉड के साथ पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया. हालांकि जांच के दौरान कोई भी आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है. यह चौथी धमकी है.

### पहले भी रांची सिविल कोर्ट उड़ाने की मिली है धमकी

*यह पहली बार नहीं है जब रांची सिविल कोर्ट को इस तरह की धमकी मिली हो. इससे पहले भी कई बार ईमेल के जरिए कोर्ट को निशाना बनाने की धमकी दी जा चुकी है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं. चौंकाने वाली बात यह है कि आज ही धनबाद और साहिबगंज के कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, एक साथ कई न्यायालयों को निशाना बनाए जाने से सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं.*

धनबाद कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में है. बताया जा रहा है कि यह धमकी कोर्ट के एक न्यायिक अधिकारी के ईमेल पर भेजी गई थी. सूचना मिलते ही पुलिस ने बिना देर किए पूरे परिसर को अपने कब्जे में लेकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया.इस दौरान आरपीएफ की डॉग स्क्वॉड टीम को भी बुलाया गया, जिसने कोर्ट परिसर के हर कोने, कमरों, गलियारों और आसपास के इलाकों की गहन जांच की. सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया गया, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके.विधि व्यवस्था डीएसपी नौशाद आलम ने बताया कि धमकी को गंभीरता से लेते हुए सघन जांच अभियान चलाया गया, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली है. उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और धमकी देने वाले की पहचान करने का प्रयास जारी है.

**साहिबगंज कोर्ट को उड़ाने की धमकी:** साहिबगंज कोर्ट परिसर को दोबारा बम से उड़ा देने की धमकी मिली है. कोर्ट के ऑफिसियल अकाउंट पर ईमेल मिलने के बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया. अफरा दफरी का माहौल बन गया. खबर मिलने के साथ पुलिस छावनी में कोर्ट तब्दील हो गई. दूसरी बार कोर्ट को उड़ाने की खबर से प्रशासन पुरी तरह अलर्ट हो चुकी है. सूचना मिलते ही एसपी अमित सिंह, एसडीपीओ, डीएसपी, इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी अपने स्तर से तकनीकी टीम के सहयोग से जांच में जुट गए.

**जांच में किसी प्रकार का बम नहीं मिला:** पुलिस टीम को जांच के दौरान किसी प्रकार का बम या अन्य विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है. जिससे वकीलों व पुलिस टीम को राहत मिली है. पुलिस ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की जांच में पुनः जुट चुकी है. गौरतलब है कि 26 मार्च को साहिबगंज कोर्ट को उड़ाने की धमकी मिली थी. इस मामले में पुलिस टीम ने जांच करने के बाद एक युवक को गिरफ्तार किया था.

**क्या कहा साहिबगंज एसपी ने:** साहिबगंज कोर्ट को बम से उड़ाने की सूचना मिलने के साथ पुलिस और स्क्वॉड टीम तुरंत पहुंची. पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया है. किसी प्रकार का कोई विस्फोटक नहीं मिला है. जांच जारी है.

### धमकी मामले में पूर्व में एक हो चुका है गिरफ्तार

*हाल ही में दिल्ली पुलिस ने श्रीनिवास लुईस नामक आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिसने देशभर के कई संस्थानों और कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी दी थी. हालांकि, इस गिरफ्तारी के बावजूद ईमेल के जरिए धमकी देने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है.*

*लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए पुलिस और खुफिया एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं. ईमेल के सोर्स और भेजने वाले की पहचान करने के लिए साइबर एक्सपर्ट्स की मदद ली जा रही है. बार-बार मिल रही इन धमकियों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर कौन और क्यों न्यायिक संस्थानों को निशाना बना रहा है और इन घटनाओं पर कब तक लगाम लग पाएगा.*

# आईआईटी आईएसएम इनवेंटिव 2026 का राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया उद्घाटन

## बोले- नवाचार और शोध से तय होगा देश का भविष्य

**धनबाद:** आईआईटी आईएसएम में आयोजित दो दिवसीय 'इनवेंटिव 2026' का भव्य आगाज हुआ. कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश के लिए एक अहम पहल है. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत के नवाचार, अनुसंधान और भविष्य की दिशा तय करने वाला सशक्त मंच है.

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि इस मंच पर नवाचार, निवेश, शोध और नीति एक साथ आकर देश को नई दिशा देने का काम कर रहे हैं. यह भारत की बौद्धिक क्षमता और संभावनाओं का मजबूत उदाहरण है. उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्यक्रम से नए संवाद, साझेदारियां और अवसर सामने आएंगे. जो स्टार्टअप, अत्याधुनिक तकनीक और रोजगार के नए रास्ते खोलेंगे.

**भारत को अपनी क्षमताओं को और करना होगा मजबूत- राज्यपाल:** राज्यपाल ने वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को अपनी क्षमताओं को और मजबूत बनाना होगा. प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ वैश्विक साझेदार के रूप में भी आगे बढ़ना जरूरी है. राज्यपाल ने कहा कि इस उद्घाटन समारोह में नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के सीईओ डॉ सुनील के बर्नवाल, जुरी इंडस्ट्रीज के एमडी अतहर शहाब, टाटा स्टील के संदीप कुमार, डॉ शिर्षेंदु मुखर्जी और रिंयू की को-फाउंडर वैशाली निगम सिन्हा समेत कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे. कार्यक्रम में देशभर के 15 आईआईटी, 7 एनआईटी और आईआईएसईआर जैसे प्रमुख संस्थानों के निदेशक भी शामिल हो रहे हैं.

'इनवेंटिव 2026' शोध को व्यावहारिक रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. इसका उद्देश्य नई तकनीकों और शोध को सीधे समाज और उद्योग के उपयोग में लाना है. कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 स्टॉलों पर विभिन्न नवाचारों और तकनीकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है.

# हर्षोल्लास के साथ मना भाजपा का स्थापना दिवस, एक सप्ताह तक चलेगा कार्यक्रम

**रांची:** रांची में भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को अपना 47वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने पार्टी का ध्वजारोहण किया और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्थापना दिवस समारोह की औपचारिक शुरुआत की। पंडित दीनदयाल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश उपाध्यक्ष बाल मुकुंद सहाय सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान झारखंड में भाजपा की राजनीतिक यात्रा और संगठनात्मक विकास पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि जनता के प्यार और आशीर्वाद से पार्टी ने दो सांसदों से शुरुआत कर आज देश का नेतृत्व करने तक का सफर तय किया है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों को देश के लिए अविस्मरणीय बताया और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का भरोसा जताया। स्थापना दिवस समारोह 6 अप्रैल से एक सप्ताह तक चलेगा। इस दौरान मंडल, जिला और बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। गांव-बस्ती चलो अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, जनसंपर्क और केंद्र सरकार व एनडीए शासित राज्यों की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी।

## ट्रांसजेंडर बिल के खिलाफ किन्नरों का प्रदर्शन

**जमशेदपुर:** ट्रांसजेंडर बिल 2026 के विरोध में किन्नर समुदाय ने सोमवार को जमशेदपुर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान किन्नरों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. प्रदर्शन कर रहे किन्नरों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि प्रस्तावित बिल उनके समुदाय के हित में नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह बिल ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों को सीमित करता है और उनकी पहचान तथा स्वतंत्रता पर असर डाल सकता है. समुदाय के प्रतिनिधियों का कहना है कि वर्ष 2014 में नालसा vs यूनियन ऑफ़ इंडिया के ऐतिहासिक फैसले में ट्रांसजेंडर समुदाय को तृतीय लिंग के रूप में मान्यता दी गई थी, लेकिन यह बिल उस भावना के अनुरूप नहीं है. प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि इस बिल को लागू न किया जाए और समुदाय के साथ संवाद कर उनकी सहमति से ही कोई निर्णय लिया जाए. इस दौरान जिला मुख्यालय पर प्रदर्शनकारी किन्नरों ने अपने चीर- परिचित अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया .

## देवघर एम्स ने रचा कीर्तिमान: 55 साल के मरीज के शरीर से निकला 12 किलो ट्यूमर

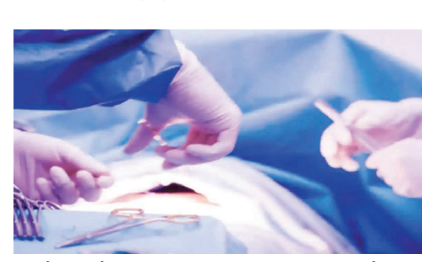

**देवघर:** जिले के देवीपुर में बना एम्स अब धीरे-धीरे अपना विस्तार करता जा रहा है. दरअसल उत्तर प्रदेश से आए एक मरीज का जटिल ऑपरेशन कर उसके शरीर से 12 किलो ग्राम का ट्यूमर निकालकर उसे नई जिंदगी देने का काम किया गया है. जिसके बाद से देवघर एम्स की चर्चा जोरों पर है.

**मुफ्त में हुआ जटिल ऑपरेशन:** इस ऑपरेशन की सफलता के बाद एम्स के निदेशक डॉ. एनएम गंगाने ने बताया कि मरीज के शरीर में यह ट्यूमर रहने के कारण वह परेशान था और बेतहाशा दर्द से उसके शरीर का वजन घटता जा रहा था. कई निजी अस्पतालों में इलाज करवाने के बाद वह देवघर के एम्स अस्पताल पहुंचा. यहां पर आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीज का यह जटिल ऑपरेशन मुफ्त में किया गया है.

**शरीर के जटिल हिस्से में था ट्यूमर:** मरीज के ट्यूमर के साइज को देखने के बाद डॉक्टर ने चुनौती स्वीकार की और कई घंटों तक चले हाई रिस्क ऑपरेशन को सफलतापूर्वक करने का काम किया. डॉक्टर ने बताया कि यह ट्यूमर शरीर के बहुत जटिल हिस्से में था. इस ऑपरेशन को सफल करने में डॉक्टरों की टीम ने कई घंटे तक मेहनत की. शरीर से 12 किलो के ट्यूमर निकालने के बाद मरीज के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है. मरीज के स्वास्थ्य में जब सुधार दिखने लगा तो डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी.

**मरीज की अच्छे से हुई देखरेख:** एम्स प्रबंधन की तरफ से बताया गया कि जब मरीज इस ऑपरेशन को करवाने के लिए निजी अस्पताल में गए तो इस ऑपरेशन के लिए लाखों रुपए मांगे जा रहे थे. मरीज की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी. इसके बाद मरीज को किसी ने यह सुझाव दिया कि वह देवघर के एम्स अस्पताल जाए. देवघर के एम्स अस्पताल आने के बाद कई दिनों तक मरीज की देखरेख की गई और फिर ऑपरेशन की तिथि सुनिश्चित कर ट्यूमर को बाहर निकाला गया.

**निदेशक ने दी टीम को बधाई:** देवघर एम्स के डॉक्टरों की टीम की उपलब्धि के बाद निदेशक डॉ. एन एम गंगाने ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि देशभर के मरीजों के लिए एम्स उम्मीद का केंद्र बनता जा रहा है.

# राजनंदिनी मर्डर केस में भारी उबाल, सड़कों पर उतरे लोग

### दो मिनट का मौन और अंतिम चेतावनी

मार्च के समापन पर सभी ने राजनंदिनी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और मृत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया, जिससे पूरा माहौल और भी भारी हो गया. स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटों के भीतर मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो वे चक्का जाम और उग्र आंदोलन करने के लिए विवश होंगे. फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है.

**रांची:** राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र अंतर्गत झखराटांड़ की बेटी राजनंदिनी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है. इस हत्या के विरोध में सोमवार को स्थानीय निवासियों का धैर्य जवाब दे गया और भारी संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर अपना विरोध दर्ज कराया. झखराटांड़ स्थित संकट मोचन मंदिर से शुरू होकर काठीटांड़ चौक तक निकाले गए इस 'कैंडल मार्च' में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भी भारी भागीदारी रही. हाथों में 'जस्टिस फॉर राजनंदिनी' की तख्तियां और जलती मोमबत्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से पुलिस और प्रशासन के समक्ष अपनी मांगों को रखा.

**कमलेश मेमोरियल अस्पताल के संचालक पर गंभीर आरोप:** आंदोलनकारियों का मुख्य निशाना कमलेश मेमोरियल अस्पताल के संचालक अमरेश पाठक और उनके सहयोगी रहे. प्रदर्शनकारियों ने अमरेश पाठक को इस पूरे हत्याकांड की साजिश का मुख्य सूत्रधार बताते हुए उनकी अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है. इसके अलावा, ज्ञापन में सुबोध पाठक और राहुल पाठक के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रभावशाली संपर्कों के कारण आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे रातू की जनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी. पुतला दहन और 'इंसाफ' की गूंज

कैंडल मार्च जब काठीटांड़ चौक पहुंचा, तो वहां का माहौल और भी गमगीन और आक्रोशित हो गया. प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के पुतले जलाकर अपनी नाराजगी जाहिर की. चौक पर "दोषियों को फांसी दो" और "राजनंदिनी के हत्यारों को सामने लाओ" जैसे नारे देर तक गूंजते रहे. मार्च के दौरान कई महिलाएं भावुक हो गईं. उन्होंने राजनंदिनी को अपनी बेटी बताते हुए कहा कि जब तक उसे न्याय नहीं मिल जाता, वे चुप नहीं बैठेंगी. इस दौरान पुलिस बल भी एहतियात के तौर पर तैनात रहा.

## बीआईटी मेसरा को मिला 'प्राइड ऑफ नेशन अवॉर्ड'

**रांची:** बीआईटी मेसरा को वेटरन्स इंडिया द्वारा 'प्राइड ऑफ नेशन अवॉर्ड्स' के तहत झारखंड का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय घोषित किया गया है. यह सम्मान संस्थान को छात्र विकास, सामुदायिक सहभागिता, नेतृत्व निर्माण और कक्षा के बाहर मूल्य-आधारित शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया. वेटरन्स इंडिया, जो वर्ष 2015 में स्थापित एक राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है, भारतीय सशस्त्र बलों के पूर्व सदस्यों द्वारा संचालित किया जाता है. यह संगठन देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर युवाओं के विकास और नेतृत्व निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम संचालित करता है. 'प्राइड ऑफ नेशन अवॉर्ड्स' इसी पहल का हिस्सा है, जिसे अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड, भारतीय विश्वविद्यालय संघ और एजुकेशन प्रमोशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से प्रदान किया जाता है.

# धनबाद प्लांट हादसे में एक और शव बरामद, जान गँवाने वालों की संख्या बढ़कर हुई चार

**धनबाद:** पुटकी थाना क्षेत्र स्थित मूनीडीह सीपीपी प्लांट में हुए हादसे में एक और शव बरामद होने से मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है. पुलिस ने प्लांट से कुछ दूरी पर स्थित जंगल से यह शव बरामद किया है. मृतक की पहचान केंदुआ निवासी वसीम अंसारी के रूप में की गई है.

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच में जुट गई है. इससे पहले इसी घटना में लोहा चोरी के दौरान हुए सिलेंडर ब्लास्ट में तीन युवकों आनंद, संजय यादव और अजहरुद्दीन की मौत हो चुकी थी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे. पुटकी थाना प्रभारी वकार हुसैन कहा कि जंगल से एक और शव बरामद हुआ है. शव की शिनाख्त वसीम अंसारी के रूप में की गई है. मामले की जांच पड़ताल चल रही है.

बताया जा रहा है कि बंद पड़े इस प्लांट में लोहा चोरी के इरादे से युवक घुसे थे. पाइप कटिंग के दौरान अचानक ब्लास्ट हुआ, जिससे यह हादसा हुआ. वहीं, ब्लास्ट के बाद प्लांट से जहरीली गैस का रिसाव भी हुआ, जिसकी चपेट में CISF और BCCL के पांच कर्मी आ गए थे. इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है.

यह घटना एक बार फिर बंद पड़े औद्योगिक प्लांटों की खतरनाक स्थिति को उजागर करती है. बिना सुरक्षा और निगरानी के ऐसे प्लांट अब लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना में और कौन-कौन शामिल थे. वहीं, प्रशासन के सामने अब यह बड़ी चुनौती है कि ऐसे बंद पड़े प्लांटों को सुरक्षित किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।